राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

वर्ष : 12
अंक : 30
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
रविवार 15 अगस्त 2022
मूल्य : 1.50/-

नई दिल्ली से प्रकाशित

RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 तीन केंद्रीय मंत्रियों और उपराज्यपाल - दिल्ली ने नई दिल्ली में कनॉट प्लेस से इंडिया गेट तक एनडीएमसी स्कूल के10000 छात्रों के साथ प्रभात

पेज 5 रायबरेली में डायरिया से भाई-बहन की मौत, जिंदगी से जूझ रही मां और बेटी

पेज 7 मिस्र के गीजा स्थित चर्च में आग के बाद भगदड़, 41 की मौत, प्रार्थना के लिए जुटे थे 5 हजार लोग

15 अगस्त पर दिल्ली को दहलाने की साजिश नाकाम

पंजाब पुलिस ने चार आतंकी पकड़े

आईईडी के साथ तीन ग्रेनेड और पिस्टल बरामद

अमृतसर। पंजाब पुलिस ने नई दिल्ली से चार आतंकियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए चारों आतंकी कनाडा में बैठे अर्शदीप सिंह उर्फ अर्श डल्ला और ऑस्ट्रेलिया में बैठे गुरजंट सिंह उर्फ जनता के करीबी हैं। पुलिस ने इन चारों से आईडी के अलावा तीन ग्रेनेड, दो पिस्टल और 40 कारतूस बरामद किए। पंजाब पुलिस का दावा है कि इनकी प्लानिंग 15 अगस्त पर दिल्ली में ब्लास्ट करने की थी। चारों की गिरफ्तारी में दिल्ली पुलिस की मदद भी ली गई।

पंजाब के DGP गौरव यादव ने बताया कि एक हफ्ते में पकड़ा गया यह तीसरा आतंकी मॉड्यूल है जिसके कनेक्शन क्रॉस बॉर्डर से हथियारों की तस्करी करने वालों से जुड़ रहे हैं। पकड़े गए आरोपियों में से 2 पंजाब और 2 दिल्ली के रहने वाले हैं। इनमें दीपक शर्मा निवासी प्रीतनगर (मोगा), संदीप सिंह निवासी गांव कोटकरोड़ कलां (फिरोजपुर), सन्नी डागर निवासी ईशापुर गांव (दिल्ली) और विपन जाखड़ निवासी गोयला खुर्द (नई दिल्ली) है। इन चारों ने हथियारों के साथ दिल्ली में पनाह ले रखी थी।

इनपुट के बाद रेड

पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि पंजाब पुलिस के स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल को पुख्ता इनपुट मिला था कि दीपक, सन्नी और संदीप नई दिल्ली के गोयला खुर्द गांव में अपने चौथे साथी विपिन जाखड़ के साथ उसी के घर में छिपे हुए हैं। इसके बाद SSOC की टीम ने नई दिल्ली पुलिस के द्वारका थाने की टीम के साथ जाखड़ के घर रेड की। वहां से इन चारों को दो पिस्तौल और 40 जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के बाद इन चारों ने पंजाब में उनकी ओर से छिपाई एक आईडी और तीन ग्रेनेड बरामद करवाए।

दिल्ली-पंजाब में दहशत फैलाने की साजिश

पंजाब के DGP के अनुसार, चारों आतंकियों ने बताया कि उन्हें अर्श डल्ला ने स्वतंत्रता दिवस से पहले दिल्ली और पंजाब में माहौल बिगाड़ने का जिम्मा सौंपा था। गिरफ्तार किया गया दीपक मोगा के ही जसविंदर सिंह जस्सी को मारने और पंचायत सेक्रेटरी के घर पर फायरिंग करने के केस में भी वांटेड था। इसी तरह संदीप सिंह कुछ समय पहले ही दुबई से लौटा था। उसी ने पंचायत सेक्रेटरी के घर फायरिंग के लिए दीपक को हथियार उपलब्ध करवाए थे। इनका तीसरा साथी सन्नी डागर जेल से पैरोल पर बाहर आया हुआ था।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति मुर्मू का संदेश

हम भारतीयों ने संदेह जताने वालों को गलत साबित किया...

नई दिल्ली। भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने देश को संबोधित करते हुए कहा कि हम भारतीयों ने संदेह जताने वाले लोगों को गलत साबित किया है। इस मिट्टी में न केवल लोकतंत्र की जड़ें बढ़ीं है, बल्कि, समृद्ध भी हुईं। लोकतंत्र की वास्तविक क्षमता का पता लगाने में दुनिया की मदद करने का श्रेय भारत को दिया जा सकता है। बतौर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का देश के नाम यह पहला संबोधन है। मुर्मू ने कहा कि देश का विकास अधिक समावेशी होता जा रहा है और क्षेत्रीय असमानताएं भी कम हो रही हैं। दुनिया ने हाल के वर्षों में नए भारत को विकसित होते देखा है, विशेषकर कोविड-19 महामारी के प्रकोप के बाद। अधिकांश लोकतान्त्रिक देशों में वोट देने का अधिकार प्राप्त करने के लिए महिलाओं को लंबे समय तक संघर्ष करना पड़ा था। लेकिन हमारे गणतंत्र की शुरुआत से ही भारत ने सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार को अपनाया।

आजादी का महोत्सव भारत की जनता को समर्पित

राष्ट्रपति ने कहा, 14 अगस्त के दिन को विभाजन-विभीषिका स्मृति-दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। इस स्मृति दिवस को मनाने का उद्देश्य सामाजिक सद्भाव, मानव सशक्तीकरण और एकता को बढ़ावा देना है। आज़ादी का अमृत महोत्सव मार्च 2021 में दांडी यात्रा की स्मृति को फिर से जीवंत रूप देकर शुरू हुआ। उस युगांतरकारी आंदोलन ने हमारे संघर्ष को विश्व-पटल पर स्थापित किया। उसे सम्मान देकर हमारे इस महोत्सव की शुरुआत की गई। यह महोत्सव भारत की जनता को समर्पित है।

भारत में आज जीवन-मूल्यों को दी जा रही प्रमुखता

भारत में आज संवेदनशीलता व करुणा के जीवन-मूल्यों को प्रमुखता दी जा रही है। इन जीवन-मूल्यों का मुख्य उद्देश्य हमारे वंचित, जरूरतमंद तथा समाज के हाशिये पर रहने वाले लोगों के कल्याण हेतु कार्य करना है। आज जब हमारे पर्यावरण के सम्मुख नई-नई चुनौतियां आ रही हैं तब हमें भारत की सुंदरता से जुड़ी हर चीज का दृढ़तापूर्वक संरक्षण करना चाहिए।

गुजरात के द्वारका की धरती हिली

शहर में लगे भूकंप के झटके

द्वारका। गुजरात में रविवार दोपहर द्वारका शहर के पास 4.3 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र द्वारका से 556 किमी पश्चिम (पश्चिम) में था। भूकंप के झटके भारतीय समयानुसार 3.23 बजे महसूस किए गए। राहत की बात रही कि इससे कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ।

कच्छ में आया था 3.2 तीव्रता का भूकंप

बीते 8 अगस्त को कच्छ इलाके में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे, जिसकी तीव्रता 3.2 मापी गई थी। भूकंपीय अनुसंधान संस्थान, गांधीनगर ने बताया कि कच्छ में यह भूकंप शाम को 7 बजकर 43 मिनट के आसपास आया था।

इससे पहले कच्छ और भुज में तीन अगस्त को भी भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। इस दौरान इसकी तीव्रता 3.6 मापी गई थी। पिछले महीने इस जिले में सात बार भूकंप के झटके लगे थे। इन झटकों की तीव्रता 3 से ऊपर ही थी।

शेयर मार्केट के बिग बुल राकेश झुनझुनवाला का निधन

मुंबई। भारत के वॉरेन बफे जाने वाले दिग्गज निवेशक एवं उद्यमी राकेश झुनझुनवाला का रविवार सुबह यहां ब्रिच कैंडी अस्पताल में निधन हो गया। वह 62 वर्ष के थे।

चालीस हजार करोड़ रुपये की सम्पत्ति का प्रबंध करने वाले श्री झुनझुनवाला ने पिछले हफ्ते ही आकासा एयरलाइंस के शुभारंभ के साथ उड्डयन क्षेत्र में कदम रखा था। उन्हें आखिरी बार सार्वजनिक रूप से आकासा के उद्घाटन समारोह में देखा गया था। श्री झुनझुनवाला बिग बुल के नाम से मशहूर थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि श्री झुनझुनवाला अदम्य साहसी थे। श्री मोदी ने अपने शोक संदेश में कहा, श्री राकेश झुनझुनवाला अदम्य साहस वाले व्यक्ति थे।वह बड़े जिंदादिल, समझदार और गहरी दृष्टि वाले थे। उन्होंने वित्तीय क्षेत्र में अमिट योगदान किया है। वह भारत के प्रगति के बारे में बड़े जज्बाती थे। उनका जाना दुखद है।उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदना है। ओम शांति!

वीरता पुरस्कारों की घोषणा: नायक देवेंद्र प्रताप सिंह को कीर्ति चक्र

8 जवानों को शौर्य चक्र; सेना के डॉग को मरणोपरांत सम्मान

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर वीरता पुरस्कारों की घोषणा की। इस स्वतंत्रता दिवस पर नायक देवेंद्र प्रताप सिंह को देश के दूसरे सर्वोच्च शांतिकालीन वीरता पुरस्कार कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया। नायक देवेंद्र प्रताप सिंह इस साल 29 जनवरी को पुलवामा में एक ऑपरेशन का हिस्सा थे, जहां उन्होंने असाधारण बहादुरी दिखाते हुए दो आतंकवादियों को मार गिराया था। इसके अलावा सेना के 8 जवानों को शौर्य चक्र प्रदान किए गए हैं। इनमें सिपाही कर्ण वीर सिंह, गनर जसबीर सिंह को मरणोपरांत शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया है। इनके अलावा शौर्य चक्र पुरस्कार विजेताओं में मेजर नितिन धानिया, अमित दहिया, संदीप कुमार, अभिषेक सिंह, हवलदार घनश्याम और लांस नायक राघवेंद्र सिंह शामिल हैं।

भारतीय सेना के हमलावर बेल्जियन मेलिनोइस डॉग एक्सेल को मरणोपरांत वीरता अवॉर्ड' मेंशन इन डिस्पेचेस' से नवाजा गया। पिछले महीने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद रोधी अभियान में डॉग की भूमिका के लिए यह अवॉर्ड दिया गया।

31 जुलाई को बारामुला के वानीगाम में जब भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवानों ने एक मकान में छिपे आतंकवादियों के खिलाफ ऑपरेशन शुरू किया। तो इसमें डॉग स्क्वॉड को भी शामिल किया गया।

डॉग एक्सेल की पीठ पर एक कैमरा लगाया गया, ताकि उसके द्वारा की जाने वाली रूम इंटरवेंशन के दौरान आतंकवादियों की सही जानकारी सेना तक पहुंच सके और वह आसानी से ऑपरेशन को अंजाम दे सकें।

जैसे ही एक्सेल मुठभेड़ स्थल पर मकान में दाखिल हुआ तो आतंकियों ने इस पर फायरिंग कर दी। तीन गोलियां लगने से उसकी जान चली गई। सेना के एक अधिकारी ने बताया कि असाल्ट डॉग को विशेष ट्रेनिंग दी जाती है, ताकि वह संदिग्ध को दबोच सके।

देश आठ राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में बढ़े कोरोना के सक्रिय मामले

नयी दिल्ली। पिछले 24 घंटों के दौरान देश के आठ राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों में कोरोना वायरस के सक्रिय मामलों में वृद्धि हुयी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने रविवार को यहां बताया कि सुबह सात बजे तक 207.99 करोड़ टीके दिये जा चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के 14 हजार 092 नये मरीज सामने आये हैं। इनके साथ ही देश में कोरोना रोगियों की संख्या एक लाख 16 हजार 816 हो गयी है। यह संक्रमित मामलों का 0.26 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 3.39 प्रतिशत हो गयी है।

मंत्रालय ने बताया कि इसी अवधि में 16 हजार 454 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं। अभी तक कुल 4 करोड़ 36 लाख 09 हजार 566 रोगी कोविड से उबर चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 98.54 प्रतिशत है।

ओडिशा में कोरोना सक्रिय मामले 403 की कमी आने से इनकी कुल संख्या 4019 हो गयी और इससे निजात पाने वालों की संख्या 1309010 हो गयी है।

हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश, भूस्खलन से अभी तक 192 लोगों की मौत

हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश में मानसून के दौरान भारी बारिश और भूस्खलन से जहां अभी तक 192 लोगों की मौत हो गई है और वहीं अब तक 980 करोड़ रुपये की सरकारी और निजी संपत्ति नष्ट हो चुकी है। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने शनिवार को यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने यूनीवार्ता को बताया कि पिछले एक सप्ताह के दौरान भारी बारिश और भूस्खलन से सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है।

शिक्षक की पिटाई से दलित छात्र की मौत

जालोर में गुस्साई भीड़ ने किया पथराव, पुलिस ने भांजी लाठियां; आधा दर्जन से ज्यादा घायल

जालोर। 9 साल के दलित स्टूडेंट की मौत के मामले को लेकर भीम आर्मी के समर्थकों ने रविवार दोपहर पुलिस पर पथराव कर दिया। भीड़ के उग्र होते ही पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। मृतक स्टूडेंट के मामा समेत आधा दर्जन से ज्यादा लोगों को चोटें आई हैं।

प्रदर्शनकारियों ने गाड़ियां खड़ी कर गांव का रास्ता ब्लॉक कर दिया था। घायलों तक को अस्पताल नहीं जाने दिया जा रहा था। मामला बिगड़ने की आशंका के चलते प्रशासन ने सुबह से ही जिले में इंटरनेट सेवा बंद कर दी है। मुख्यमंत्री सहायता कोष से 5 लाख के मुआवजे की घोषणा की जा चुकी है। वहीं कलेक्टर ने 4 लाख की सहायता राशि की स्वीकृति दी है। चालान पेश होने के बाद 4 लाख की और सहायता राशि कलेक्टर की ओर से स्वीकृत की जाएगी।

शाम साढ़े सात बजे बनी सहमति

रविवार को स्टूडेंट की बॉडी गांव पहुंची। घर के आंगन में बॉडी रखकर प्रशासन के साथ बात चली। परिजनों ने 50 लाख मुआवजा, परिवार के 1 सदस्य को सरकारी नौकरी और स्कूल की मान्यता रद्द करने की मांग की। इस दौरान भीम आर्मी के लोगों ने कहा कि इसको लेकर मुख्यमंत्री अभी ट्वीट करें, जब हम ट्वीट देखेंगे तभी शव उठाएंगे। प्रशासनिक अधिकारियों ने कहा- इसका एक प्रोसेस है।

इस दौरान वहां माहौल गर्मा गया और धक्का-मुक्की हो गई। तभी कुछ लोगों ने पुलिस की गाड़ियों पर पथराव कर दिया। कई गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं। पुलिस ने लाठीचार्ज कर प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा। पुलिस ने मृतक के परिजनों को छोड़कर सभी रिश्तेदारों को घर से बाहर निकाल दिया। शाम करीब साढ़े सात बजे परिवार वालों से मुआवजे पर सहमति बनी और बालक इंद्र का अंतिम संस्कार किया गया।

अलग रखी मटकी से पानी पीने की सजा मौत

मामला जालोर के सायला इलाके के सुराणा गांव स्थित सरस्वती स्कूल का है। हेड मास्टर छैल सिंह के लिए अलग रखी मटकी से पानी पीने की कीमत तीसरी कक्षा में पढ़ने वाले 9 साल के इंद्र कुमार पुत्र देवाराम मेघवाल को जान देकर चुकानी पड़ी। आरोप है कि 20 जुलाई को छैल सिंह ने इंद्र को इतना मारा कि कान के पास गंभीर चोटें आईं। वह कराहते हुए घर पहुंचा और पूरा मामला परिवार वालों को बताया।

इसके बाद पिता और अन्य परिवार वाले उसे हॉस्पिटल लेकर भागे। बागोड़ा, भीनमाल, डीसा, मेहसाणा, उदयपुर में इलाज कराया था।

इसके बाद बच्चे को अहमदाबाद ले गए। वहां 24 दिन इलाज कराने के बाद 13 अगस्त की सुबह करीब 11 बजे इंद्र कुमार ने दम तोड़ दिया। थानाधिकारी ध्रुव प्रसाद ने बताया कि छैल सिंह के खिलाफ हत्या और एससी/एसटी एक्ट में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

शिक्षक ने जातिगत भेदभाव को नकारा

उधर, रविवार दोपहर करीब 12 बजे इंद्र की बॉडी गांव पहुंच गई । SC आयोग के अध्यक्ष खिलाड़ी बैरवा भी सोमवार को पीड़ित के परिजनों से मिलने जालोर के सुराणा गांव जाएंगे। गांव के सरस्वती स्कूल के टीचर गटाराम मेघवाल ने बताया कि वह पिछले 5-6 साल से इस स्कूल में पढ़ा रहे हैं। उन्होंने कभी भी यहां पर जातिगत भेदभाव नहीं देखा।

कत्ल

एक घंटे की काउंसिलिंग के बाद पति कोर्ट से निकला और पत्नी का गला काट दिया

फैमिली कोर्ट में सुलह के बाद पत्नी का किया मर्डर

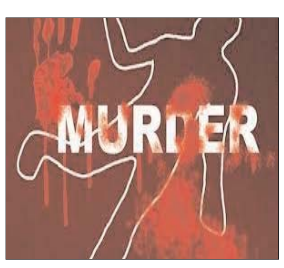

बेंगलुरु। कर्नाटक के हसन जिले में एक शख्स ने कोर्ट परिसर में ही अपनी पत्नी की गला काटकर हत्या कर दी। घटना फैमिली कोर्ट में हुई, जहां दोनों को काउंसलिंग के लिए बुलाया गया था। दरअसल थट्टेकेरे गांव की चैत्रा की शादी 7 साल पहले शिवकुमार से हुई थी, लेकिन दोनों का रिश्ता बिगड़ गया। इसके चलते ही इन्होंने तलाक के लिए अर्जी दी थी। कोर्ट ने शनिवार को सुलह के लिए दोनों को बुलाया था।

7 साल की शादी बचाने के लिए कोर्ट गए थे दोनों

घटना से कुछ मिनट पहले ही यह दंपती अपने मतभेदों को खत्म करने और सात साल की शादी को बचाने के लिए फिर से एक होने तैयार हुआ था।

हसन जिले के होलेनरसीपुरा फैमिली कोर्ट में एक घंटे की काउंसलिंग हुई। इसके बाद जब चैत्रा बाहर निकली, तब शिवकुमार उसके पीछे-पीछे वाशरूम तक गया और उसके गले को धारदार हथियार से काट दिया, जिससे उसका काफी खून बह गया।

कोर्ट में हथियार लेकर कैसे आया, पुलिस कर रही जांच

चैत्रा को घायल हालत में अस्पताल ले गए जहां उसे वेंटिलेटर पर रखा गया था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई क्योंकि उसके गले में गहरे घाव के कारण काफी खून बह गया था।

वारदात को अंजाम देने के बाद शिवकुमार ने भागने की कोशिश की तो आसपास मौजूद लोगों ने उसे दबोच लिया। शिवकुमार पर हत्या का मुकदमा दायर किया गया है।

हसन के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी हरिराम शंकर ने बताया कि घटना अदालत परिसर में हुई। हमने उसे हिरासत में लेकर हथियार जब्त कर लिया है।

साथ ही यह जांच की जा रही है कि काउसिंलिंग के बाद क्या हुआ था। कोर्ट में उसे कुल्हाड़ी कैसे मिली, क्या यह प्री प्लांड मर्डर था, इन सभी एंगल से मामले की जांच की जा रही है।

आरोपी पति की पहचान शिवकुमार के तौर पर हुई है, जिसकी पत्नी का नाम चैत्रा था। यह मामला हासन जिले के होलेनरसीपुरा फैमिली कोर्ट का है।

एक घंटे की काउंसलिंग के बाद जैसे ही महिला बाहर निकली। शिवकुमार उसके पीछे-पीछे वाशरूम तक गया। यहां अकेले पाकर उसने छुरी से उसका गला काट दिया और लहूलुहान हालत में उसे छोड़कर भागने की नाकाम कोशिश की।

भारत को दुनिया का नंबर वन देश बनाने का लें संकल्प : केजरीवाल

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि 75 साल पहले जब सारा भारत इकट्ठा हुआ तो हमने अंग्रेजों को उठाकर देश से बाहर फेंक दिया अगर हम सभी फिर एक बार इकट्ठे हो जाएं, तो भारत को दुनिया का नंबर वन देश बनाने से कोई नहीं रोक सकता है।

श्री केजरीवाल ने 75वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर आज त्यागराज स्टेडियम में आयोजित 'हर हाथ तिरंगा' समारोह में देशवासियों से अपील करते हुए कहा, आइए, आजादी की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर हम सब 130 करोड़ भारतवासी मिलकर प्रण लें कि आने वाले समय में भारत को दुनिया का सर्वश्रेष्ठ राष्ट्र बनाएंगे। हम यह भी प्रण लें कि अपनी तरफ से देश को गंदा नहीं करेंगे और राह चलते समय कोई कूड़ा सड़क पर नहीं फेंकेंगे।

उन्होंने कहा कि पूरा देश इस वक्त देशभक्ति के रस में डूबा हुआ है। अपने-अपने तरीके से देशभर में लोग आजादी का 75वां साल मना रहे हैं। "हर घर तिरंगा, हर हाथ तिरंगा' जगह-जगह जश्न मनाए जा रहे हैं और किस्म-किस्म के कार्यक्रम किए जा रहे हैं। यह समय उन सभी शहीदों को याद करने का है, जिन लोगों की शहादत और संघर्ष की वजह से हम लोगों को आजादी मिली थी। यह समय उनके सपनों को याद करने का है। वो कैसा भारत चाहते थे। देश के अनगिनत लोगों ने अपनी शहादत दी। अनगिनत लोग जेल गए। कइयों ने काला पानी की सजा काटी, बहुत यातनाएं सही।

शार्ट न्यूज

बांदीपोरा में सेना का जश्न-ए-तुलैल कार्यक्रम

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में बांदीपोरा जिले की तुलैल घाटी में सेना ने स्थानीय आबादी के बीच सामंजस्य और जोड़ने के लिए 'जश्न-ए-तुलैल' का आयोजन किया। सेना ने आज यहां बताया कि आवाम और सेना के बीच सामंजस्य और जुड़ाव को लेकर तुलैल घाटी की स्थानीय आबादी के लिए 'जश्न-ए-तुलैल' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके तहत सात अगस्त से 14 अगस्त तक कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के तहत अंतर ग्राम चित्रकला प्रतियोगिता, दौड़, लड़कियों के साइकिल अभियान, दौड़, पटाखा शो और एक मेगा सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। जश्न-ए-तुलैल के दौरान 'हर घर तिरंगा' और आजादी का अमृत महोत्सव का अभियान भी चलाया गया।

टीआरएस के विधायक , मंत्री हो गये हैं लाइसेंसधारी गुंडे : भाजपा

हैदराबाद। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तेलंगाना ईकाई ने तेलंगाना राष्ट्र समिति(टीआरएस) के विधायकों और मंत्रियों पर सोमवार को तीखा हमला करते हुए उन्हें लाइसेंसधारी गुंडे बताया ।भाजपा के तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष बंदी संजय कुमार ने टीआरएस पर निशाना साधते हुए कहा टीआरएस सरकार के मंत्री हवा में गोलियां चला रहे हैं। सत्तारूढ़ पानी हत्यारों, बलात्कारियों , बालू और ड्रग्स माफियाओं के लिए सुरक्षित शरणस्थली बन गयी है। मोठकूर गांव में प्रजा संग्राम पदयात्रा के लिए आये भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने संवाददाताओं से बात करते हुए कहा दिनदहाड़े वकीलों की हत्या की जाती है ।पिछले साल पिछले 15 दिनों के भीतर दो वकीलों की हत्या कर दी गयी ।पिछले साल उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता गट्टू वमन राव और उनकी पत्नी की मनथानी में हत्या कर दी गयी थी। यह बेहद चिंता जनक है। उन्होंने वकीलों की सुरक्षा के लिए तुरंत ही एक कानून लाये जाने की मांग की। श्री संजय ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ पुलिस अधिकारी और लोकसेवक टीआरएस के हाथों की कठपुतली बनकर भाजपा नेताओं को अनायास की परेशान करने में लगे हैं।

पृथक राज्य के लिए आंदोलन करेगी आईपीएफटी

अगरतला। त्रिपुरा में सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की सहयोगी आईपीएफटी ने त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद को अलग राज्य घोषित करने की अपनी मांग को लेकर 23 अगस्त को दिल्ली में आंदोलन करने की घोषणा की है। आईपीएफटी के अध्यक्ष और राजस्व मंत्री ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी पिछले 25 वर्षों से अपनी मांग के लिए लड़ रही है और पिछले विधानसभा चुनाव में उसने भाजपा से हाथ मिलाया था। भाजपा से गठबंधन करने की मुख्य शर्तें स्वदेशी समुदाय को सशक्त बनाना और एडीसी के दर्जे को अपग्रेड करना था, लेकिन अबतक इनमें कोई प्रगति नहीं हुई है। श्री देबबर्मा ने कहा , नयी सरकार के गठन के तुरंत बाद केंद्रीय गृहमंत्री ने उच्च अधिकारप्राप्त समिति का गठन किया और उनकी हितधारकों से मांगों को लेकर कई बैठक भी हुई लेकिन कोई परिणाम नहीं निकला, हमने इस संदर्भ में कई बार प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, भाजपा अध्यक्ष और वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक की है।

ओडिशा में महानदी में बाढ़ की संभावना

भुवनेश्वर। ओडिशा के विशेष राहत आयुक्त (एसआरसी) पी के जेना ने कहा कि महानदी में सोमवार शाम को बाढ़ आने की संभावना है। जल संसाधन विभाग, राज्य आपदा मोचन बल (ओडीआरएएफ), राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और अग्निशमन सेवा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ राज्य में संभावित बाढ़ की स्थिति की समीक्षा करने के बाद श्री जेना ने यह आशंका व्यक्त की। उन्होंने मीडियाकर्मियों को बताया कि केंद्रपाड़ा, जगतसिंहपुर, पुरी और खोरधा जिले के कुछ हिस्सों के बाढ़ प्रभावित होने की संभावना है। श्री जेना ने कहा कि रविवार को सुबह नौ बजे मुंडुली से 5,59,390 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है और सोमवार शाम तक मुंडुली से करीब 10 से 10.5 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने की संभावना है। उन्होंने कहा कि बचाव अभियान के लिए बाढ़ से प्रभावित जिलों में ओडीआरएएफ, एनडीआरएफ और दमकल विभाग की टीमों को तैनात किया जाएगा। पुरी और केंद्रपाड़ा जिलों में ओडीआरएएफ की दो और एनडीआरएफ की एक-एक टीम और पुरी, केंद्रपाड़ा और जगतसिंहपुर जिलों में दमकल की चार टीमें तैनात की जाएंगी। श्री जेना ने कहा कि जगतसिंहपुर में एनडीआरएफ की एक और ओडीआरएएफ की दो टीमें तैनात की जाएंगी। इसके अलावा खुर्दा और कटक जिले में ओडीआरएएफ की एक-एक टीम तैनात की जाएगी।

त्रिपुरा : डमबूर झील के द्वीपों के लिए शुरू होगी हेलिकॉप्टर सेवा शुरू

अगरतला, 14 अगस्त (वार्ता) त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा ने कहा है कि राज्य सरकार द्वारा जल्द ही इस क्षेत्र के पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए डमबूर के एक द्वीप नारकेल कुंजा में निजी कंपनियों को हेलीकॉप्टर सेवा प्रदान करने को आमंत्रित किया जाएगा। डमबूर झील राज्य के एकमात्र पनबिजली उत्पादन का मुख्य स्रोत है। डॉ साहा ने शनिवार को डमबूर झील के आसपास रहने वाले स्थानीय लोगों के साथ एक तिरंगा रैली में शामिल होने बाद कहा कि डमबूर जलाशय कश्मीर के डल झील से कम नहीं है और यहां पर बहुत ही आकर्षक पर्यटन स्थल हैं। वर्तमान में डंबूर के साथ सिर्फ सड़क संपर्क है जिसमें कुछ घंटों का समय लग जाता है इसलिए हमने पर्यटकों के लिए सस्ती हेलीकॉप्टर सेवाएं शुरू करने की योजना बनाई है। मुख्यमंत्री डमबूर जलाशय में 70 मोटरचालित नौकाओं के एक सुंदर जुलूस में राष्ट्रीय ध्वज के साथ हर घर तिरंगा रैली में शामिल हुए, जिसमें नरकेल कुंजा के आसपास 48 छोटे द्वीप हैं। डॉ. साहा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा राज्य की कला और संस्कृति को बढ़ावा देते हुए सभी द्वीपों को सजाया गया है। झील का वातावरण अद्वितीय है और इसके पानी की गुणवत्ता डल झील की तुलना में बेहतर है लेकिन दुर्भाग्यवश, पिछले 50 वर्षों में विभिन्न कारणों से इसकी सुंदरता का फायदा नहीं उठाया गया। वर्ष 2018 में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार आने के बाद त्रिपुरा पर्यटन का विकास उभरकर सामने आया है।

सारण में भूमि विवाद को लेकर गोलीबारी

छपरा। बिहार में सारण जिले के छपरा - सिवान राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 531 पर रिविलगंज थाना क्षेत्र के टेकनिवास बाजार पर रविवार को दो पक्षों के बीच हुए भूमि विवाद को लेकर गोलीबारी की घटना में कई लोग घायल हो गए। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, टेकनिवास बाजार पर राजेंद्र साह की मिठाई दुकान पर पहुंचे कुछ लोगों ने जमकर तोड़फोड़ करने के साथ ही दुकान में आग लगाने के साथ ही गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया गया। घटना में राजेंद्र साह की 60 वर्षीय पत्नी शांति देवी, पुत्र महेश गुप्ता 35, दिलीप गुप्ता 34, पुत्री सरिता कुमारी 22, रिशु गुप्ता 20, सीमा कुमारी 25 घायल हो गए। वहीं, घटना की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस को देखकर सभी उपद्रवी भाग निकले। घायलों को उपचार के लिए सदर अस्पताल छपरा लाया गया है। जहां चिकित्सकों ने सभी को ख़तरे से बाहर बताया है। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर उपद्रव करने वाले लोगों को गिरफ्तार करने के लिए छापामारी की जा रही है।

रालोजपा में टूट की खबर भ्रामक, विरोधी गुट की साजिश : प्रिंस

पटना। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) के प्रदेश अध्यक्ष एवं समस्तीपुर के सांसद प्रिंस राज ने आज अपनी पार्टी के तीन सांसदों के टूटने की खबर को पूरी तरह से भ्रामक बताते हुए इसे विरोधी गुट की साजिश करार दिया। रालोजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं समस्तीपुर के सांसद प्रिंस राज ने रविवार को यहां पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में नवादा के सांसद चंदन सिंह, खगड़िया के सांसद महबूब अली कैसर और वैशाली की सांसद बीना देवी की मौजूदगी में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि विरोधी दल एक साजिश के तहत इस तरह का भ्रम फैला रही है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस के नेतृत्व में पार्टी के सभी सांसद पूरी तरह से एकजुट और मजबूती के साथ राजग में हैं।

गांव जा रहे परिवार की कार भावनगर में डंपर से टकराई, चार लोगों की मौत

एजेंसी

भावनगर। गुजरात के भावनगर जिले में स्टेट हाईवे पर एक कार के डंपर ट्रक से टकरा जाने से हुए दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर हादसे की

जांच शुरू कर दी है। पुलिस एक अधिकारी ने रविवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह दुर्घटना जिले के वल्लभीपुर कस्बे के निकट राजमार्ग पर शनिवार रात करीब 11 बजे हुई। उन्होंने कहा कि हादसे में जान गंवाने वाले परिवार के चारों लोग सूरत से अमरेली जिले के अपने पैतृक गांव झरकिया जा रहे थे, तभी उनकी कार सड़क किनारे डंपर से जा टकराई। अधिकारी ने कहा कि हादसे में एक दंपति और उनके 15 वर्षीय बेटे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके 18 वर्षीय भतीजे को भावनगर के एक अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। मृतकों की शिनाख्त की कोशिश की जा रही है। पुलिस ने मृतकों के परिजनों को हादसे के बारे में सूचना दे दी है।

जम्मू में स्वतंत्रता दिवस पर बहुस्तरीय सुरक्षा इंतजाम

जम्मू। जम्मू कश्मीर की शीतकालीन राजधानी जम्मू में 75वें स्वतंत्रता दिवस से पहले बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। स्वतंत्रता दिवस मुख्य समारोह यहां मौलाना आजाद स्टेडियम में होगा। समारोह में उपराज्यपाल के सलाहकार आर आर भटनागर जम्मू में तिरंगा फहराएंगे और परेड की सलामी लेंगे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि तलाशी अभियान के तहत कई स्थानों विशेषकर मुख्य स्थल से सटे इलाकों में संयुक्त नाके बनाए गए हैं। जमीन के साथ-साथ हवाई निगरानी भी बढ़ा दी गई है। डॉग स्क्वायड और ड्रोन के अलावा राष्ट्रीय आयोजन के सफल संचालन और देशद्रोहियों और विरोधियों के नापाक इरादों को विफल करने के लिए शार्प शूटर भी तैनात किया गया हैं। उन्होंने कहा, जम्मू क्षेत्र में विशेष रूप से जम्मू शहर में तलाशी और जांच को तेज कर दिया गया है। जम्मू में आयोजन स्थल के आसपास एक विशेष जांच चौकी भी स्थापित की गई है जो कि हाई अलर्ट पर है और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने के लिए ड्रोन तथा कार्यक्रम स्थल और उसके आसपास खोजी कुत्तों को भी तैनात किया गया है। कार्यक्रम स्थल के पास तवी नदी के तट पर पुलिस बूथ बनाया गया है।

बंटवारे की विभिषिका को झेलने वालों से ही उसकी मनोस्थिति पता चल सकती है : देवनानी

अजमेर। राजस्थान के पूर्व शिक्षा मंत्री वासुदेव देवनानी ने 1947 में आजादी एवं विभाजन के संघर्ष और बलिदान को याद करते हुए कहा है कि उस समय बंटवारे की विभिषिका को झेलने वालों से ही उसकी मनो स्थिति पता चल सकती है। अजमेर विधायक श्री देवनानी आज अपने निज निवास पर संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि तब देश को खंडित आजादी प्राप्त हुई ये कहा जाए तो भी कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद धारा 370 खत्म हुई है तो कुछ आशा जगी है क्योंकि सिंधी समाज का दर्द यह है कि सिंध प्रांत आज भी पाकिस्तान में है। सिंधी और सिख समाज तब सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ था। उन्होंने कहा कि मेरे परिवार ने भी विभिषिका झेली है तब दस लाख लोग मारे गए थे और दस करोड़ लोग विस्थापित हुए।

स्वतंत्रता दिवस के लिए सुरक्षा की सारी तैयारियां पूरी: डीजीपी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक(डीजीपी) दिलबाग सिंह ने रविवार को कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए सुरक्षा संबंधी सभी तैयारियां कर ली गई है।

डीजीपी ने रविवार को श्रीनगर में आयोजित तिरंगा वॉकथॉन के अवसर पर मीडिया कर्मियों को यह जानकारी देते हुए कहा, स्वतंत्रता दिवस समारोह को सुचारू रूप से पूरा से करने के लिए सुरक्षा के सारे इंतजाम किए गए हैं और जहां कहीं भी ड्रोंस की आवश्यकता

होगी उसका उपयोग किया जाएगा। उन्होंने कहा, सीमाओं पर बहुत कड़ी निगरानी रखी जा रही है जिससे कोई घुसपैठ न हो सके, बीच में घुसपैठ की कुछ कोशिशें की गई लेकिन सभी को नाकाम कर दिया गया।

डीजीपी ने कहा, सीमाओं पर स्थिति में सुधार हुआ है और पूरी तरह से नियंत्रण में है। जम्मू-कश्मीर को अस्थिर करने वाले बड़े मॉड्यूलों को निष्प्रभावी कर दिया गया है। सुरक्षाबलों द्वारा सीमाओं पर कड़ी चौकसी रखने के कारण आतंकवादियों के पाकिस्तानी आका उन्हें इस ओर नहीं भेज पा रहे हैं इसलिए वे ड्रोन के माध्यम से सीमापार हथियार और गोला-बारूद भेज रहे हैं जो एक चुनौती बनी हुई है और इससे निपटने के लिए हम पूरी तरह से तैयार हैं।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अभी भी आतंकी घुसपैठ करने की कोशिश कर रहा है लेकिन हमारे सुरक्षाबल किसी भी कोशिश को विफल करने में सक्षम हैं। सुरक्षाबलों ने भारी मात्रा में हथियारों, गोला-बारूदों और नशीले पदार्थों को जब्त किया है, जिसे घुसपैठ करनेवाले आतंकियों छोड़कर भाग गए थे।

विभाजन विभीषिका के दौरान हुआ 20वीं सदी का सबसे बड़ा नरसंहार

एजेंसी

रूद्रपुर/नैनीताल। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि विभाजन विभीषिका के दौरान 20वीं सदी का सबसे बड़ा नरसंहार हुआ था।

श्री धामी ने आज रूद्रपुर के जेसीज पब्लिक स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में कहा विभाजन के दौरान कई परिवारों ने अपनी जान हथेली में लेते हुए रेलगाड़ी, बैलगाड़ी एवं अन्य माध्यमों से पलायन किया। उन्होंने कहा विभाजन विभीषिका में लंबे संघर्ष के बावजूद लोगों ने अपने वर्चस्व को बचाया एवं समाज के

विकास में अहम योगदान दिया।

उन्होंने कहा कि इस विभीषिका की पीड़ा सह चुके लोगों ने उत्तराखण्ड के तराई क्षेत्र को बसाने में अहम योगदान दिया। आज भी ये लोग उत्तराखंड के विकास में अपना अहम योगदान दे रहे हैं। उन्होंने इस मौके पर लगभग 400 विभाजन विभीषिका सेनानियों को सम्मानित भी किया और कहा कि आप सभी को सम्मानित करते हुए वह स्वयं को सम्मानित महसूस कर रहे हैं। कार्यक्रम में विभाजन विभीषिका के दौरान प्राणों की आहूति देने वाले लोगों का पूरे विधि-विधान से तर्पण भी किया गया।

मुख्यमंत्री ने उत्तराखण्ड में प्रत्येक वर्ष विभाजन विभीषिका दिवस आयोजित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले से विभाजन विभीषिका दिवस मनाए जाने की घोषणा की थी। साथ ही सभी मुख्यमंत्रियों को विभाजन विभीषिका दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम किए जाने एवं विभाजन के दौरान मौजूद लोगों से बात किए जाने का आग्रह किया था।

उन्होंने कहा कि आज हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं और जल्द ही हम अमृत काल में प्रवेश करेंगे। यह भारत का स्वर्णिम काल होगा। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमने भी यह संकल्प लिया है कि जब हमारा राज्य 25वें साल में प्रवेश करेगा, तब हमारा प्रदेश देश का श्रेष्ठ राज्य होगा। इसके लिए हम सरलीकरण, समाधान और निस्तारण के मंत्र पर काम कर रहे हैं।

दुर्लभ प्रजाति के कछुओं के साथ एक गिरफ्तार

नैनीताल। उत्तराखंड के उधमसिंह नगर के दिनेशपुर पुलिस ने दुर्लभ प्रजाति के कछुओं के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत कार्यवाही अमल में लायी जा रही है। उधमसिंह नगर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दिनेशपुर थाना पुलिस की ओर से आरोपी को शनिवार रात को कंटोपा पाल्ट्री फार्म से गिरफ्तार किया गया है। दिनेशपुर पुलिस बीती रात को तस्करों के खिलाफ अभियान चला रही थी इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि एक व्यक्ति दुर्लभ प्रजाति के कछुओं की तस्करी करने जा रहा है। इसी दौरान पुलिस ने जाल बिछाया और आरोपी सुनील सरकार निवाासी कंटोपा, खानपुर, दिनेशपुर को पकड़ लिया। उसके पास से 10 कछुए भी बरामद किये गये। आरोपी कछुओं को बेचने के लिये ले जा रहा था। आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह अधिक पैसे कमाने के चक्कर में कछुओं की तस्करी करने लगा।

लोजपा (रामविलास) ने झारखंड में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया

रांची। आजादी की 75 वीं वर्षगांठ पर लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद चिराग पासवान और पार्टी के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष बीरेंद्र प्रधान के आह्वान पर आज राज्य भर में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया।

राज्य के पतरातू में नौका विहार कर तिरंगा यात्रा निकाला गया। इसका नेतृत्व लोजपा (रामविलास) के प्रदेश अध्यक्ष बीरेंद्र प्रधान ने किया।

इस दौरान कई स्थानों पर स्कूली बच्चों ने तिरंगा यात्रा का जश्न मनाया और आजादी को अक्षुण्ण बनाये रखने का संकल्प लेते हुए भारत माता की जयकार भी किया।

बाद में राजधानी रांची में जीएसपी नगर डोरंडा से एजी मोड़ तक तिरंगा यात्रा निकाला गया जिसका नेतृत्व एक बार फिर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री प्रधान ने किया। इस मौके पर श्री प्रधान ने कहा कि तिरंगा हमारे देश की पहचान है, तिरंगा हमारी जान है और इस आजादी की कीमत लहू से चुकानी पड़ी है, इसलिए तिरंगा का मान सम्मान बनाए रखना हम सब देशवासियों का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि पार्टी ने आज राज्य भर में तिरंगा यात्रा निकाला और आजादी के महान सपूतों को याद किया। उन्होंने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ताओं ने आज राज्य भर में तिरंगा का भी वितरण किया तथा लोगों से घरों में इसे लगाने का अनुरोध किया।

आईएएस अधिकारी डॉ मनीष रंजन को डायरेक्टर गोल्ड मेडल मिला

रांची। भारतीय प्रशासनिक सेवा 2002 बैच के झारखंड कैडर के अधिकारी डॉ मनीष रंजन को लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी मसूरी में आयोजित 16 वे मिड करियर ट्रेनिंग फेज 4 में प्रशिक्षण में पूरे भारतवर्ष में पहला स्थान प्राप्त हुआ और उन्हें इसके लिए डायरेक्टर गोल्ड मेडल मिला। लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी मसूरी में यह प्रशिक्षण 18 जुलाई 2022 से 12 अगस्त 2022 के बीच संपन्न हुआ, जिसमें पूरे भारतवर्ष से 2000 से 2007 बैच के 25 कैडर के 94 आईएएस अधिकारियों ने भाग लिया।

कर्नाटक सरकार के विज्ञापन से नेहरू का नाम हटाने को लेकर भाजपा-कांग्रेस में विवाद

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार के विज्ञापन से देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू का नाम हटाने को लेकर कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच विवाद खड़ा हो गया है।

कर्नाटक कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने श्री नेहरू के प्रशंसक अपने पिता एसआर बोम्मई और उनके पहले राजनीतिक गुरु एमएन रॉय का अपमान किया है।

दूसरी ओर भाजपा का कहना है कि सरकार ने महात्मा गांधी, रानी लक्ष्मी बाई और अन्य नेताओं के साथ नेहरू की तस्वीर को स्केच में शामिल किया है प्रमुख विपक्षी दल बेकार की बातें उड़ा रहा है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने ट्वीट कर कहा, नेहरू इस तरह की संकीर्णता से बचे रहेंगे। अपनी कुर्सी बचाने को बेताब कर्नाटक के मुख्यमंत्री को पता है कि उन्होंने जो किया है वह उनके पिता एस.आर. बोम्मई और उनके पिता के पहले राजनीतिक गुरु एम.एन. का अपमान है। दोनों महान नेहरू प्रशंसक और बाद में एक दोस्त भी थे। यह दयनीय है।

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने ट्वीट कर कहा, श्री बोम्मई को इस 'अपमान' के लिए माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आरएसएस को नेहरू से एलर्जी है क्योंकि उनकी सरकार ने गांधी की हत्या के बाद आरएसएस पर प्रतिबंध लगा दिया था। उन्होंने कहा, याद रखें कि नेहरू ने अपने जीवन के नौ साल जेल में बिताए थे। वह सावरकर की तरह कायर नहीं थे।

इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा नेता मोहन कृष्ण ने कहा, उनकी (नेहरू) तस्वीर पहले से ही स्केच में महात्मा गांधी, रानी लक्ष्मी बाई और अन्य नेताओं के साथ है। विपक्ष लोगों को कुछ दिखाकर इसे उड़ाने का प्रयास कर रहे है। यह सच नहीं है।

पंचायत चुनाव पार्टी सिंबल पर लड़ेगी इनेलो : चौटाला

सिरसा। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के प्रधान महासचिव व ऐलनाबाद के विधायक अभय सिंह चौटाला ने कहा कि इनेलो इस बार पंचायती चुनाव पार्टी सिंबल पर लड़ेगी और रिकॉर्ड मतों से जीत हासिल करेगी।

श्री चौटाला रविवार को डबवाली हलके के गांव पिपली, पन्नीवाला रूलदू, माखा, जगमालवाली व देसूजोधा सहित करीब एक दर्जन गांवों में ग्रामीण सभाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने ग्रामीणों से आह्वान किया कि पंचायती चुनावों में जब भी इनेलो का प्रत्याशी आपके बीच आए तो वे उन्हें रिकॉर्ड मतों से विजयी बनाएं।

श्री चौटाला ने कहा कि आज पूरे प्रदेशभर में हत्याएं, लूटपाट, बलात्कार आदि अपराध शिखर पर हैं मगर सरकार व पुलिस प्रशासन इन पर बंदिश नहीं लगा पा रही। अभय चौटाला ने कहा कि प्रदेशभर में आज विकास के नाम पर घोटाले किए जा रहे हैं और इन घोटालों में लिप्त किसी भी व्यक्ति को दंडित नहीं किया गया है क्योंकि सरकार भ्रष्टाचार को मिटाने के प्रति संवेदनशील नहीं है।

उन्होंने कहा कि आज हरियाणा में शराब व धान घोटाले सबसे बड़े घोटालों के रूप में हैं जिसकी एवज में करोड़ों रूपए की लूट की गई है मगर सरकार ने आज तक इन मामलों की कोई जांच नहीं करवाई और न ही किसी भी व्यक्ति को इसके लिए दोषी ठहराया है।

इनेलो नेता ने कहा कि सरकार का कोई भी प्रतिनिधि गांवों में ग्रामीणों का हाल जानने नहीं जाता, क्योंकि वे सिर्फ सत्तासुख भोग रहे हैं।उन्होंने कहा कि इनेलो की सरकार बनने पर प्रदेशभर का चहुंमुखी विकास करवाया जाएगा। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों को आगामी 25 सितंबर को जिला फतेहाबाद में मनाई जाने वाली चौधरी देवीलाल की जयंती पर सम्मान समारोह का भी न्यौता दिया। उन्होंने कहा कि इस जयंती समारोह में केवल हरियाणा से ही नहीं बल्कि देशभर से लोग काफी संख्या में चौधरी देवीलाल को अपने श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे। जनसंपर्क अभियान के दौरान उनके साथ डबवाली के पूर्व विधायक डॉ. सीताराम, विनोद अरोड़ा व नगरपरिषद डबवाली के चेयरमैन टेकचंद छाबड़ा सहित इनेलो के अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे।

राजस्थान स्वाधीनता दिवस मुख्य समारोह एसएमएस स्टेडियम में होगा

जयपुर। राजस्थान में स्वाधीनता दिवस पर मुख्य समारोह जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में सुबह नौ बजे से आयोजित किया जाएगा। सामान्य प्रशासन विभाग के शासन सचिव जितेंद्र उपाध्याय ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत झंडारोहण करेंगे। कार्यक्रम में लोक कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति दी जाएगी। साथ ही डॉग शो, पुलिस एवं सेना बैंड का प्रदर्शन किया जाएगा। श्री उपाध्याय ने बताया कि स्टेडियम में प्रवेश पर कोरोना गाइडलाइंस की पालना सुनिश्चित की जाएगी। इस दौरान यातायत की भी विशेष व्यवस्था लागू रहेगी। उन्होंने बताया कि इस बार स्वाधीनता दिवस के मुख्य समारोह में पुरस्कार वितरण नहीं किया जाएगा।

दलित छात्र की मौत मामले में अलवर में किया प्रदर्शन

अलवर। राजस्थान के जालौर जिले में एक स्कूल के अंदर छात्र के साथ मारपीट मामले को लेकर अलवर में आज अंबेडकर सर्किल पर दलित शोषण मुक्ति मंच के द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के बाद दिए ज्ञापन में मंच ने इस मामले में दोषी शिक्षक एवं उसका साथ देने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई। गौरतलब है की राजस्थान के जालोर जिले में एक मासूम छात्र को स्कूल में मटके से पानी पीने की कीमत अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। टीचर ने मासूम छात्र को इतनी बेरहमी से पीटा कि उसकी जान चली गई।

बीएसएफ ने पाकिस्तान के स्वतंत्रता दिवस पर पाक रेंजर्स को दी शुभकामनाएं

बाड़मेर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने गुजरात और राजस्थान के बाडमेर जिले की अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान के स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पाक रेंजर्स को शुभकामनाएं एवं बधाई दी। इस अवसर पर गुजरात के भुज और बनासकांठा जिले के साथ-साथ राजस्थान के बाडमेर जिले की अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर आईसीपी मुनाबाव, गडरा, केलनोर सोमरार तथा वर्नहार में पाक रेंजर्स ने बीएसएफ को मिठाई भेंट की जिसे बीएसएफ के सीमा प्रहरियों ने स्वीकार किया।

बिरला 16 अगस्त को किशनगढ आएंगे

अजमेर। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला एक दिवसीय दौरे पर 16 अगस्त को राजस्थान में अजमेर जिले के किशनगढ के बांदरसिंदरी आयेंगे। लोकसभा सचिवालय से प्राप्त अधिकृत जानकारी के मुताबिक श्री बिरला नई दिल्ली से दोपहर एक बजे हवाई मार्ग से रवाना होकर 1.50 बजे जयपुर पहुंचेंगे और जयपुर से हैलिकाप्टर के जरिये ढाई बजे सीधे बांदरसिंदरी स्थित केन्द्रीय विश्वविद्यालय परिसर पहुंचकर दीक्षांत समारोह में भाग लेंगे। बिरला के साथ उनके विशेषाधिकारी राजीव दत्ता भी आयेंगे। बिरला दीक्षांत कार्यक्रम के बाद हैलिकाप्टर से कोटा प्रस्थान कर जायेंगे।

भारत-पाक सीमा पर किसी भी चुनौती से निपटने के लिये बीएसएफ मुस्तैद है

जैसलमेर। राजस्थान के जैसलमेर में भारत-पाक सीमा पर सीमा सुरक्षा बल द्वारा सीमा पार से मिल रहे थ्रेट एवं ड्रोन गतिविधियों के संचालित होने के प्रयासों के संदर्भ में किसी भी चुनौती से निपटने के लिये चाक चौबंद व्यवस्थाएं की है।

देश की सुरक्षा में जुटे सीमा प्रहरी विपरीत परिस्थितियों में चौबीसों घण्टे दुश्मन के नापाक इरादों पर निगाहें जमाए हुए हैं।

सीमा पर पेट्रोलिंग तेज कर दी गई हैं तथा संवेदनसील स्थान पर अतिरिक्त नफरी तैनात की गई है। सभी डी.आई.जी, कमांडेन्ट एवं अन्य उच्चधिकारी सीमा पर रहकर सुरक्षा व्यवस्थाओं की मोनिटरिंग कर रहे है।

राजस्थान फ्रंटियर के महानिरीक्षक डेविड लालरिनसिंगा स्वयं भी बीकानेर से लगती अन्तर्राष्ट्रीय सीमा क्षेत्र में पहुंच गए है। तथा सीमाई क्रियाकलापों को जांचने के साथ आपरेशन अलर्ट को भी रिव्यु कर रहे है।

सेना के उच्चधिकारिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार राजस्थान से लगती अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर इन दिनों हाई एलर्ट की सिथति है। 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस को देखते हुए बी.एस.एफ द्वारा 11 से 17 अगस्त तक ऑपरेशन अलर्ट चलाया जा रहा है जिसमे बीएसएफ की सभी शाखाओं के जवान अधिकारी बॉर्डर पर पहुंच कर अंतर्राष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा व्यवस्था को चाक चौबंद करने में लगे हुए हैं।

बी.एस.एफ की महिला जवान भी अपने साथी पुरुष जवानों के साथ कंधे से कंधा लगाकर सीमाओं की सुरक्षा को मजबूत करने में डटी हुई है। सीमा पार पाकिस्तान की सीमा से दुश्मन देश द्वारा भारतीय क्षेत्र में चलाई जा रही अवांछनीय गतिविधियों एवं लगातार मिल रहे ड्रोन थ्रेट को देखते बी.एस.एफ पूरी तरह मुस्तेद एवं चैकन्ना है।

महागठबंधन सरकार में नए मंत्रियों के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हो सकते हैं लालू

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव बिहार में महागठबंधन सरकार के 16 अगस्त को होने वाले नए मंत्रियों के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हो सकते हैं। राजद सूत्रों ने रविवार को यहां बताया कि महागठबंधन सरकार के 16 अगस्त को होने वाले मंत्रिमंडल विस्तार और शपथ ग्रहण समारोह में राजद अध्यक्ष भी शामिल हो सकते हैं। श्री यादव के कल दिल्ली से यहां आने की संभावना है। श्री यादव स्वास्थ्य कारणों से इन दिनों दिल्ली में अपनी पुत्री एवं राज्यसभा सांसद मीसा भारती के सरकारी आवास पर रह रहे हैं।

शार्ट न्यूज

बिधूड़ी ने घर-घर जाकर बांटे तिरंगे और कपड़े के थैले

नई दिल्ली। आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने बदरपुर क्षेत्र के मीठापुर वार्ड से तिरंगा बाइक रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके बाद उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ घर–घर जाकर तिरंगे बांटे। इस दौरान 'भारत माता की जय' के नारे गूंजते रहे और लोगों ने बढ़–चढ़कर इस अभियान में हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्लास्टिक मुक्ति अभियान के तहत रामवीर सिंह बिधूड़ी ने बदरपुर क्षेत्र के हरीनगर वार्ड में एक हज़ार परिवारों को कपड़े के थैले वितरित किए। लोगों से अनुरोध किया गया कि वे प्लास्टिक की थैलियों का बिलकुल भी इस्तेमाल न करें। अगर घर से सामान लेने के लिए निकलें तो कपड़े का थैला साथ लेकर ही चलें। इस मौके पर दक्षिण दिल्ली की पूर्व महापौर श्रीमती अनामिका मिथिलेश सिंह, समाजसेवी श्री रामेश्वर गौड़ और श्री अरुण सिंह भी मौजूद थे।

थाना फेस वन पुलिस ने मुठभेड़ के उपरांत एक लुटेरे को किया गिरफ्तार

नोयडा। थाना फेस वन पुलिस ने मुठभेड़ के उपरांत एक मोबाइल लुटेरे दीपक राय निवासी खलीलाबाद संत कबीर नगर वर्तमान पता खोडा कालोनी थाना खोडा गाजियाबाद को सेक्टर 15 ए केपी टावर के सामने पार्क से शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मुठभेड़ में उपरोक्त अभियुक्त पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया। जिसे पुलिस द्वारा उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने एक मोटरसाइकिल पैशन प्रो नंबर डीएल 14 एस जी 2866, लूट के दो मोबाइल फोन और एक तमंचा तीन सौ पन्द्रह बोर मय एक कारतूस जिन्दा व एक कारतूस खोका बरामद किया है। अभियुक्त शातिर किस्म का अपराधी है।जिसके विरूद्ध 19 मुकदमें दिल्ली व 5 मुकदमें नोएडा थानों में लूट व चोरी के पंजीकृत है। गिरफ्तार उपरोक्त अभियुक्त के विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों को जागरूक करने के उद्देश्य से जेवर के ग्रामीण क्षेत्रों में तिरंगा यात्रा एवं जागरूकता अभियान हुआ संचालित

ग्रेटर नोएडा। सरकार के आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम को जनपद में वृहद स्तर पर सफल बनाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री की मंशा को मूर्त रूप प्रदान करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी सुहास एल वाई के नेतृत्व में विभिन्न कार्यक्रम किए जा रहे हैं। इस कड़ी में खंड विकास अधिकारी जेवर एचपी मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि उनके विकास खंड क्षेत्र में सभी ग्रामों में हर–घर तिरंगा अभियान सफल बनाने के उद्देश्य से तिरंगा यात्रा एवं जागरूकता कार्यक्रम ग्रामीणों के द्वारा आयोजित किए जा रहे हैं। ताकि सरकार के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम को जन जन तक पहुंचा कर ग्रामीण क्षेत्रों में पूर्ण रूप से सफल बनाते हुए देशभक्ति की भावना को और अधिक सुदृढ़ बनाने की कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके।

नेहरू स्मारक इंटर कॉलेज साकीपुर ग्रेटर नोएडा के अध्यापकगणों एवं छात्रओं ने घर-घर तिरंगा फहराने का दिया संदेश

ग्रेटर नोएडा। भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप इस वर्ष आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान स्वतंत्रता दिवस के 75 वें महोत्सव को जनपद में जिलाधिकारी सुहास एल वाई के कुशल नेतृत्व में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करते हुए आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करते हुए घर–घर तिरंगा कार्यक्रम को सफल बनाने के विभिन्न स्तर पर प्रयास निश्चित किए जा रहे हैं। इस श्रंखला में जिलाधिकारी सुहास एल वाई के निर्देश पर जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ धर्मवीर सिंह के नेतृत्व में जनपद के सभी स्कूल कॉलेजों में तिरंगा यात्रा का आयोजन करते हुए नागरिकों को घर–घर तिरंगा फहराए जाने के संबंध में प्रेरित किया जा रहा है ताकि पूरे जनपद में आजादी का अमृत महोत्सव का कार्यक्रम सरकार की मंशा के अनुरूप संपन्न कराया जा सके। इसी कड़ी में नेहरू स्मारक इंटर कॉलेज साकीपुर के प्रधानाचार्य अध्यापक गणों एवं छात्र छात्राओं के द्वारा तिरंगा यात्रा का भव्य आयोजन करते हुए गांव में तिरंगा यात्रा निकाली गई और तिरंगा यात्रा के माध्यम से स्थानीय नागरिकों को संदेश दिया कि सरकार की मंशा के अनुरूप देश की आजादी एवं स्वतंत्रता को और अधिक बलवती बनाने के उद्देश्य से घर–घर में तिरंगा आवश्यक रूप से फहराएं ताकि राष्ट्रीय एकता की भावना और अधिक बलवती एवं देशभक्ति की भावना अधिक से अधिक जागृत हो सके।

डीसीपी ट्रैफिक के नेतृत्व में डायल-112 गौतमबुद्धनगर पुलिस द्वारा 30 किमी लम्बा फ्लैग मार्च कर राष्ट्रीय एकता का दिया संदेश

ग्रेटर नोएडा। आजादी की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर मनाये जा रहे आजादी का अमृत–महोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह के निर्देशन व डीसीपी ट्रैफिक गणेश प्रसाद साह के नेतृत्व में रविवार को डायल–112 गौतमबुद्धनगर पुलिस द्वारा 30 किलोमीटर लम्बा फ्लैग मार्च किया गया। यह फ्लैग गलगोटिया यूनिवर्सिटी से समय प्रात: 11:00 बजे शुरू होकर 1:30 बजे जेवर टोल पर पहुंचा जहां डीसीपी ट्रैफिक गौतमबुद्धनगर द्वारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया गया। इस फ्लैग मार्च में डायल–112 के 125 पुलिसकर्मियों द्वारा भाग लिया गया और लोगों को आजादी का अमृत महोत्सव मनाने और आपसी भाईचारा व देश भक्ति की भावना रखने का संदेश दिया गया। फ्लैग मार्च के दौरान डीसीपी ग्रेटर नोएडा, एडीसीपी ग्रेटर नोएडा, ग्रेटर नोएडा जोन के सभी एसीपी, ट्रैफिक इंस्पेक्टर, थाना प्रभारी व अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

प्राचीन कला केंद्र की 17वीं तिमाही बैठक ने शानदार प्रदर्शन किया

प्रफुल्ल राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। कला और संस्कृति को समर्पित अग्रणी संस्था, प्राचीन कला केंद्र ने आज यहां 6:00 बजे त्रिवेणी कला संगम में लीजेंड्स ऑफ टुमॉरो श्रृंखला के तहत अपनी 17वीं तिमाही बैठक का आयोजन किया। प्रतिभावान एवं स्थापित कलाकारों से सुसज्जित इस बैठक में युवा और प्रतिभाशाली वायलिन वादक शुभम सरकार, जानी मानी शास्त्रीय गायिका डॉ. रीता देव और प्रसिद्द संतूर वादक शुद्धाशील चटर्जी ने अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन से दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया। केंद्र के सचिव श्री. सजल कौसर ने अन्य विशिष्ट अतिथियों के साथ पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलित किया।

आज के कलाकार शुभम सरकार दिल्ली के एक प्रशंसित युवा हिंदुस्तानी शास्त्रीय वायलिन वादक हैं, जिन्हें पद्मश्री पं. भजन सोपोरी जी का बहुमूल्य मार्गदर्शन मिला है। और आज कल शुभम डॉ. संतोष नाहर (वायलिन वादक) से वायलिन की शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। वर्तमान में शुभम विदुषी डॉ. मल्लिका बनर्जी से गायकी अंग भी सीख रहे हैं। उन्हें प्रसिद्ध उस्ताद पद्म भूषण पं विश्व मोहन भट्ट (ग्रैमी अवार्डी) द्वारा भारत के प्रमुख युवा वायलिन वादक के रूप में सम्मानित किया गया है। उन्होंने 11 साल की उम्र में वायलिन सीखना शुरू कर दिया था। शुभम सरकार ने दिल्ली विश्वविद्यालय से संगीत (वायलिन) में मास्टर डिग्री (एमए) पूरी की है।

दूसरी ओर डॉ. रीता देव हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में एक उल्लेखनीय नाम है। प्रसिद्ध बनारस घराने की एक समृद्ध गायिका, उनके प्रदर्शनों की सूची में शास्त्रीय और अर्ध–शास्त्रीय दोनों विधाएँ शामिल हैं। वह ऑल इंडिया रेडियो की ए ग्रेड कलाकार हैं, और देश भर में उनके प्रदर्शन को दूरदर्शन और प्रमुख टेलीविजन चैनलों द्वारा प्रलेखित किया जाता है। डॉ. रीता देव आगरा कॉलेज, आगरा में संगीत विभाग की प्रमुख हैं। पद्म विभूषण विदुषी डॉ गिरिजा देवी, ठुमरी की प्रसिद्ध रानी के तहत 25 से अधिक वर्षों तक प्रशिक्षित। डॉ. गिरिजा देवी ने उन्हें गुरु–शिष्य परंपरा–गंडा बंधन में सबसे कीमती आशीर्वाद प्रदान किया, जो पूर्वांग गायकी की सुंदर विरासत को आगे बढ़ाने के लिए शिष्य को गुरु का विश्वास और विश्वास दिखा रहा था।

आज एक और कलाकार पं. सुधाशील चटर्जी, सौन्दर्यवाद की एक प्रतिभाशाली अव्यक्त भावना है जिसने भारतीय शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में एकजुटता की पहचान बनाई है। उन्होंने अपने महान गुरु पं. शिवकुमार शर्मा के सुघड़ प्रशिक्षण के इलावा पंडित समरेश चौधरी एवं पं. तेजेंद्र नारायण मजूमदार के शिष्यत्व में तंत्रकारी शैली के गहन प्रशिक्षण की शिक्षा प्राप्त की। सुद्धाशील ने संतूर वादन की अपनी शैली विकसित की है। स्ट्रिंग्स पर उनका सौंदर्य स्पर्श श्रोताओं को भावनात्मक रूप से भाषा और संस्कृति की सीमाओं को पार करने के लिए प्रेरित करता है।

कार्यक्रम की शुरुआत आज के पहले कलाकार शुभम सरकार के वायलिन वादन से हुई। उन्होंने पारंपरिक जोड़ के साथ राग पुरिया धनश्री को चुना। उन्होंने विलम्बित में निबद्ध झप ताल में प्रस्तुति पेश कीं और उसके बाद एक ताल में मध्य लय रचना प्रस्तुत की। कार्यक्रम का समापन शुभम ने तीन ताल तीन ताल में सजी द्रुत रचना के साथ किया। उनके साथ तबले पर उनके पिता श्री प्रदीप कुमार सरकार ने बखूबी संगत की।

इस मधुर प्रदर्शन के बाद डॉ. रीता देव ने मंच संभाला और उन्होंने राग मेघ के साथ शुरुआत की। एक पारम्परिक आलाप के बाद रीता ने विलाम्बित एक ताल में बड़ा ख्याल की बंदिश जिसके बोल थे जिया मोरा डर पावे प्रस्तुत की।

तीन केंद्रीय मंत्रियों और उपराज्यपाल - दिल्ली ने नई दिल्ली में कनॉट प्लेस से इंडिया गेट तक एनडीएमसी स्कूल के10000 छात्रों के साथ प्रभात फेरी में भाग लिया

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने आजादी का अमृत महोत्सव के तहत हर घर तिरंगा अभियान मनाने के लिए कनॉट प्लेस, नई दिल्ली से युद्ध स्मारक – इंडिया गेट तक 10000 स्कूली छात्रों की प्रभात फेरी का आयोजन किया।

इस तिरंगा प्रभात फेरी में भारत सरकार के माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री – श्री पीयूष गोयल, माननीय महिला एवं बाल विकास मंत्री – स्मृति ईरानी, माननीय विदेश एवं संस्कृति राज्य मंत्री – श्रीमती मीनाक्षी लेख, माननीय उपराज्यपाल, दिल्ली – श्री विनय कुमार सक्सेना, पालिका परिषद के अध्यक्ष – अश्विनी कुमार, एनडीएमसी के सदस्य श्री कुलजीत सिंह चहल और श्रीमती विशाखा सैलानी और सचिव– श्री विक्रम सिंह मलिक ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

पालिका परिषद के स्कूली छात्रों की प्रभात फेरी ने गणमान्य व्यक्तियों के साथ जनपथ रेडियल से कनॉट प्लेस के इनर सर्कल से होते हुए कस्तूरबा गांधी मार्ग से निकल कर इंडिया गेट पर युद्ध स्मारक तक के मार्ग को कवर किया।

प्रभात फेरी में लगभग 10000 स्कूली छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों, अन्य व्यक्तियों और एनडीएमसी के कर्मचारियों और अधिकारियों ने भाग लिया।

प्रभात फेरी को हरी झंडी दिखाने से पहले, माननीय उपराज्यपाल –दिल्ली ने भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर प्रभात फेरी में भाग लेने आए सभी विद्यार्थियों अन्य लोगों को बधाई देते हुए कहा कि बच्चे भारत का उज्ज्वल भविष्य हैं जो हर घर तिरंगा अभियान और आज़ादी के अमृत महोत्सव के साक्षी बन रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव हमारी संस्कृति, विरासत और भारत की आजादी के 75 वर्षों के दौरान अर्जित उपलब्धि का उत्सव है।

वीके सक्सेना ने बताया कि आजादी के अमृत महोत्सव को भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा पूरे उत्साह के साथ मनाने और भविष्य के लिए ऊर्जा अर्जित करने के लिए शुरू किया गया है।

उन्होंने आगे कहा कि हर घर तिरंगा आजादी का अमृत महोत्सव का एक हिस्सा है, जिसमें 13–15 अगस्त के दौरान, भारत का प्रत्येक नागरिक इसे हर घर में तिरंगा लगा कर मनाएगा।

तिरंगा हमारे स्वतंत्रता संग्राम और उसमें हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान का प्रतीक है, जिन्होंने हमारे राष्ट्र के भविष्य के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 101796 वादों का हुआ निस्तारण : जिला जज

ग्रेटर नोएडा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली व उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ द्वारा प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन मुख्यालय व तहसील स्तर पर जनपद न्यायाधीश गौतमबुद्धनगर अवनीश सक्सैना की अध्यक्षता एंव दिशा–निर्देशन में 13 अगस्त 2022 को जनपद गौतमबुद्धनगर में किया गया। जिसमें जनपद न्यायालय में कार्यरत न्यायिक अधिकारीगण द्वारा कुल 39792 वाद तथा राजस्व न्यायालय द्वारा कुल 21493 वाद तथा प्री–लिटिगेशन स्तर पर बैक द्वारा 276 मामलें बीएसएनएल द्वारा 19, तथा परिवहन विभाग द्वारा 20286 तथा यातायात विभाग द्वारा 18547 संबंधित ई–चालान के कुल 38833 मामलों का निस्तारण हुआ। प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुशील कुमार द्वारा बताया गया कि जनपद गौतमबुद्धनगर में राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 101796 वाद निस्तारित हुये।

राष्ट्रीय लोक अदालत में न्यायालयवार निस्तारित वादों का विवरण निम्न है।अवनीश सक्सैना जिला जज 2 आपराधिक अपील वादों का निस्तारण किया गया।

पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिल और अवैध असलहे के साथ एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

नोयडा। थाना सेक्टर–63 पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक अभियुक्त अब्दुल पुत्र अल्ला मेहर निवासी धनौरी कला थाना दनकौर गौतमबुद्धनगर को थाना क्षेत्र के एफएनजी अण्डरपास के पास से रविवार को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने एक तमंचा तीन सौ पन्द्रह बोर मय एक कारतूस जिन्दा और फर्जी नम्बर प्लेट लगी चोरी की एक मोटरसाइकिल एचएफ डीलक्स बरामद की है।अभियुक्त अब्दुल द्वारा बताया गया की उसके द्वारा दो वर्ष पूर्व थाना सुरजपुर क्षेत्र से उक्त मोटरसाइकिल चोरी किया था।

15 अगस्त से पहले दिल्ली पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी

चेकिंग के दौरान दो बांग्लादेशी पकड़े; 11 पासपोर्ट बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर सुरक्षा के चाक–चौबंद इंतजाम किए गए हैं। इसी बीच दक्षिणी दिल्ली पुलिस के हाथ बड़ी कामयाबी लगी है। नियमित जांच अभियान के दौरान पुलिस ने दो बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा है। इनके पास से अलग–अलग बांग्लादेशी नागरिकों के 11 पासपोर्ट बरामद किए गए हैं। इसके अलावा बांग्लादेश मंत्रालय और नोटरी से संबंधित 10 नकली रबड़ की मोहरें भी मिली हैं।

15 अगस्त के चलते पुलिस नियमित विशेष चेकिंग अभियान चला रही है। क्षेत्र के वेंडरों और दुकानदारों को किसी भी संदिग्ध चीज की सूचना पुलिस को देने के लिए कहा गया है। ऐसे ही एक अभियान के दौरान एएसआई हरिओम और कांस्टेबल महेश रामफल चौक इलाके में चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान एक सूचना के आधार पर वो एक दो बांग्लादेशी नागरिकों के घर पहुंचे जो रामफल चौक के पास रह रहे थे।

जांच के दौरान दो बांग्लादेशी नागरिकों जिनकी पहचान मोहम्मद मुस्तफा पुत्र मोहम्मद शाहबुद्दीन 28 वर्ष, मोहम्मद हुसैन शेख पुत्र मोहम्मद दिलावर शेख के तौर पर हुई है, रामफल चौक के पास पालम एक्सटेंशन में ठहरे हुए मिले।

तलाशी लेने पर उनके पास विभिन्न बांग्लादेशी नागरिकों के 11 पासपोर्ट और विभिन्न मंत्रालयों के 10 नकली स्टांप और बांग्लादेश के नोटरी पाए गए। नकली रबर स्टैंप को लेकर उनके पास कोई संतोषजनक जवाब नहीं था। पुलिस ने द्वारका साउथ थाने में दोनों के खिलाफ कानून की उपयुक्त धाराओं (विदेशी अधिनियम और 468 आईपीसी) के तहत मामला दर्ज किया है और इसकी जांच जारी है। उन्होंने कहा कि वे चिकित्सा उपचार के लिए आने वाले बांग्लादेशी नागरिकों के एजेंट के तौर पर काम करते थे। हालांकि इनके पास से बड़ी संख्या में नकली स्टांप की बरामदगी की जांच की जा रही है।

जेईई एडवांस्ड का फॉर्म रिजेक्ट करने पर एनटीए को नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गलत आवेदन संख्या के कारण जेईई एडवांस्ड (अग्रिम) की परीक्षा के लिए फॉर्म अस्वीकृत किए जाने को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र सरकार और राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) को नोटिस जारी किया है। न्यायमूर्ति संजीव नरूला की पीठ ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) की उम्मीदवार आस्था शुक्ला की तरफ से दायर याचिका पर यह नोटिस जारी किया है। इस मामले की सुनवाई 18 अगस्त 2022 को होगी।

पीठ ने अधिकारियों को याचिकाकर्ता के आवेदनपत्र को स्वीकार करने और मामले की तात्कालिकता को देखते हुए उसे जेईई (एडवांस) परीक्षा के लिए पंजीकृत करने का निर्देश दिया है, क्योंकि फॉर्म भरने की आखिरी तारीख 11 अगस्त थी।

पीठ ने कहा कि जेईई (एडवांस) परीक्षा 28 अगस्त 2022 के लिए निर्धारित है और याचिकाकर्ता को उक्त परीक्षा में शामिल होने की अनुमति दी जानी है या नहीं, यह फैसला अदालत दस्तावेजों को देखने के बाद ही लेगी। इसलिए एनटीए 18 तारीख को दस्तावेज लेकर पेश हो।

याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि जेईई (एडवांस) परीक्षा 2022 के लिए पात्र होने के बावजूद उसका आवेदन ऑनलाइन पोर्टल पर स्वीकार नहीं किया जा रहा है। याचिकाकर्ता का यह भी कहना है कि वह आवेदन संख्या 220310182367 के तहत पंजीकृत थी और जेईई (मुख्य) परीक्षा 2022 के दो सत्रों में शामिल हुई थी। उसने उन सत्रों में क्रमश: 99.92 और 99.89 अंक हासिल किए थे। इस प्रकार वह जेईई (एडवांस) परीक्षा में बैठने के लिए योग्य है क्योंकि उसका स्कोर सामान्य वर्ग के लिए 88.41 के क्वालीफाइंग स्कोर से ऊपर है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले दिल्ली में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गयी है। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस ने सभी जिलों में सुरक्षा के कई उपाय किए हैं। सीमाओं पर वाणिज्यिक और परिवहन वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने कहा कि 14 अगस्त को 22.00 बजे से अगले दिन 11.00 बजे तक वाणिज्यिक और परिवहन वाहनों की आवाजाही के लिए 18 सीमा प्रवेश द्वार बंद रहेंगे। कुछ हॉटस्पॉट और संवेदनशील इलाकों में पुलिस पूरी चौकसी बरत रही है। इसने सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रखने के लिए मुख्य सड़कों, भीड़भाड़ वाले बाजार क्षेत्रों और अन्य स्थानों पर पैदल गश्त बढ़ा दी है।

सिग्नेचर ब्रिज से यमुना में कूदा युवक, बुझ गया घर का इकलौता चिराग

नहीं मिला कोई सुसाइड नोट

एजेंसी

नई दिल्ली। सिग्नेचर ब्रिज से यमुना नदी में कूदने वाले 19 वर्षीय एक कॉलेज छात्र की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना शनिवार शाम तिमारपुर इलाके में हुई।

मृतक की पहचान करावल नगर में अपने परिवार के साथ रहने वाले रजत के रूप में हुई है।

पुलिस ने कहा कि वह करोल बाग इलाके में पार्ट टाइम जॉब करता था। रजत सुबह घर से निकला था और शाम को लौटते समय सिग्नेचर ब्रिज से उफनती यमुना नदी में कूद गया।

गोताखोरों ने उसे बचाने के लिए तुरंत नदी में छलांग लगा दी, लेकिन पानी का स्तर ऊंचा होने के कारण वह डूब गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि कुछ देर बाद उसका शव मिला और उसे बाहर निकाला गया। उसके पास से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है।

पुलिस ने कहा युवक ने इतना बड़ा कदम क्यों उठाया, वे इस बारे में स्पष्ट नहीं हैं।

पुलिस के अनुसार, युवक के परिवार में उसके माता–पिता और दो बहनें हैं, शव को पोस्टमार्टम के बाद उसके परिवार को सौंप दिया गया।

अधिकारियों ने पिछले महीने बताया कि सिटी पुलिस ने निजी गोताखोरों की एक टीम के साथ मिलकर पिछले डेढ़ साल में पुल से यमुना नदी में कूदकर जान देने की कोशिश करने वाले 30 लोगों को बचाया।

किसानों ने दिल्ली-जयपुर हाइवे किया जाम, 25 गांव के 300 से ज्यादा लोगों ने किया प्रदर्शन

गुरुग्राम। इंडस्ट्रियल मॉडल टाउनशिप (आईएमटी) मानेसर के विस्तार के लिए सरकार द्वारा 1810 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया जा रहा है। किसानों ने अधिग्रहण का विरोध शुरू कर दिया है। वे अधिग्रहण प्रक्रिया को रद्द करने या फिर मार्केट रेट के अनुसार मुआवजे की मांग कर रहे हैं। नाराज किसानों ने शनिवार सुबह दस बजे दिल्ली–जयपुर हाइवे पर स्थित पचगांव चौक पर जाम लगा दिया। ढाई घंटे तक विरोध जताया। दोपहर साढ़े 12 बजे पुलिस ने बलपूर्वक जाम को खुलवाया और किसानों को हिरासत में लेकर मानेसर थाने में लेकर गए। इस दौरान किसानों के समर्थन के लिए भारतीय किसान यूनियन चढूनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढूनी भी पहुंचे। पुलिस उन्हें मौके से सेक्टर–37 थाने में लेकर गई, जिनको बाद में छोड़ दिया गया। प्रदर्शन करते हुए किसान दिल्ली–जयपुर हाइवे की दोनों लेन पर बैठ गए। पचगांव चौक पर जाम लगाने से दिल्ली–जयपुर हाइवे से कापड़ीवास तक जाम लग गया। वाहन चालकों को तमाम दिक्कतों का सामना करना पड़ा। पिछले 53 दिनों से शांतिपूर्ण तरीके से धरना दे रहे किसान सरकार के उदासीन रवैये से खफा होकर हाइवे पर पहुंचे। हाइवे के दोनों ओर दरी और हाथों में तिरंगा झंडा लेकर किसान हाइवे पर बैठ गए। किसान जमीन अधिग्रहण को रद्द करने या फिर मार्केट रेट के अनुसार दस करोड़ रुपये प्रति एकड़ जमीन का मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं। जाम में 25 गांव के 300 से ज्यादा लोग शामिल रहे। किसानों ने दस बजे से लेकर साढ़े 12 बजे तक जाम लगाकर अधिग्रहण रद्द करने की मांग की। हाइवे पर जाम की सूचना पर भारी पुलिस बल पहुंचा और किसानों को समझाने के लिए सबसे पहले एसीपी मानेसर सुरेश पहुंचे। उनके द्वारा काफी प्रयास के बाद भी किसान हाइवे से हटने के लिए तैयार नहीं हुए। उसके बाद अतिरिक्त उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा भी पहुंचे और उन्होंने भी किसानों को जाम खोलने के कहा और उनकी मांग को सरकार तक पहुंचाने की बात कही, लेकिन किसान वहां से नहीं हटे। ऐसे में दोपहर साढ़े 12 बजे पुलिस ने किसानों को बलपूर्वक हाइवे से हटाया। दिल्ली से जयपुर की तरफ जाने वाले वाहनों को हीरो होंडा चौक से डायवर्ट कर पटौदी के रास्ते से निकाला गया। कुछ वाहनों को केएमपी से निकाला गया।

दिल्ली पुलिस ने यातायात परामर्श जारी किया

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में 15 अगस्त को लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस समारोह को देखते हुए सुरक्षा कारणों से किले के आस पास कुछ यातायात प्रतिबंध लगाए जायेंगे। दिल्ली यातायात पुलिस ने कहा कि कई सड़के सुबह चार से 10 बजे तक सामान्य यातायात के लिए बंद रहेगी और केवल लेबल वाले वाहन ही को ही अनुमति दी जाएगी।

दिल्ली में खतरे के निशान से नीचे आई यमुना, केजरीवाल ने लोगों से की नदी किनारों से दूर रहने की अपील

नई दिल्ली। दिल्ली में रविवार को यमुना का जलस्तर खतरे के निशान 205.33 मीटर से नीचे आ गया। अभी इसके और भी कम होने की संभावना है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने लोगों से नदी किनारे जाने से बचने की अपील की है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष ने कहा कि जलस्तर शनिवार को रात 8 बजे 205.88 मीटर से गिरकर रविवार को सुबह 8 बजे 204.83 मीटर और दोपहर 12 बजे 204.65 मीटर हो गया।

नदी ने ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के बाद शुक्रवार शाम करीब चार बजे 205.33 मीटर के खतरे के निशान को पार कर लिया था, जिससे अधिकारियों को निचले इलाकों से लगभग 7,000 लोगों को निकालना पड़ा। शनिवार तड़के करीब दो बजे जलस्तर खतरे के निशान से नीचे चला गया। सीएम केजरीवाल ने लोगों से नदी के किनारे जाने से बचने की अपील की। उन्होंने ट्वीट किया, हमने यमुना के पास रहने वाले लोगों के लिए पर्याप्त इंतजाम किए हैं। सरकार और प्रशासन का सहयोग करें। हम स्थिति पर नजर रखे हुए हैं और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं।

गालीबाज श्रीकांत के समर्थन में उतरा त्यागी समाज

नोएडा। श्रीकांत त्यागी मामले में त्यागी समाज शनिवार को सड़क पर उतर आया। उनके प्रतिनिधिमंडल ने सेक्टर–108 में पुलिस कमिश्नर कार्यालय के बाहर नारेबाजी कर उनसे मुलाकात की मांग की। सूरजपुर में प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात कमिश्नर से कराई गई जिसमें समाज ने अपनी मांगें रखीं। प्रतिनिधिमंडल ने मांगें स्वीकार नहीं होने पर गेझा गांव में 21 अगस्त को महापंचायत करने का ऐलान किया।

भाकियू अराजनैतिक के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मांगेराम त्यागी के नेतृत्व में त्यागी समाज का प्रतिनिधिमंडल सेक्टर–108 में कमिश्नर कार्यालय पर पहुंचा। पुलिस ने त्यागी समाज के लोगों को गेट पर ही रोक दिया। इसके बाद समाज के लोगों ने नारेबाजी करते हुए कमिश्नर से मिलने की मांग की। पुलिस ने प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात सूरजपुर में कमिश्नर आलोक सिंह से कराई।

मांगेराम त्यागी ने इस मुलाकात के संबंध में जानकारी की कि उन्होंने कमिश्नर के सामने समाज से प्रस्तावित मांगें रखीं। कमिश्नर ने आश्वस्त किया है कि उनकी मांगों को पूरा किया जाएगा। उन्होंने जो मांगें मानी हैं, उन पर सार्वजनिक रूप से बोलने से मना किया है।

कमिश्नर के सामने मांगें रखीं

प्रतिनिधिमंडल की मांग थी कि त्यागी समाज के बेकसूर जिन छह युवकों को जेल भेजा गया है, उन्हें रिहा किया जाए। युवकों पर लगाई गई गंभीर धाराओं को हटाया जाए। जिन लोगों ने त्यागी समाज का अपमान किया है, उनके खिलाफ कार्रवाई हो। यदि उनकी मांगें पूरी नहीं होती हैं तो 18 अगस्त को समाज के लोग फिर से कमिश्नर से मिलेंगे। इसके बाद 21 अगस्त को गेझा में महापंचायत होगी, जिसमें देशभर से त्यागी समाज के लोग जुटेंगे और आगे की रणनीति का ऐलान करेंगे।

सोसाइटी की सुरक्षा बढ़ाई

समाज के लोगों के आक्रोश और पंचायत को देखते हुए सेक्टर–93बी की ग्रैंड ओमेक्स सोसाइटी की भी सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। आशंका थी कि समाज के लोग सोसाइटी में पहुंच सकते हैं। इस कारण सोसायटी में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था।

संपादकीय

विभाजन का दोष किसे दें?

भारत को 15 अगस्त, 1947 को ब्रिटिश शासन से आज़ादी मिली। हालाँकि, स्वतंत्रता की मिठास के साथ-साथ देश को विभाजन का आघात भी सहना पड़ा था। नए स्वतंत्र भारतीय राष्ट्र का जन्म विभाजन के हिंसक दर्द के साथ हुआ था जिसने लाखों भारतीयों पर पीड़ा के स्थायी निशान छोड़े। भारत आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। इस दौरान देश के हर कोने में जश्न का माहौल है। जैसे-जैसे घड़ी की सुइयां 15 अगस्त 2022 की ओर बढ़ रही हैं, वैसे-वैसे लोगों का हर्षोल्लास बढ़ता जा रहा है। लेकिन इस खुशी के मौके पर हमें अपने उन देशवासियों की भी याद करनी चाहिए जिन्हें राष्ट्र के विभाजन के कारण अपनी जान गंवानी पड़ी थी। भारत के विभाजन के समय हुए सांप्रदायिक दंगों के दौरान जो लाखों लोग मारे गये और जिन लाखों लोगों को अपनी जड़ों से विस्थापित होना पड़ा, राष्ट्र उन्हें आज विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाकर श्रद्धांजलि दे रहा है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल ऐलान किया था कि हर साल 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया जायेगा। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाने की घोषणा के पीछे उद्देश्य यह था कि वर्तमान और आने वाली पीढ़ी विभाजन के दौरान लोगों द्वारा झेले गए दर्द और पीड़ा को जाने। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस हमें भेदभाव, वैमनस्य और दुर्भावना के जहर को खत्म करने के लिए न केवल प्रेरित कर रहा है बल्कि इससे देश की एकता, सामाजिक सद्भाव और मानवीय संवेदनाएं भी मजबूत होंगी। इन 75 वर्षों के सफर में भारत यकीनन बहुत आगे बढ़ गया है और दुनिया का सबसे बड़ा और सफल लोकतंत्र तथा तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। लेकिन देश के विभाजन के दर्द को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। अपनी आजादी का जश्न मनाते हुए एक कृतज्ञ राष्ट्र, मातृभूमि के उन बेटे-बेटियों को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर नमन कर रहा है, जिन्हें हिंसा के उन्माद में अपने प्राणों की आहुति देनी पड़ी थी। देखा जाये तो आजादी के आंदोलन में हर किसी का योगदान सराहनीय रहा लेकिन सियासी सेनानियों ने कुछ ऐसी गलतियां भी कीं जिसकी बड़ी कीमत आम लोगों को चुकानी पड़ी थी। इसलिए सवाल उठता है कि जो लोग भारत की आजादी का श्रेय अकेले लेना चाहते हैं वह यह बताएं कि भारत के विभाजन के लिए किसे दोषी ठहराया जाये? उल्लेखनीय है कि भारत को 15 अगस्त, 1947 को ब्रिटिश शासन से आज़ादी मिली। हालाँकि, स्वतंत्रता की मिठास के साथ-साथ देश को विभाजन का आघात भी सहना पड़ा था। नए स्वतंत्र भारतीय राष्ट्र का जन्म विभाजन के हिंसक दर्द के साथ हुआ था जिसने लाखों भारतीयों पर पीड़ा के स्थायी निशान छोड़े। देखा जाये तो भारत का विभाजन मानव इतिहास में सबसे बड़े विस्थापनों में से एक है, जिससे लगभग 20 से 25 लाख लोग प्रभावित हुए। लाखों परिवारों को अपने पैतृक गांवों, कस्बों और शहरों को छोड़ना पड़ा था और शरणार्थी के रूप में एक नया व संघर्षमय जीवन जीने के लिए मजबूर होना पड़ा था। खास बात यह कि विभाजन के समय भड़के सांप्रदायिक दंगों को रोकने के लिए उस वक्त महात्मा गांधी बंगाल के नोआखली में अनशन पर बैठ गए थे और स्वतंत्रता दिवस समारोह में भी शामिल नहीं हुए थे। 15 अगस्त 1947 की सुबह जहां आजादी लेकर आई थी और सभी के चेहरों पर खुशी थी वहीं यह भी दृश्य देखने को मिल रहे थे कि लोग ट्रेनों, बैलगाड़ियों, घोड़ों या खच्चरों पर बैठकर या फिर पैदल ही सर पर सामान लादे हुए और अपने बच्चों का हाथ पकड़े हुए अपनी मातृभूमि को छोड़कर अलग-अलग बन चुके देश की ओर रवाना हो रहे थे। भारत के विभाजन के समय भड़के सांप्रदायिक दंगों में लोगों की मौत का आंकड़ा 20 लाख तक बताया जाता है। ना जाने उन दंगों में कितने परिवार बिछड़ गये, कितनी महिलाओं को अपनी इज्जत से हाथ धोना पड़ा, कितने लोगों के शरीर के टुकड़े कर दिये गये, कितने लोगों के घर लूट लिये गये या फूंक दिये गये...तत्कालीन सरकार और प्रशासन बस शांति की अपील करता रह गया। तत्कालीन राजनेताओं की यह सबसे बड़ी नाकामी थी कि ना तो वह देश का विभाजन रोक पाये और ना ही कत्लेआम। अंग्रेज भारत का विभाजन धार्मिक आधार पर करने में सफल रहे थे।

स्वर्णिम आभा का प्रभामंडल लेकर आया स्वतंत्रता दिवस का 75वां अमृत महोत्सव

भारत में जहां पिछले 3 वर्षों से करोना संक्रमण के कारण हताशा निराशा के बादल छाए हुए थेद्य देशवासियों ने बड़ी हिम्मत और दिलेरी से करोना जैसे राक्षस रूपी संक्रमण का बड़ी एकता तथा दिलेरी के साथ सामना कर उस पर काफी हद तक विजय पाई है। देश के खिलाड़ियों ने कॉमन वेल्थ गेम लंदन में 22 स्वर्ण पदक और कुल 65 पदक लाकर भारत के लिए एक नए इतिहास की रूपरेखा तैयार करने की पृष्ठभूमि दी है।हमारे देश के खिलाड़ियों ने जापान ओलंपिक 2020 में भी बड़ी ही वीरता के साथ खेल कर एक स्वर्ण दो रजत तथा चार कांस्य पदक जीतकर 7 ओलंपिक मेडल लाकर एक इतिहास रच दिया है। इस तरह भारतीय खिलाड़ियों ने 75 वें स्वतंत्रता दिवस और अमृत महोत्सव पर स्वर्णिम आभा फैला फैलाकर स्वर्णिम वातावरण निर्मित कर दिया है । नीरज चोपड़ा ने तो कमाल कर भारत को 141 वर्षों बाद एथलेटिक में भाला फेंक में स्वर्ण लाकर दे दिया, ऐसे में भारत की स्वतंत्रता की 75 वीं वर्षगांठ में एक स्वर्णिम आभा ओलंपिक मेडल की छा गई है। और सही मायने में स्वतंत्रता दिवस मनाने का अमृत महोत्सव को गौरवान्वित किया है। स्वतंत्रता हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है,और इसे हम लेकर रहेंगे यह घोषणा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अमर नायक लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने की थीद्य सचमुच स्वतंत्रता के बिना जीवन व्यर्थ हैद्य पराधीन मनुष्य ना तो सुखी जीवन जी पाता है और ना ही अपनी इच्छाओं के अनुकूल जीवन व्यतीत कर पाता है। इसीलिए कहा गया है पराधीन सपनेहु सुख नाही प्रत्येक व्यक्ति के लिए स्वतंत्रता विशेष महत्व रखती है, और कई वर्ष पराधीन रहने के बाद स्वतंत्रता हासिल हुई हो तो ऐसी स्वतंत्रता का महत्व कई गुना बढ़ जाता है।. हमारा देश भारत सदियों से परतंत्रता के बाद 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्र हुआ था, पर इस पर ओलंपिक और कामनवेल्थ खेलों में में कमाल करने के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने स्वतंत्रता दिवस को हर्षोल्लास और आनंद में तब्दील कर दिया है. यह अमृत महोत्सव हमें हमेशा याद दिलाता रहेगा की भारत को विश्व गुरु होना है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नए भारत को जन्म दिया जाना है, हमारी युवा शक्ति, युवा पीढ़ी इस देश को अजर अमर बनाने में सदैव प्रयत्नशील रही है द्य भारत का हजारों वर्ष पुराना इतिहास है, इस लंबे इतिहास में कई विदेशी आक्रमणों का सामना करना पड़ा हैद्य अधिकतर विदेशी आक्रमणकारी यहां रहने के दौरान भारतीय सभ्यता संस्कृति में इस तरह घुल मिल गए मानो वह भारत के मूलनिवासी है. विदेशी आक्रमणकारियों के आगमन एवं यहां की सभ्यता संस्कृत में घुल मिल जाने का सिलसिला मध्यकालीन मुगलों के शासन तक चलता रहा. 18 वीं शताब्दी में जब अंग्रेजों ने भारत के कुछ हिस्सों पर अधिकार जमाया तो पहली बार भारत की जनता को गुलामी का एहसास हुआ।. आक्रमणकारी अंग्रेजों ने भारत देश को गुलाम बनाकर अपने स्वयं के देश को धन धान्य से पूर्ण करने के लिए भारत की धरती का संपूर्ण दोहन कर धन को इंग्लैंड भेजते रहे,बाद में तो अंग्रेजों ने मुगल शासकों को परास्त कर पूरे भारत पर आधिपत्य ही कर लिया थाद्य पर आजादी और स्वतंत्रता के दीवानों ने अंग्रेजो के खिलाफ संघर्ष का बिगुल फूंक दिया था. संघर्ष में भारत माता के असंख्य वीर पुत्र शहीद हुए,कई युवा अंग्रेजों के जुल्म का शिकार हुए, मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व निछावर करने वाले बहुत से वीरों को जेल की सलाखों के पीछे जीवन व्यतीत भी करना पड़ा. कई वीर सपूतों को काला पानी की सजा भी झेलनी पड़ी. आजादी का यह संघर्ष वर्ष 1947 तक चलाद्य आजादी के संघर्ष में अनगिनत दीवानों ने जैसे मंगल पांडे, लक्ष्मीबाई, तात्या टोपे, कुंवर सिंह, रामप्रसाद बिस्मिल, सुभाष चंद्र बोस, चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, खुदीराम बोस, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री,डॉ राजेंद्र प्रसाद, सरदार वल्लभभाई पटेल, लोकमान्य तिलक, जयप्रकाश नारायण, अबुल कलाम आजाद, इत्यादि का विशेष योगदान था।

सलमान रुश्दी और मुसलमानों की दुश्मनी, एक किताब ने कैसे उनके पूरे जीवन को खतरों से भर दिया

अभिनय आकाश

भारतीय मूल के अमेरिकी लेखक सलमान रुश्दी पर 12 जुलाई को जानलेवा हमला हुआ। घटना के वक्त वो एक लाइव प्रोग्राम में इंटरव्यू दे रहे थे। न्यूयार्क स्टेट पुलिस के मुताबिक हमलावर तेजी से मंच की ओर दौड़ा और सलमान रुश्दी पर चाकू से हमला कर दिया।

भारत आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। लेकिन जिस साल भारत को आजादी मिली, उसी साल भारत में जन्में अमेरिकी नागरिक और लेखक सलमान रुश्दी पर जानलेवा हमले से एक बार फिर से ये संदेश देने की कोशिश की है कि आतंकवाद हर कोने में अब भी जिंदा है। एक लेखक को कलम चलाने की क्या सजा दी जा सकती है, इसका नजरा दुनिया ने देखा। इस घटना से पैदा हुए खौफजदा माहौल को खत्म कर पाना अमेरिका समते दुनिया के विभिन्न मुल्कों के लिए परेशानी का सबसे बड़ा सबब बनता प्रतीत हो रहा है। भारतीय मूल के अमेरिकी लेखक सलमान रुश्दी पर 12 जुलाई को जानलेवा हमला हुआ। घटना के वक्त वो एक लाइव प्रोग्राम में इंटरव्यू दे रहे थे। न्यूयार्क स्टेट पुलिस के मुताबिक हमलावर तेजी से मंच की ओर दौड़ा और सलमान रुश्दी पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू रुश्दी के गर्दन पर लगा। न्यूयॉर्क की गवर्नर ने जानकारी देते हुए बताया कि सलमान रुश्दी जिंदा हैं और उन्हें एक लोकल अस्पताल में भर्ती करवा दिया गया है। वहीं हमलावर भी गिरफ्तार हो गया है। जिसकी पहचान फादी मतर के रूप में हुई है, जिसकी उम्र 24 साल है।

इस्लाम की आलोचना और सलमान रुश्दी इन दोनों को एक दूसरे से अलग देखना बेहद मुश्किल है। अमेरिका के न्यूयॉर्क में मशहूर लेखक सलमान रुश्दी पर चाकू से जानलेवा हमला हुआ। हमले वाली जगह पर खून इस बात की गवाही देते दिखे। हमलावर के मन में रुश्दी के लिए कितनी नफरत थी इसे इस बात से समझा जा सकता है कि 75 साल की उम्र के सलमान रुश्दी पर चाकू से कई वार किए गए। लेकिन सलमान रुश्दी के प्रति नफरत का ये सिलसिला 1988 से शुरू होता है। रुश्दी की किताब द सैटेनिक वर्सेज की वजह से वो लगातार मुस्लिमों के निशाने पर रहे।

सलमान रुश्दी का साहित्य की दुनिया में बड़ा नाम है। मुंबई के एक कश्मीरी मुस्लिम परिवार में 19 जनवरी 1947 को उनका जन्म हुआ। 15 अगस्त 1947 की आधी रात अविभाजित हिंदुस्तान में जो बच्चे पैदा हुए। उन पर उन्होंने मिडनाइट चिल्ड्रेन नामक नॉवेल लिखा। किताब इतनी बेहतरीन निकली की बुकर प्राइज जीत लिया।

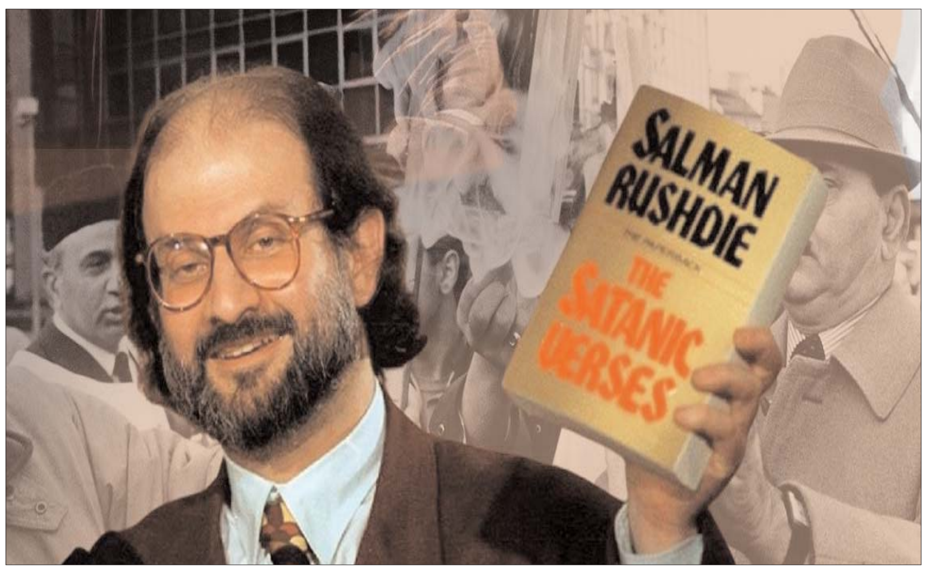

फतवा और जान से मारने की धमकी

सितंबर 1988 में द सैटेनिक वर्सेज के प्रकाशन के बाद से अपने मिडनाइट्स चिल्ड्रन (1981) के लिए बुकर पुरस्कार जीतने वाले ब्रिटिश-भारतीय लेखक को अपने जीवन के लिए असंख्य खतरों का सामना करना पड़ा है। 14 फरवरी, 1989 को ईरान के धार्मिक नेता अयातुल्ला खुमैनी ने अपने उपन्यास के साथ इस्लाम का अपमान करने के लिए रुश्दी पर एक फतवा घोषित जारी किया। इ

सके दुष्परिणाम आने वाले दशकों तक महसूस किए जाते रहे। यहां तक कि जब फतवे के बाद भी रुश्दी की किताब छप गई। किताबों पर प्रतिबंध, किताबों को जलाना, फायरबॉम्बिंग और मौत की धमकियां आने वाले वर्षों तक बेरोकटोक जारी रहीं। इससे दुनिया भर की कलाओं में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बारे में महत्वपूर्ण सवाल उठे।

1989 में चैनल 4 को दिए एक साक्षात्कार में द सैटेनिक वर्सेज के प्रकाशन के तुरंत बाद, रुश्दी ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर पुस्तक की बढ़ती आलोचना का जवाब दिया था। उन्होंने कहा था कि यदि आप एक किताब नहीं पढ़ना चाहते हैं, तो आपको इसे पढ़ने की ज़रूरत नहीं है। द सैटेनिक वर्सेज से नाराज होना बहुत मुश्किल है – इसके लिए गहन पढ़ने की लंबी अवधि की आवश्यकता होती है। यह सवा लाख शब्दों का है। रुश्दी शुरू से ही ऐतिहासिक कल्पना, यथार्थवाद को अपनाते हुए उपन्यास लिखते रहे हैं। उनके उपन्यास और अन्य रचनाओं में प्रमुख विषय-वस्तु, पूर्वी और पश्चिमी दुनिया के बीच कई रिश्तों के जुड़ने, अलग होने और देशांतरणों की कहानी रही है। उपन्यास में कुछ कुरान की आयतों को लिखा जो पैगंबर के जीवन में एक ऐसे समय के बारे में थे जो मुसलमानों के लिए अपमानजनक था। इस किताब का शीर्षक एक विवादित मुस्लिम परंपरा के बारे में है। इस परंपरा के बारे में रुश्दी ने अपनी किताब में खुल कर लिखा। अपनी इस किताब में रुश्दी ने पैगंबर मुहम्मद को झूठा, पाखंडी कहा है, जबकि उनकी 12 बीवियों के लिए भी आपत्तिजनक शब्द इस्तेमाल किए हैं। इसके विमोचन पर, पुस्तक को पश्चिम में अनुकूल समीक्षा मिली, वर्ष के उपन्यास के लिए 1988 का व्हिटब्रेड पुरस्कार जीता और 1988 का बुकर पुरस्कार फाइनलिस्ट बन गया।

राजीव गांधी सरकार ने लगाया बैन

भारत में हालांकि इसके प्रकाशन के नौ दिन बाद धार्मिक भावनाओं को आहत करने के लिए राजीव गांधी सरकार द्वारा पुस्तक पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। ब्रिटेन में भी विरोध प्रदर्शनों ने आकार लिया। वर्ष के अंत तक पुस्तक को बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका, सूडान, केन्या सहित कई देशों में प्रतिबंधित कर दिया गया था। हालाँकि, ईरान, शुरू में, पुस्तक का विरोध करने वाले देशों में से नहीं था। लेकिन जैसे-जैसे किताब और रुश्दी के खिलाफ विरोध के स्वर तेज होते गए। मौलवियों के एक समूह ने खुमैनी को किताब के कुछ हिस्सों को पढ़ाया, जिसमें निर्वासन में एक इमाम का एक हिस्सा भी शामिल था, जो संदेहास्पद रूप से उनके कैरिकेचर जैसा था। बाकी, जैसा कि यह जाता है, इतिहास था।

छुप-छुप कर जीवन जीना पड़ा

यहां तक कि लेखक की हत्या के लिए 3 मिलियन डॉलर से अधिक के इनाम की पेशकश की गई थी। अगले नौ वर्षों तक, रुश्दी छिपकर रहना पड़ा।

एक स्थान से दूसरे स्थान पर अंगरक्षकों और सुरक्षा सेवाओं के भारी पहरे के बीच। ईरान से मिली धमकी कोई मामूली धमकी नहीं थी। कारण कि रुश्दी को मारनेवाले के लिए 30 लाख डॉलर का इनाम घोषित कर दिया गया। 2012 में उन्हें एक बार फिर जान से मारने की धमकी दी गई। ईरान के ही एक धार्मिक संगठन ने उनकी हत्या के लिए ईनाम की राशि 30 लाख डॉलर से बढ़ा कर 33 लाख डॉलर कर दिया।

राष्ट्रीय चेतना और अक्षुण्ण एकता की मिसाल है 'हर घर तिरंगा'

डॉ. शंकर सुवन सिंह

स्वतंत्रता दिवस का त्यौहार आजादी का द्योतक है। भारत में वर्ष 2022 में 76वाँ स्वतन्त्रता दिवस मनाया जा रहा है। यह आजादी की 75वीं वर्षगाँठ है। स्वाधीनता के 75 वर्ष पूरे हो गए। 15 अगस्त 1947 को भारत में प्रथम स्वतंत्रता दिवस मनाया गया था। स्वतंत्रता दिवस 2022 की थीम/विषय है- हर घर तिरंगा। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत शुरू किया गया एक अभियान हर घर तिरंगा वर्ष 2022 के स्वतन्त्रता दिवस को ख़ास बनाता है। इस अभियान के तहत 13 अगस्त से 15 अगस्त तक देश भर में 20 करोड़ से अधिक घरों पर तिरंगा झंडा फहराया जाएगा। हर घर तिरंगा अभियान हमारे तिरंगे झंडे के प्रति सम्मान दिखाने के लिए है, जो हमारे राष्ट्र के लिए एक गौरव का प्रतीक है। इंडियन फ्लैग कोड (फ्लैग कोड, 2002) के मुताबिक नेशनल फ्लैग तिरंगा को केवल दिन में ही फहराने की अनुमति थी। शाम होने के साथ ही इसे उतार लिया जाता था। वर्ष 2022 में केंद्र की मोदी सरकार ने हर घर तिरंगा अभियान के लिए फ्लैग कोड के नियमों में बदलाव किया है, जिसके मुताबिक अब दिन और रात दोनों में तिरंगा झंडा फहराया जा सकता है। इसके लिए 20 जुलाई, 2022 को भारतीय झंडा संहिता 2002 में संशोधन किया गया है। फ्लैग कोड में एक और बड़ी तब्दिली करते हुए सरकार ने पॉलिस्टर और मशीन के झंडों को भी मंजूरी दे दी है। इसके पहले केवल हाथ से बनाए गए कपास, ऊन और रेशमी खादी के झंडों को फहराने की अनुमति थी।

तिरंगा फहराने को लेकर कुछ खास बातों का ध्यान रखना चाहिए –
1. किसी भी दूसरे झंडे को नेशनल फ्लैग से ऊंचा या बराबर नहीं फहराया जाना चाहिए।

2. फटा हुआ या गंदा तिरंगा कभी न फहराएं और अगर फहराने के बाद भी यह फट जाए तो इसे उतार लेना चाहिए। 3. तिरंगे को हमेशा पूरे आदर और जोश के साथ फहराया जाता है और धीरे-धीरे उतारा जाता है। इसको कभी जमीन पर स्पर्श नहीं कराना चाहिए। तिरंगा, राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है। भारत के राष्ट्रीय ध्वज की ऊपरी पट्टी में केसरिया रंग है जो देश की शक्ति और साहस को दर्शाता है। बीच में स्थित सफेद पट्टी धर्म चक्र के साथ शांति और सत्य का प्रतीक है। निचली हरी पट्टी उर्वरता, वृद्धि और भूमि की पवित्रता को दर्शाती है। राष्ट्रीय ध्वज की सफेद पट्टी के बीच में नीले रंग का अशोक चक्र स्थित होता है। अशोक चक्र की 24 तीलियों से ही मनुष्य के लिए बनाये गए 24 धर्म मार्ग की तुलना की गई है। इसलिए इन्हें मनुष्य के लिए बनाये गए 24 धर्म मार्ग भी कहा जाता है। इन 24 तीलियों का मतलब क्रमशः इस प्रकार है- संयम, आरोग्य, शांति, त्याग, शील, सेवा, क्षमा, प्रेम, मैत्री, बन्धुत्व, संगठन, कल्याण, समृद्धि, उद्योग, सुरक्षा, नियम, समता, अर्थ, नीति, न्याय, सहकार्य, कर्तव्य, अधिकार, बुद्धिमत्ता। किसी भी राष्ट्र का ध्वज उस राष्ट्र की अभिव्यक्ति का आधार होता है। राष्ट्रीय ध्वज की परिकल्पना बिना राष्ट्र के संभव नहीं है। राष्ट्रीय ध्वज को समझना है तो पहले राष्ट्र को समझना होगा। राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्र एक दूसरे के पूरक हैं। राष्ट्र शब्द अंग्रेजी के शब्द नेशन का एक अनुवाद है। नेशन शब्द लैटिन भाषा के नेशीऊ शब्द से लिया गया है।

लैटिन में, नेशीऊ शब्द का अर्थ जन्म या जाती है। राष्ट्र, भूमि का टुकड़ा नहीं होता है। राष्ट्र बहुत से लोगों का समूह होता है। वह समूह जिसमे सभी लोग एक केंद्र बिंदु को अपना मानकर आपस में एक जुड़ाव महसूस करते हैं। देश के बाहर रहने वाले लोगों का जुड़ाव यदि इस केंद्र बिंदु से है तो ये लोग भी राष्ट्र के दायरे में आएँगे। कहने का तात्पर्य यह है कि दुनिया में कोई व्यक्ति चाहे किसी भी देश में रहता हो यदि वो किसी एक केंद्र बिंदु के आधार पर अपने लोगों से जुड़ाव महसूस करता है तो वो अपने राष्ट्र का हिस्सा है। केंद्र बिंदु धर्म के आधार पर जुड़ाव वाला हो सकता है। ऐतिहासिक आधार पर जुड़ाव वाला हो सकता है। भौगोलिक स्थिति के आधार पर जुड़ाव वाला हो सकता है। भारतीय संस्कृति के आधार पर जुड़ाव वाला हो सकता है।

टोमैटो सीड ऑयल से स्किन को मिल सकते हैं यह गजब के फायदे, जानिए

मिताली जैन

टमाटर के बीज का तेल स्किन को फ्रेश व ब्राइटर बनाता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह कैरोटीनॉयड, फाइटोस्टेरॉल और एंटीऑक्सिडेंट से समृद्ध है। साथ ही, इससे लिनोलिक एसिड की अच्छाई भी स्किन को मिलती है। यह बेहद लाइट है और स्किन को नॉन-ग्रीसी बनाता है। टमाटर एक ऐसी सब्जी है, जिसका इस्तेमाल लगभग हर घर में किया जाता है। कभी सलाद तो कभी सॉस, सूप और सब्जी में इसकी मदद से स्वाद को बढ़ाया जाता है। यह न केवल स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है बल्कि कई प्रकार के सौंदर्य लाभ भी प्रदान करता है। लेकिन सिर्फ टमाटर ही नहीं, उसके बीज भी सेहत के लिए उतने ही गुणकारी होते हैं। टमाटर के बीज के तेल को स्किन और बालों के लिए बेहद अच्छा माना जाता है। इन बीजों के तेल में खनिजों और फैटी एसिड पाए जाते हैं, जो आपकी स्किन को ब्यूटीफुल बनाए रखने में मदद करते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको टोमैटो सीड ऑयल से स्किन को मिलने वाले कुछ फायदों के बारे में बता रहे हैं-

टमाटर के बीज का तेल स्किन को फ्रेश व ब्राइटर बनाता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह कैरोटीनॉयड, फाइटोस्टेरॉल और एंटीऑक्सिडेंट से समृद्ध है। साथ ही, इससे लिनोलिक एसिड की अच्छाई भी स्किन को मिलती है। यह बेहद लाइट है और स्किन को नॉन-ग्रीसी बनाता है। साथ ही, यह स्किन के पोर्स को बंद नहीं करता है। टमाटर के बीज का तेल मैच्योर स्किन के लिए भी अच्छा माना जाता है क्योंकि यह एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है। इसमें विटामिन ई और कैरोटीनॉयड भी होते हैं जो फ्री रेडिकल्स डैमेज को रिवर्स करने में मददगार है। साथ ही, यह आपकी त्वचा को युवा, चमकदार दिखने में मदद करता है और समय से पहले बूढ़ा होने से बचाता है। आपके चेहरे पर तेल लगाने से झुर्रीदार स्किन भी स्मूद हो जाती है और महीन रेखाएं और एज स्पॉट्स भी गायब हो जाते हैं।

आओ आज 15 अगस्त 2022 पर स्वर्ण जयंती महोत्सव 2047 के स्वर्ण भारत का संकल्प करें

15 अगस्त 2022 का स्वर्णिम आगाज़ - 15 अगस्त 2047 तक हमारा आत्मनिर्भर भारत, भ्रष्टाचार गरीबी बेरोजगारी कुपोषण निरक्षरता और सामाजिक बुराइयों से पूर्णत: मुक्त होगा - एडवोकेट किशन भावनानी

गोंदिया - भारत में हम पिछले एक वर्ष से आजादी का अमृत महोत्सव बड़े ही उमंग उत्साह और हृदय की गहराइयों से मना रहे हैं और सोनेपर सुहागा हर-घर तिरंगा, युवा संवाद एट 2047 सहित अनेक प्रेरक उत्सवों का जोरदार आगाज हमें देखने को मिला!! अब जारी है हमारे अगले 25 वर्षों की विकास यात्रा की तैयारी जिसमें हर भारतीय को देशभक्ति और राष्ट्रवाद से संकल्प लेना है कि हम साथ मिलकर अगले स्वर्ण जयंती समारोह 15 अगस्त 2047 तक भारत को पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर भारतआर्थिक सामाजिक समानता भ्रष्टाचार गरीबी बेरोजगारी कुपोषण निरक्षरता और सामाजिक बुराइयों से पूर्णत:मुक्त कर नए भारत के निर्माण की ओर संपूर्ण मनोभाव जज्बे के साथ कदम बढ़ाने को लेकर सहभागिता से नीति निर्धारकों की राह आसान बनाएं, चूंकि आज 15 अगस्त 2022 से हमारी 25 वर्षों की अगली विकास यात्रा गाथा की शुरुआत हो रही है इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से स्वर्णजयंती महोत्सव विजन 2047 के स्वर्णिम भारत की चर्चा करेंगे यनें 15 अगस्त 2022 एट 15 अगस्त 2047

साथियों बात अगर हम हमारे आज से शुरू हुए 25 वर्षों की यात्रा की गाथा की करें तो आज के पावन पर्व पर हम सभी नागरिकों को एक प्रण लेना होगा कि हम स्वर्ण जयंती महोत्सव 2047 में पूरी निष्ठा के साथ सहभागी होंगे क्योंकि आज के भारत को बलिदान नहीं बल्कि युवाओं के सशक्त योगदान की दरकरार हैं। आज भारत में हमारा 65 फ़ीसदी से अधिक युवा अर्थबल है और अगर इस शक्तिशाली जनसंख्यकिय तंत्र को हमारे अनुभवी ताउम्र साथियों, बड़े बुजुर्गों का उचित मार्गदर्शन, दिशा निर्देश की भागीदारी मिलती है तो सोने पर सुहागा होगा और हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए आज 15 अगस्त 2022 का संकल्प वर्ष 2047 के लिए मील का पत्थर साबित होगा हालांकि हमें पूरा विश्वास है कि हमें अपने इस स्वर्णिम जयंती मिशन को अपने लक्ष्यों की डेडलाइन से पूर्व ही प्राप्त होने की पूरी पूरी संभावना है। यह विजन 5-10 वर्ष पूर्व ही अपना टारगेट हासिल कर लेगा जिसका हमें पूर्ण विश्वास है क्योंकि भारत जैसी बौद्धिक क्षमता की शक्ति वाला मानव विश्व में और कहीं नहीं है

साथियों बात अगर हम स्वर्ण जयंती वर्ष 2047 की करें तो इसकी शुरुआत हो चुकी है क्योंकि हमने पिछले वर्ष 1से 20 दिसंबर 2021 तक चले कक्षा 4 से 12 के विद्यार्थियों द्वारामाननीय पीएम को 2047 कैसा हो मेरे सपनों का भारत पर अपनाविचार 75 लाख से अधिक पोस्ट कार्डों द्वारा भेजा गया था। हमारा देश भारत 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों की गुलामी से आजाद हुआ था। हमारी आजादी को 75 साल पूरे हुए हैं। अब 2047 तक, भारत अपनी स्वतंत्रता के 100 वें वर्ष का जश्न मनाएगा। 2047 में हमारा देश वही होगा जो हम आज से बनाएंगे।

साथियों बात अगर हम हमारे 2047 के भारत की सतयुग से परिकल्पना करें तो, 2047 में, ऐसी कल्पना है कि भारत को भ्रष्टाचार, गरीबी, बेरोजगारी, कुपोषण, निरक्षरता और अन्य सामाजिक बुराइयों को दूर करना चाहिए। और भारत को एक ऐसा देश होना चाहिए जहां सभी के लिए समानता की स्वतंत्रता हो। 2047 में, मेरे सपने का भारत जहां महिलाएं सुरक्षित हैं, शिक्षित हैं, और सड़क पर स्वतंत्र रूप से चलती हैं। और सभी को स्वास्थ्य सुविधाएं मिलती हैं, चाहे वह अमीर हो या गरीब। 2047 में, हम ऐसी कल्पना करते हैं कि भारत सभी के लिए भोजन और आवास के मामले में आत्मनिर्भर हो, और हमें संसाधनों के इष्टतम उपयोग के साथ पर्यावरण के अनुकूल, कार्बन मुक्त और हरित विकास के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

साथियों 2047 में, हमारी कल्पना है कि भारत एक ऊर्जा-स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में बदल जाए और साथ ही भारत एक आत्मनिर्भर और विकसित देश बन जाए। पूरी दुनिया भारत की ताकत का सम्मान करती है और उसे पहचानती है। हम चाहते हैं कि हमारा देश 2047 तक दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाए। हम सभी को अगले 25 वर्षों में इसे हासिल करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। भारत को अपने पड़ोसी देशों का सबसे अच्छा दोस्त होना चाहिए। हम पूरी तरह से आशावादी हैं और हमें लगता है कि भारत 2047 तक और अधिक ऊंचाइयों पर पहुंच जाएगा। हम भारत को दुनिया के सबसे मजबूत राष्ट्र के रूप में देखना चाहते हैं। 2047 में भारत के लिए हमारा दृष्टिकोण महिलाओं को अधिक शक्तिशाली और सशक्त बनाना है और हमें महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए और सभी को समानता की स्वतंत्रता एवं अधिकार प्रदान करनी चाहिए।

साथियों गरीब बच्चों को शिक्षा मिलनी चाहिए। अमीर और गरीब के बीच कोई अंतर नहीं होना चाहिए। जाति, रंग, लिंग और आर्थिक स्थिति का कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। हर जगह शांति हो, सद्भाव हो। भारत को धर्मनिरपेक्ष, शांति, समृद्धि और सच्चाई की भूमि बना रहना चाहिए। हमारा देश धर्मनिरपेक्ष बना रहना चाहिए जहां सभी धर्मों के साथ समान व्यवहार किया जाता है। भारतीय कृषि की समस्याओं का समाधान किया जाना चाहिए। अपने देश को बड़ा और लोकतांत्रिक रूप से सफल बनाने का सपना हर किसी का होता है। हम जैसा कुछ करने का सपना देखते हैं ठीक वैसा ही बनते जाते हैं। इसी तरह, हम आने वाले भारत की कल्पना कैसे करते हैं यह तय करेगा कि 2047 का भारत कैसा होगा। हम सभी को अगले आने वाले वर्षों में भारत को ओर बेहतर बनाने के लिए मिलकर काम करना होगा। तभी हम भारत को निश्चित रूप से आत्मनिर्भर बना सकेंगे तथा विकासशील देशों की सूची से विकसित देशों की ओर बढ़ सकते हैं।

ऐसा मेरा हिंदुस्तान हो!!

सभी का सम्मान हो,
हम देश की शान हो,
देश के लिए हमारे प्राण हो,
देश हमारी जान हो,
ऐसा हर एक हिंदुस्तानी और
मेरा हिंदुस्तान हो।।
सभी साक्षर और बुद्धिमान हो,
वतन पर कुर्बान हो,
मानवता में महान हो,
सभी समान हो,
ऐसा हर एक हिंदुस्तानी और
मेरा हिंदुस्तान हो।।
चमकती धरती, चमकता आसमान
हो, मातृभूमि का अभिमान हो,
अनगिनत वीर जवान हो,
शहीदों सा बलिदान हो,
ऐसा हर एक हिंदुस्तानी और
मेरा हिंदुस्तान हो।।
सर उठा कर जीने का स्वाभिमान हो,
इस मातृभूमि को प्रणाम हो,
सुनहरे खेत खलिहान हो,
भारतीय हमारी पहचान हो,
ऐसा हर एक हिंदुस्तानी और
मेरा हिंदुस्तान हो।।
हर सफल इम्तिहान हो,
हर चिकित्सक वरदान हो,
कभी ना डगमग ईमान हो,
शूरवीरों को सलाम हो,
ऐसा हर एक हिंदुस्तानी और
मेरा हिंदुस्तान हो।।

शार्ट न्यूज

यूपी में नकल को लेकर और सख्त होगी योगी सरकार, लखनऊ में बनेगा वॉर रूम

मथुरा। योगी आदित्यनाथ सरकार की सख्ती की वजह से पिछले कुछ वर्षों में यूपी बोर्ड की परीक्षाओं में नकल पर प्रभावी अंकुश लगा है। अब सरकार ने माध्यमिक से उच्च शिक्षा तक नकल पर पूरी तरह रोक लगाने के प्लान पर काम शुरू कर दिया है। जल्द ही सरकार लखनऊ में एक वॉर रूम बनाएगी जो नकल पर रोक लगाने में प्रभावी होगा। ये जानकारी प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने दी। उन्होंने बताया कि परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के मकसद से सभी केंद्रों को वॉर रूम से जोड़ा जाएगा। स्ववित्त पोषित महाविद्यालयों में शिक्षकों की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें उचित वेतन नहीं मिल रहा है। उन्होंने बताया कि इस विसंगति को दूर करने के लिए सितम्बर में लखनऊ में शिक्षकों और प्रबंधन के प्रतिनिधियों की बैठक बुलाई गई है। योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति, यूपी में शिक्षा के परिदृश्य को बदल देगी क्योंकि यह प्राचीन भारतीय संस्कृति को शिक्षा में आधुनिक विकास के साथ जोड़ती है।

यूपी के गोंडा में मस्जिद में घुसकर युवक ने लाउडस्पीकर पर लगाया जय श्रीराम का नारा

गोंडा। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में एक बड़ी मस्जिद में घुसकर एक युवक के लाउड स्पीकर पर जय श्रीराम का नारा लगाने से मामला गरमा गया। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस युवक को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ कर रही है। इंस्पेक्टर समशेर बहादुर सिंह ने बताया कि युवक करनैलगंज का निवासी है, जो दिमागी रूप से बीमार है मामले की छानबीन की जा रही है। रविवार को सुबह तकरीबन नौ बजे एक शरारती व्यक्ति मस्जिद में घुस गया और गेट को अंदर से बंद कर लिया। इतना ही नहीं उसने मस्जिद के लाउडस्पीकर पर जय श्रीराम का नारा लगाना शुरू किया तो आवाज सुनकर मोहल्लेवासी दौड़ पड़े। देखते ही देखते धार्मिक स्थल पर काफी भीड़ जमा हो गई। बमुश्किल गेट खोलकर युवक को बाहर निकाला गया। इसके बाद मौके पहुंची पुलिस युवक को थाने ले गई। इस अमर्यादित कृत्य से समुदाय के विशेष लोगों में काफी गुस्सा है। लोग कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।सुरक्षा की दृष्टि से मस्जिद पर पुलिसकर्मियों को लगाया गया है।

प्रेमिका की कहीं और शादी तय होने से गुस्से में बेकाबू हुआ सिरफिरा, चाकुओं से गोद कर की हत्या

लखीमपुर खीरी। यूपी के लखीमपुर खीरी में एक सिरफिरे ने कथित प्रेमिका की शादी कहीं और तय होने के गुस्से में चाकुओं से गोदकर उसकी हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि देर रात उसने लड़की को घर के बाहर बुलाया और ताबड़तोड़ चाकुओं के प्रहार करने लगा। बुरी तरह घायल अवस्था में घरवाले लड़की को लेकर गोला स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचे जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना गोला कोतवाली क्षेत्र के भैंसीरी गांव की बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार लड़का, लड़की से शादी की जिद पर अड़ा हुआ था लेकिन लड़की के घरवाले उससे शादी नहीं करना चाहते थे। इस दौरान लड़की की शादी कहीं और तय हो गई तो लड़का अपना आपा खो बैठा। देर रात वह अपनी कथित प्रेमिका के घर पहुंचा। उसने उसे घर के बाहर बुलाया और चाकुओं के ताबड़तोड़ प्रहार से लहूलुहान कर दिया। घरवाले आनन-फानन में खून से लथपथ लड़की को लेकर गोला स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे जहां इलाज के दौरान लड़की की मौत हो गई। लड़की की मां की तहरीर के आधार पर आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

पत्नी ने शराब पी ली तो पति ने पीट-पीटकर मार डाला, लाश ठिकाने लगाते गिरफ्तार

उन्नाव। यूपी के उन्नाव में गंगाघाट कोतवाली के प्रेमनगर मोहल्ले में रहने वाली महिला ने घर में रखी पति की शराब पी ली तो गुस्से में पति ने बेरहमी से पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी। सुबह शव रिक्शे में लादकर ठिकाने लगाने निकला तो लोगों ने देख लिया और पुलिस को खबर कर दी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। प्रेमनगर में गौसिया मस्जिद के पास रहने वाला योगेंद्र तिवारी रिक्शा चलाता है। पांच साल पहले इंद्रा नगर निवासी घनश्याम गुप्ता की बेटी पिंकी गुप्ता (30) से उसने प्रेम विवाह किया था। शुक्रवार को पिंकी ने घर में रखी पति की शराब पी ली। देर रात योगेन्द्र घर पहुंचा तो उसे शराब नहीं मिली। पिंकी ने बताया उसने शराब पी ली तो वह आग बबूला होकर उसे पीटने लगा और दीवार में उसका सिर पटक-पटककर बेरहमी से हत्या कर दी। इसके बाद वह रात भर शव ठिकाने लगाने की योजना बनाता रहा। सुबह शव रिक्शे में लादकर ले जाने लगा तो लोगों ने उसे रोक लिया और कोतवाली पुलिस को सूचना दी। पुलिस पूछताछ में उसने पूरी घटना कबूल ली। उधर, बेटी की मौत की खबर सुन मां रानी और पिता घनश्याम पहुंचे। पिता ने उस पर हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। घटना से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

कुशीनगर में पाकिस्तानी झंडा लगाने की साजिश रचने वाला गिरफ्तार

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश में कुशीनगर जिले के तरयासुजान क्षेत्र में मकान की छत पर पाकिस्तान का राष्ट्रीय ध्वज लगाने के लिये प्रेरित करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि बेदुपार निवासी किशोर मुस्तकीम ने शुक्रवार को अपने अर्धनिर्मित मकान की छत पर पाकिस्तानी झंडा लगा दिया। कुछ ही देर में झंडा लगाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। जानकारी होने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई और झंडा उतरवा दिया। किशोर को थाने ले जाकर पूछताछ की और फिर उसे छोड़ दिया। देर शाम पाकिस्तानी झंडा जानबूझकर तैयार कराने के आरोप में किशोर के चचेरे भाई सलमान को गिरफ्तार कर लिया गया। उसके खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि किशोर जिस समय पाकिस्तानी झंडा अपने मकान पर लगा रहा था, उस समय किसी ने उसका वीडियो और फोटो बना लिया था। कुछ ही देर बाद किसी ने मामले की जानकारी स्थानीय थाने को दे दी। पूछताछ में किशोर ने बताया कि उसकी बुआ ने किसी मजार पर चढ़ाने के लिए झंडा खुद सिला था। किशोर ने इसी झंडे को नासमझी में छत पर लगा दिया। पुलिस ने किशोर को थाने से छोड़ तो दिया मगर यह जानने में जुटी रही कि आखिर पाकिस्तान का झंडा क्यों सिला गया। देर शाम यह स्पष्ट हुआ कि बुआ को यह झंडा सिलने का आइडिया और तरीका उसके भतीजे सलमान ने दिया था जिसके बाद पुलिस ने सलमान को गिरफ्तार कर लिया।

देवरिया और जौनपुर में लोक अदालत संपन्न, निपटाये 85 हजार मामले

देवरिया/जौनपुर। उत्तर प्रदेश के देवरिया और जौनपुर जिलों में राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में लगभग 85 हजार लंबित मामलों का निस्तारण कर दिया गया। इनमें अकेले देवरिया में 47 हजार से अधिक लंबित मामले निस्तारित कर दिये गये। जिला प्रशासन के प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष जय प्रकाश यादव के आदेश पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इसमें आपसी सहमति से सुलझाये जा सकने योग्य कुल 47058 मामलों का निस्तारण किया गया। निस्तारण की प्रक्रिया में प्रतिकर, जुर्माना एवं अन्य मामलों में कुल 18 करोड़ 53 लाख 84 हजार 190 रुपये की धनराशि का सेटलमेण्ट किया गया। इस लोक अदालत में मुख्य रूप से न्यायाधीशगण, अधिवक्तागण, वादीगण तथा सामान्य जनता उपस्थित रही। इसी प्रकार जौनपुर में राष्ट्रीय लोक अदालत में 38 हजार से अधिक मामले निस्तारित किये गये। जौनपुर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में शनिवार को जिला न्यायाधीश श्रीमती वाणी रंजन अग्रवाल की अध्यक्षता में दीवानी न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसमें आपसी सुलह-समझौते के आधार पर 38,985 वाद निस्तारित किये गए। जिसमें विभिन्न अदालतों में लंबित 4180 वाद भी निस्तारित किये गए। प्राधिकरण के सचिव विवेक विक्रम ने यह जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में दीवानी के 126 वाद, राजस्व के 2642 व बिजली विवाद संबंधी 23 मुकदमे, सहित कुल 34,805 वाद निस्तारित किये गए।

आगरा में बढ़ा चंबल नदी का जलस्तर

नदी के पास जाने पर लगी रोक, पास के गांवों को अलर्ट जारी

आगरा/पिनाहट। चंबल नदी फिर से उफान पर है। बीते 24 घंटे में नदी का जलस्तर सामान्य से सात मीटर ऊपर चढ़ गया है। स्थानीय प्रशासन 128 मीटर तक जलस्तर पहुंचने की संभावना व्यक्त कर रहा है। ऐसे में प्रशासन ने पिनाहट पर स्टीमर सेवा बंद कर दी है। ग्रामीणों को नदी किनारे जाने से रोका जा रहा है। नदी के तटवर्ती गांव में अलर्ट जारी कर दिया गया है। दिन और रात में निगरानी बढ़ा दी गई है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष के मुताबिक चंबल नदी में कोटा बैराज से पानी छोड़ने और मध्यप्रदेश और राजस्थान में लगातार हो रही बारिश से पार्वती जैसे कई छोटी-छोटी नदियों का पानी चंबल में गिर रहा है। इससे नदी के जलस्तर में तेजी से वृद्धि हो रही है।

चंबल का जलस्तर देखने पहुंचे युवक की डूबने से मौत

पिनाहट में बढ़ते जलस्तर को देखने पहुंचे युवक की पैर फिसलने से चंबल नदी में डूबककर मौत हो गयी। करीब आधा घंटा बाद उसका शव नदी से बाहर निकाला जा सका। शनिवार को चंबल नदी का जलस्तर जैसे ही बढ़ना शुरू हुआ कि वहां भीड़ इकट्ठी होने लगी। पुलिस ने भीड़ को हटाना शुरू कर दिया। शाम करीब चार बजे फिरोजाबाद का पमारी निवासी रमजानी पुत्र 22 वर्षीय शफी मोहम्मद चंबल नदी घाट पहुंच गया। टीले से पैर फिसल गया। वह नदी में जाकर गिरा।

यमुना में भी उफान बढ़ेगा जलस्तर

हथिनी कुंड से यमुना नदी में छोड़े पानी से आगरा में नदी उफान पर है। शनिवार को नदी में ताजेवाला से 15,877 क्यूसेक, ओखला से 54,876 क्यूसेक और गोकुल बैराज से 16,442 क्यूसेक पानी छोड़ा है। यमुना का जलस्तर 490.40 मीटर तक पहुंच गया।

128 मीटर तक जा सकता है पानी

राजस्थान कोटा से चंबल नदी में गुरुवार को चार गेट खोलकर एक लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़ा है। इस बार नदी का पानी तीन दिन में 128 मीटर पार कर जाएगा। चंबल 132 मीटर पर आ जाती है। उप जिलाधिकारी बाह रतन वर्मा ने बताया कि गांव को अलर्ट किया है।

उन्नाव में बढ़ा गंगा का जलस्तर, कई गांवों पर मंडरा रहा बाढ़ का खतरा

एजेंसी

शुक्लागंज। उत्तर प्रदेश के उन्नाव में गंगा नदी का जलस्तर अपने खतरे के निशान तक पहुंच गई है। पश्चिम के बांधों से पानी छोड़ने के कारण नदी के पानी में बढ़ोत्तरी हुई है। गुरुवार और शुक्रवार को पानी निचले इलाकों में पहुंचने लगा।

दूसरी तरफ लगातार जलस्तर बढ़ने के कारण कानपुर के बैराज का गेट भी खोल दिया गया है। पिछले चौबीस घंटे में 7 सेंटीमीटर गंगा के पानी में बढ़ोत्तरी हुई है। यहां नदी का जलस्तर 111.040 तक पहुंच गया है। केंद्रीय जल आयोग के मुताबिक उन्नाव के शुक्लागंज में नदी की चेतावनी बिंदू 112 जबकि खतरे का निशान 113 मीटर है।

शुक्लागंज में लगातार नदी के बढ़ रहे जल स्तर से बांगरमऊ, परियर, कोलुहागढ़ा, फेतहपुर चौरासी और गढ़ेवा समेत अन्य गांवों पर डूबने का खतरा मंडरा रहा है।

शुक्लांगज के कई घर डूबने के कगार पर हैं। उन्नाव की डीएम अपूर्वा दुबे ने गंगा के बढ़े जल स्तर का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आदेश किया कि वे कटान को रोकने के लिए यथासंभव प्रयास करें। नदी के किनारे रहने वाले लोगों के लिए हर प्रकार से सहायत की जाए।

स्वतंत्रता दिवस : रिहर्सल में शामिल हुए नगर विकास मंत्री एके शर्मा

लखनऊ। प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने हर घर तिरंगा अभियान के तहत सुबह अटल चौक, हजरतगंज में 15 अगस्त के कार्यक्रमों की तैयारियां देखीं। स्वतंत्रता दिवस को होने वाले राष्ट्रगान और इस दौरान निकलने वाली प्रभात फेरी के पूर्वाभ्यास का निरीक्षण किया। सभी चौराहों पर प्रातः 8:59 पर होने वाले राष्ट्रगान के रिहर्सल में शामिल हुए।

इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर, लौह पुरुष राष्ट्रीय एकता के प्रतीक सरदार बल्लभ भाई पटेल की मूर्ति पर फूल माला चढ़ाकर नमन किया और राष्ट्रीय ध्वज लगाया।

इस दौरान एके शर्मा ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के पावन पर्व पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर आज पूरा देश तिरंगा मय हो चुका है। राष्ट्रभक्ति की यह लहर सभी गांव, कस्बों, शहरों, सभी संस्थानों, सभी समाजो व वर्गों में दौड़ रही है। उन्होंने आज कई मदरसों, विद्यालयों के बच्चों की ओर से तिरंगा झंडा लेकर 15 अगस्त को निकलने वाली प्रभात फेरी के लिए हो रही रिहर्सल में शामिल होकर उनका उत्साहवर्धन किया।

औरैया में छह महिलाओं समेत 11 कोरोना संक्रमित

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरया जिले में कोरोना संक्रमण फिर से अपना असर दिखाने लगा है। रविवार को आयी जांच रिपोर्ट में 11 लोग कोरोना पॉजिटिव निकले हैं जिसमें छह महिलाएं शामिल है। स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों ने बताया कि 13 अगस्त को कुछ संदिग्ध लोगों के सैंपल लेकर एंटीजन व आरटी-पीसीआर जांच करायी गयी थी जिसकी आज सुबह रिपोर्ट आ गयी है। जांच रिपोर्ट के अनुसार ब्लाक औरैया व भाग्यनगर में तीन-तीन, बिधूना में दो एवं अजीतमल, ऐरवाकटरा व सहार ब्लाक में एक-एक रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आयी है। संक्रमित व्यक्तियों को होम आइसोलेट किया गया है।

प्रतापगढ़ में कन्या भ्रूण हत्या रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने चलाया अभियान

सूचना देने वाले को मिलेगा 1 लाख इनाम

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ में कन्या भ्रूण हत्या रोकने के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है। स्वास्थ्य विभाग ने ऐलान किया है कि लिंग परीक्षण की सूचना देने वाले को 60 हजार रुपये इनाम दिया जाएगा वहीं लिंग परीक्षण का भंडाफोड़ करने वाले को 1 लाख रुपये का इनाम मिलेगा। वहीं सहयोगी को भी 40 हजार रुपये इनाम दिया जाएगा। इसके साथ ही इलाके में कन्या भ्रूण हत्या को लेकर जागरुक्ता अभियान चलाया जा रहा है। इसके साथ ही स्वास्थ्य विभाग भ्रूण परीक्षण की जानकारी हासिल करने के लिए मुखबिर योजना का भी प्रचार प्रसार कर रहा है। इसके लिए शहर भर

में जगह जगह होर्डिंग और स्टीकर लगवाए जा रहे हैं।

प्रसव पूर्व लिंग जांच व चयनित गर्भपात को दंडनीय अपराध बताते हुए लोगों को सूचित किया जा रहा है कि इस तरह के किसी भी अपराध की सूचना प्रशासन को दें। प्रसव पूर्व लिंग की जांच और गर्भवात करने वाले आरोपियों के खिलाफ पीसीपीएनडीटी अधिनियम 1994 के तहत कार्रवाई होगी। इसके लिए एक विशेष समिति का भी गठन किया गया है जिसमें जिला मजिस्ट्रेट के साथ ही जिले के 16 पदाधिकारी शामिल हैं। इस मुहिम से लोगों को जोड़ने के लिए स्टीकर के ऊपर सबसे पहले बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का होर्डिंग बनाया गया है। इस संदेश के साथ लोगों से अपील की गई है कि किसी भी अल्ट्रासाउंड केंद्र पर यदि लिंग परीक्षण की कोई जानकारी हो तो निम्नलिखित अधिकारियों को सूचित करें। साथ ही ये भी कहा गया है कि सूचना देने वाले शख्स की पहचान छुपाकर रखी जाएगी।

रायबरेली में डायरिया से भाई-बहन की मौत, जिंदगी से जूझ रही मां और बेटी

रायबरेली। रायबरेली जिले में छीछेमऊ गांव में डायरिया से भाई-बहन की मौत हो गई। मां और छोटी बेटी जिंदगी से जूझ रही है। बहन का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। क्षेत्र के गांव में भाई को राखी बांधने आए बहन गोमती देवी के पुत्र आलोक (8 वर्ष) और पुत्री रिमझिम (11 वर्ष)की डायरिया से मौत हो गई। मां गोमती देवी और तीसरी पुत्री दिव्यांशी (5 वर्ष) की भी हालत खराब है। उसे भी सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

गोमती देवी का ससुराल धन्नापुर कानपुर में है। रक्षाबंधन के दूसरे दिन अपने तीनों बच्चों को लेकर भाई सुंदरलाल के घर राखी बांधने आई थी। उसके तीनों बच्चे और वह खुद डायरिया के चपेट में आ गए।

एक बेटी और बेटे की डायरिया से मौत हो गई। तीसरी बेटी जिला अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रही है। मामा सुंदरलाल ने बताया कि रात में सभी की हालत गंभीर हुई गांव के ही डाक्टरों से इलाज कराया गया। इससे रिमझिम और आलोक की मौत हो गई दिव्यांशी को सीएचसी से जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। कोतवाल गौरव कुमार ने बताया कि परिवारी जनों ने पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया है।

दो बच्चों की मौत पर दहाड़ें मारकर रोई बीमार मां

एक पुत्र व एक पुत्री की मौत पर बीमार गोमती देवी दहाड़ें मारकर रो पड़ी। घरवाले मातम में डूबे हैं। पूरे गांव में शोक का माहौल है। भाई के घर से बेटे और बेटी की अर्थी उठी तो गांव के लोगों की आंख में आंसू आ गए। सब कह रहे थे इन मासूम बच्चों के साथ ईश्वर ने कितना अन्याय किया। इनका अंतिम संस्कार कोइलाहा घाट गंगा के किनारे कर दिया गया।

स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव पहुंची

सीएचसी अधीक्षक डॉ. सत्यपाल सिंह ने बताया कि डॉ अनुराग को कंपाउंडर, वार्ड बॉय और नर्स के साथ गांव में भेज दिया गया है। मौके पर खुद जा रहा हूं। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव पहुंचकर जांच व दवा का छिड़काव शुरू कर दिया है।

राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में भाग लेने महाना रवाना

लखनऊ। कनाडा के हेलीफैक्स में 22 से 26 अगस्त के बीच होने वाले राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में भाग लेने के लिये विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश का एक प्रतिनिधिमंडल शनिवार को यहां से रवाना हो गया। आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि संसदीय संघ की उत्तर प्रदेश शाखा के प्रतिनिधिमंडल के रूप में श्री महाना 13 से 16 अगस्त तक डेनमार्क की यात्रा पर रहेंगे। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल वहां की संसद और शहर के ऐतिहासिक महत्व के स्थानों का भ्रमण करेंगे। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष डेनमार्क समेत अन्य देशों में संसदीय संघ की शाखा का भी अध्ययन भ्रमण करेंगे तथा 17 से 21 अगस्त के बीच उल्लिखित देशों में अध्ययन भ्रमण करने के बाद 65 वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में 22 से 26 अगस्त तक कनाडा के हेलीफैक्स में आयोजित सम्मेलन में शामिल रहेंगे।

जौनपुर में मुस्लिम धर्मगुरुओ ने की तिरंगा फहराने की अपील

एजेंसी

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में मुस्लिम धर्मगुरूओं ने मस्जिदों और मजलिसों से तिरंगा फहरा कर आजादी का जश्न उत्साह के साथ मनाने की अपील की है।

आज़ादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निर्देशन में चल रहे स्वतंत्रता सप्ताह के अन्तर्गत आज मदरसा जामिया इमाम जाफर सादिक़ बेगमगंज में धर्मगुरुओ को तिरंगा झंडा प्रदान किया गया।

धर्मगुरु मौलाना सफ़दर हुसैन ज़ैदी ने कहा तिरंगा हमारी शान है। समाज के सभी लोगो को चाहिए कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मिशन को आगे बढ़ाते हुए देश की आज़ादी के अमृत महोत्सव में सभी लोग अपने घरों और प्रतिष्ठान पर तिरंगा फहराकर आज़ादी के जश्न में चार चांद लगा दे।

उन्होने कहा कि मस्जिदों, मजलिसों से भी बड़े पैमाने पर आज़ादी का जश्न मनाने व तिरंगा फहराने का एलान किया जा रहा।

अपर जिलाधिकारी रजनीश कुमार राय ने कहा कि स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने पर आज़ादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है, पूरा जनपद तिरंगा मय हो गया है हर ओर जश्न का माहौल है, इस अभियान में धर्मगुरुओ का प्रयास भी बहुत सराहनीय है, 15 अगस्त तक झंडा फहराना है तथा महोत्सव 11 से 17 अगस्त तक मनाया जा रहा है।

तिरंगा यात्रा में गाना बजाने से भड़के मौनी महराज

अमेठी। आजादी के 75वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर तिरंगा यात्रा के दौरान साउंड बजाने को लेकर यहां बाबू गंज सगरा के पीठाधीश्वर मौनी महाराज भड़क गये और उन्होने तिरंगा यात्रा में खलल डालने का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद मौनी स्वामी अपने समर्थकों के साथ धरना पर बैठ गए। जिले के टीकर माफी स्थित स्वामी परम हंस महराज की तपोस्थली पर मौनी महराज उस समय भड़क गए जब तिरंगा यात्रा में राष्ट्र गान बजते समय कुछ लोग साउंड बजाने लगे। इससे नाराज मौनी स्वामी समर्थकों के साथ नारेबाजी करते हुए धरने पर बैठ गये। मौनी स्वामी और उनके समर्थक राष्ट्रगान का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान जैसे नारे लगाने लगे। मौनी महाराज ने कहा कि कुछ लोग तिरंगा यात्रा में व्यवधान डालने के लिए साउंड बजाने लगे। यह मेरा अपमान नहीं है यह अपमान राष्ट्रगान ,देश और देश के प्रधानमंत्री का अपमान है। देश का अपमान करने वाले के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने ऐलान किया है कि जब तक इन लोगों के खिलाफ मुकदमा नहीं दर्ज किया जाएगा तब तक हम धरना प्रदर्शन बंद नहीं करेंगे।

जबरन अबार्शन के दौरान लड़की की मौत, जमकर हंगामा

अस्पताल संचालिका और रेप आरोपी गिरफ्तार

वाराणसी। वाराणसी में रेप के बाद एक लड़की के जबरन अबार्शन और इस दौरान हॉस्पिटल में उसकी मौत हो जाने का मामला सामने आया है। घटना से भड़के लड़की के परिवारवालों ने हॉस्पिटल में जमकर हंगामा किया।

मिली जानकारी के अनुसार चोलापुर थाना क्षेत्र के नवापुरा चौराहा (पहड़िया मार्ग) स्थित गणेश लक्ष्मी हॉस्पिटल में देर रात यह घटना हुई है।

आक्रोशित परिजनों ने सुबह अस्पताल में जमकर हंगामा किया। लड़की के मामा ने अकथा निवासी एक युवक पर दुष्कर्म और जबरन गर्भपात का आरोप लगाया है।

पुलिस ने आरोपित प्रेमी और अस्पताल संचालिका समेत चार पर मुकदमा दर्ज किया है। अस्पताल संचालिका शीला पटेल और प्रेमी प्रद्युम्न यादव को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

चोलापुर थाना क्षेत्र के एक गांव रहने वाली 21 वर्षीय युवती बीए तृतीय की छात्रा थी। वह बचपन से ही ननिहाल में रहती थी। सारनाथ थाना क्षेत्र के अकथा निवासी बस ड्राइवर प्रद्युम्न यादव की उससे नजदीकी बढ़ गई। आरोप है कि उसने युवती से दुष्कर्म किया, जिससे वह गर्भवती हो गई।

पांच महीने बाद प्रद्युम्न दोस्त अनुराग चौबे के साथ युवती को लेकर गणेश लक्ष्मी हॉस्पिटल पहुंचा। डॉक्टर ने गर्भपात कराने का आश्वासन दिया। गर्भपात के दौरान युवती की मौत हो गई। सूचना मिलते ही युवती के परिजन अस्पताल पहुंचे और हंगामा करने लगे। इस बीच आरोपित मौके से भाग निकले। चोलापुर थाने के कार्यवाहक एसओ विपिन पांडेय ने मौके पर फोर्स के साथ पहुंचकर परिजनों को समझा-बुझाकर शांत कराया। युवती के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने अनुराग चौबे, अस्पताल के डॉक्टर लल्लन पटेल के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया है। दोनों की तलाश में दबिश दी जा रही है। हिरासत में लिए गए आरोपितों से पूछताछ हो रही है।

समृद्ध और सुरक्षित भारत के लिये राष्ट्र धर्म को रखना होगा सर्वोपरि : सीएम योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब हम व्यक्तिगत, पारिवारिक और सामाजिक जीवन से पहले राष्ट्र प्रथम के भाव के साथ कार्य करेंगे तो हमारा भारत अमृत काल में दुनिया की सबसे बड़ी शक्ति बनकर उभरेगा।

अपने सरकारी आवास पर आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत रविवार को आयोजित होमगार्ड के जवानों का तिरंगा मार्च और मोटरसाइकिल रैली के समापन समारोह को सम्बोधित करते हुये उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आगामी 25 वर्ष को देश का अमृत काल निर्धारित किया है। इन वर्षों में भारत को कहां ले जाना चाहते हैं, हमें इसकी कार्ययोजना बनानी होगी। एक समृद्ध और सुरक्षित भारत के लिए हर व्यक्ति को अपने स्तर पर प्रयास करना होगा। सभी को अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना होगा। ईमानदारी से किए गए प्रयास सार्थक परिणाम लेकर आते हैं।

योगी ने कहा हम सब जानते हैं की अमृत महोत्सव सप्ताह का आयोजन पूरे देश में हो रहा है। सबसे अधिक आबादी वाला राज्य होने के नाते देश की निगाह उत्तर प्रदेश पर है। प्रदेश के मंत्री, अधिकारी, पुलिस के जवान, होमगार्ड कार्मिक सहित समाज का हर तबका इस कार्यक्रम से जुड़ गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव के तहत प्रदेश भर में 11 से 17 अगस्त तक स्वतंत्रता सप्ताह के अंतर्गत प्रभात फेरियां निकालने के साथ ही अनेक कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। 13 से 15 अगस्त के बीच चल रहे %हर घर तिरंगा अभियान से प्रदेश का प्रत्येक नागरिक जुड़ रहा है। आज 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका दिवस के रूप में भी प्रदेश के सभी 75 जनपदों में मौन मार्च निकाले जाएंगे। विभाजन की त्रासदी को स्मरण करते हुए प्रदर्शनी लगाई जाएंगी वहीं दूसरी तरफ 15 अगस्त को आज़ादी का पर्व देश और प्रदेश में पूरे उल्लास और उमंग के साथ मनाया जाएगा।

उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पूरे देश ने वैश्विक महामारी कोरोना से लड़ाई लड़ी और महामारी की हर लहर को नियंत्रित किया। इस दौरान हेल्थ केयर वर्कर, शासन, प्रशासन, पुलिस के जवान, होमगार्ड के कार्मिक और समाज के अलग-अलग तबके के लोगों के द्वारा जो काम किया गया वह दुनिया के सामने एक उदाहरण बना है।

विभाजन की त्रासदी की याद में मौन व्रत रखेंगे किसान

अमरोहा। 14 अगस्त 1947 को अखंड भारत के विभाजन की त्रासदी की याद में राष्ट्रीय किसान यूनियन के कार्यकर्ता और पदाधिकारी आज शाम साढे पांच बजे से एक घंटे का मौन उपवास करेंगे। यूनियन के जिलाध्यक्ष चौधरी नरेश कुमार ने बताया कि 14 अगस्त 1947 को बुद्धिशून्य, प्रबंधनशून्य, दूरदृष्टिशून्य की वजह से हुए बंटवारे को स्वीकारा गया जिसके परिणामस्वरूप मजहब के आधार पर पाकिस्तान का जन्म हुआ। अपनी ही मातृभूमि में करोड़ों लोग परायें हो गए थे। लगभग 10 लाख से अधिक लोगों का नरसंहार हुआ वहीं लगभग एक करोड़ से अधिक लोग निर्वासित जीवन बिताने के लिए मजबूर हुए। दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर 11 से 17 अगस्त तक चलने वाले हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए हर एक कोई जुटा हुआ है।

तिरंगा मय हुआ उत्तर प्रदेश, हर तरफ देश भक्ति का जुनून

लखनऊ। ‘विश्व विजयी तिरंगा प्यारा,झंडा ऊंचा रहे हमारा...’ के रचनाकार श्यामलाल गुप्ता पार्षद की आत्मा आज भाव विभोर हो रही होगी जब समूचे उत्तर प्रदेश में स्मारकों,घरों और सरकारी इमारतों में लहराता तिरंगा भारत की आन,बान और शान के प्रतीक चिन्ह के रूप में दुनिया को अनूठा संदेश दे रहा है।

75वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर प्रदेश के गांव शहरों में आजादी के जश्न को लेकर उत्साह का समंदर हिलोरें मारता दिखायी पड़ रहा है। इस दौरान तिरंगा यात्रायें देश भक्ति की भावना को परवान चढ़ाने के लिये उत्प्रेरक का काम कर रही हैं। हर कोई अपने घर में तिरंगा फहराने को लेकर उत्सुक दिखायी दे रहा है। घर घर में तिरंगा,वाहनो में तिरंगा, सरकारी प्रतिष्ठानों में तिरंगा और ऐतिहासिक स्मारकों में लहराते तिरंगे ने मानो समूचे देश को एक सूत्र में पिरो दिया है।

लखनऊ विधानसभा, लोकभवन,बापू भवन,जवाहर भवन, शक्ति भवन और इंदिरा भवन समेत अधिसंख्य सरकारी इमारतों को तीन रंगों की झालरों से सजाया गया है जबकि उनकी प्राचीर पर लहराता तिरंगा अदभुद छटा बिखेर रहा है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग ने आगरा के कई स्मारकों पर तिरंगा लाइटिंग की है। आगरा के सिकंदरा, फतेहपुर सीकरी, आगरा किला, एत्मादउद्दौला, यमुनापार के चीनी का रोजा और बल्केश्वर स्थित जसवंत सिंह की छतरी स्मारकों को तिरंगा रोशनी से रोशन किया गया है।

पुरातत्वविद डॉ. राजकुमार पटेल ने बताया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग ने भी आजादी के अमृत महोत्सव को खास बनाने के लिए विशेष तैयारी की है। आगरा में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा 5 स्थानों पर 50 फीट ऊंचा तिरंगा लगाया जा रहा है।

शार्ट न्यूज

पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नयी दिल्ली। तेल विपणन कंपनियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बीते कुछ दिनों से कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे रहने बावजूद देश में रविवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया। देश में करीब दो माह से अधिक समय से ईंधन की कीमतों में स्थिरता होने से आम आदमी के लिए राहत बनी हुयी है। सार्वजनिक क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसीएल) के अनुसार, दिल्ली में आज पेट्रोल के दाम 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। मुंबई में पेट्रोल और डीजल के दाम क्रमश: 106.31 रुपये प्रति लीटर और 94.27 रुपये प्रति लीटर हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में लंदन ब्रेंट क्रूड 98.15 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी क्रूड 2.61 प्रतिशत की गिरावट के साथ 91.88 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर सभी राज्यों में अलग-अलग हैं।

सोना 539 और चांदी में 1366 रुपये की साप्ताहिक तेजी

मुंबई। विदेशी बाजारों की तेजी के साथ ही स्थानीय पर भी मांग रहने से बीते सप्ताह घरेलू सर्राफा बाजार में सोना 539 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी में 1366 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी रही। समीक्षाधीन सप्ताह में वैश्विक बाजार में कीमती धातुओं में तेजी का रुख रहा। सोना हाजिर 17.42 डॉलर प्रति औंस मजबूत होकर सप्ताहांत पर 1792.73 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। साथ ही अमेरिकी सोना वायदा भी 19.3 डॉलर प्रति औंस चढ़कर 1794.20 डॉलर प्रति औंस हो गया। इसी तरह सप्ताहांत पर चांदी हाजिर 0.66 डॉलर प्रति औंस मजबूत होकर 20.49 डॉलर प्रति औंस रही। बीते सप्ताह विदेशी बाजार की तेजी का असर देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में भी देखा गया। सप्ताहांत पर सोना 539 रुपये चमककर 52429 रुपये प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया। इस दौरान सोना मिनी 530 रुपये तेज होकर 52351 रुपये प्रति दस ग्राम पर रही। इसी तरह समीक्षाधीन अवधि में चांदी 1366 रुपये महंगी होकर 58756 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। साथ ही चांदी मिनी 1272 रुपये की बड़ी बढ़त लेकर सप्ताहांत पर 59222 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

विदेशी मुद्रा भंडार 89.7 करोड़ डॉलर घटकर 572.97 अरब डॉलर पर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 05 अगस्त को समाप्त सप्ताह में 89.7 करोड़ डॉलर कम होकर 572.97 अरब डॉलर पर आ गया जबकि इसके पिछले सप्ताह यह 2.32 अरब डॉलर बढ़कर 573.9 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 05 अगस्त को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 1.61 अरब डॉलर की गिरावट लेकर 509.64 अरब डॉलर रह गया। हालांकि इस अवधि में स्वर्ण भंडार 67.1 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 40.31 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसी तरह आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 4.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.03 अरब डॉलर पर रहा। वहीं, इस अवधि में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि 30 लाख डॉलर कम होकर 4.98 अरब डॉलर रह गया।

दूरदर्शिता के लिए याद किया जाएगा.. रतन टाटा ने बिग बुल को यूं किया याद

नई दिल्ली। टाटा समूह के मानद चेयरमैन रतन टाटा ने कहा कि जाने-माने निवेशक राकेश झुनझुनवाला को हमेशा बाजारों के बारे में उनकी गहरी समझ के साथ-साथ उनके हंसमुख व्यक्तित्व, दयालुता और दूरदर्शिता के लिए याद किया जाएगा। बता दें कि रविवार की सुबह दिल का दौरा पड़ने से झुनझुनवाला का निधन हो गया। रतन टाटा ने अपने शोक संदेश में कहा, झुनझुनवाला को भारत के शेयर बाजारों के बारे में उनकी गहरी समझ के लिए हमेशा याद किया जाएगा। उन्हें उनके हंसमुख व्यक्तित्व, दयालुता और दूरदर्शिता के लिए भी याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि मेरी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ है, जिन्हें इस बड़े नुकसान का बोझ सहना पड़ा है। आपको बता दें कि झुनझुनवाला ने तीन दर्जन से अधिक कंपनियों में निवेश किया था, जिनमें टाटा समूह की इकाई टाइटन भी शामिल है। इसके अलावा उनके पोर्टफोलियो में स्टार हेल्थ, रैलिस इंडिया, एस्कॉर्ट्स, केनरा बैंक, इंडियन होटल्स कंपनी, एग्रो टेक फूड्स, नजारा टेक्नोलॉजीज और टाटा मोटर्स भी शामिल रही हैं।

महंगाई आंकड़ों के इशारे पर चलेगा शेयर बाजार

एजेंसी

मुंबई। वैश्विक बाजार की मजबूती से निवेशकों की जबरदस्त लिवाली की बदौलत बीते सप्ताह लगभग दो प्रतिशत की छलांग लगा चुका शेयर बाजार अगले सप्ताह खुदरा और थोक महंगाई के आंकड़ों के साथ ही कंपनियों के चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के जारी होने वाले परिणाम के इशारे पर चलता नजर आएगा।

बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1074.85 अंक यानी 1.84 प्रतिशत उछलकर 59 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 59462.78 अंक पर रहा। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 300.65 अंक उछलकर 17698.15 अंक पर पहुंच गया।

समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों की तरह छोटी और मझौली कंपनियों में भी लिवाली का जोर रहा। इससे मिडकैप 286 अंक की तेजी लेकर सप्ताहांत पर 24765.05 अंक और स्मॉलकैप 300.83 अंक मजबूत होकर 27905.91 अंक पर रहा।

विश्लेषकों के अनुसार, जुलाई का उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई का आंकड़ा शुक्रवार शाम जारी हुआ। खुदरा महंगाई जून के 7.01 प्रतिशत से घट कर 6.71 पर आ गई। इसके साथ ही जुलाई के थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई के

आंकड़े अगले सप्ताह जारी होंगे। इन दोनों आंकड़ों पर निवेशकों की प्रतिक्रिया होगी और इसी अनुरूप बाजार की चाल निर्धारित होगी।

इसके अलावा अगले सप्ताह बीएसई में आखरी बैच की दिग्गज, मझौली और छोटी कंपनियों के चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के आंकड़े जारी होने हैं। इन सभी कारकों का असर भी बाजार पर देखा जा सकेगा।

बीते सप्ताह मंगलवार को मुहर्रम पर अवकाश के कारण बाजार में चार दिन ही कारोबार हुआ। अमेरिका में रोजगार के मजबूत आंकड़ों से फेड रिजर्व के ब्याज दरों में तेज बढ़ोतरी की उम्मीद में वैश्विक बाजार में आई तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा लिवाली की बदौलत शेयर बाजार सोमवार को लगातार दूसरे दिन चढ़ता हुआ लगभग एक प्रतिशत मजबूत होकर बंद हुआ। सेंसेक्स 465.14 अंक की छलांग लगाकर 58853.07 अंक और निफ्टी 127.60 अंक उछलकर 17525.10 अंक पर रहा।

वैश्विक स्तर के मिश्रित संकेतों के बीच घरेलू स्तर पर आईटी, टेलीकॉम, टेक, रियलटी क्षेत्र की कंपनियों में हुयी बिकवाली के कारण बुधवार को सेंसेक्स 35.78 अंक टूटकर 58817.29 अंक पर रहा जबकि निफ्टी 9.65 अंक बढ़कर 17534.75 अंक पर रहा।

घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार को जबदरस्त तेजी रही, जिससे सेंसेक्स 515.31 अंकों की बढ़त के साथ 59332.60 अंक पर और निफ्टी 124.25 अंक की तेजी लेकर 17659 अंक पर पहुंच गया।

वैश्विक बाजार की मजबूती से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर तेल एवं गैस, ऊर्जा, धातु, पावर और यूटिलिटीज समेत तेरह समूहों में हुई लिवाली से शेयर बाजार शुक्रवार को लगातार पांचवें दिन तेजी पर रहा। सेंसेक्स 130.18 अंक चढ़कर 59462.78 अंक और निफ्टी 39.15 अंक बढ़कर 17698.15 अंक पर रहा।

नहीं रहे दिग्गज निवेशक राकेश झुनझुनवाला

एजेंसी

मुंबई। अरबपति निवेशक राकेश झुनझुनवाला का रविवार की सुबह यहां ब्रीच कैंडी अस्पताल में निधन हो गया। वह 62 साल के थे। श्री झुनझुनवाला के परिवार में पत्नी, दो पुत्र और एक पुत्री है। वह गुर्दे की बीमारी और कोरोनरी धमनी रोग से पीड़ित थे। उन्हें आज सुबह 06.45 बजे अस्पताल में लाया गया।

अस्पताल के सूत्रों ने बताया कि श्री झुनझुनवाला की मौत हृदयघात की वजह से हुई। उन्हें जब अस्पताल लाया गया था, तब उनमें जान नहीं थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्री झुनझुनवाला के निधन पर गहन शोक व्यक्त किया।

श्री मोदी ने अपने शोक संदेश में कहा, श्री राकेश झुनझुनवाला अदम्य साहस वाले व्यक्ति थे। वह बड़े जिंदादिल, समझदार और गहरी दृष्टि वाले थे। उन्होंने वित्तीय क्षेत्र में अमिट योगदान किया है। वह भारत के प्रगति के बारे में

बड़े जज्बाती थे। उनका जाना दुखद है। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदना है। ओम शांति।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने श्री झुनझुनवाला के निधन पर शोक व्यक्त किया।

उन्होंने ट्वीट किया, दिग्गज निवेशक, साहसिक जोखिम लेने वाला, शेयर बाजार की उत्कृष्ट समझ रखने वाला, संचार में स्पष्ट एक कुशल व्यक्तित्व थे। हमारे बीच हुई कई बातचीत हमें याद है। उन्हें भारत की ताकत और क्षमताओं में दृढ़ विश्वास था। ओम शांति।

श्री झुनझुनवाला का जन्म पांच जुलाई 1960 को हुआ था और वह मुंबई में पले-बढ़े। यहां पर उनके पिता एक आयकर अधिकारी के रूप में कार्यरत थे। वह एक व्यापारी और चार्टर्ड एकाउंटेंट थे तथा देश के सबसे धनी व्यक्तियों में से एक थे। वह हंगामा मीडिया और एप्टेक के अध्यक्ष भी थे और उन्होंने वाइसराय होटल्स, कॉनकॉर्ड बायोटेक, प्रोवोग इंडिया और जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के निदेशक के रूप में भी काम किया था।

श्री झुनझुनवाला अकासा एयर और स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस के प्रमोटर भी थे। वह जब कॉलेज में थे, तब उन्होंने शेयर बाजार में हाथ आजमाना शुरू कर दिया था। उन्होंने इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया में दाखिला लिया, लेकिन स्नातक होने के बाद उन्होंने पहले दलाल स्ट्रीट में कदम रखने का फैसला किया।

उन्होंने 1985 में शेयर बाजार में 5,000 रुपये का निवेश किया था। वह पूंजी सितंबर 2018 तक बढ़कर 11,000 करोड़ रुपये हो गई थी।

उन्होंने रेखा झुनजुनवाला से शादी की थी, जो एक शेयर बाजार निवेशक भी हैं। उन्होंने करीब 10 माह पहले पत्नी के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। श्री मोदी ने खुद ट्वीट करके इसकी जानकारी दी थी। उन्होंने ' वन एंड ऑनली राकेश झुनझुनवाला' कहकर उनकी तारीफ की थी। प्रधानमंत्री के साथ दंपति की फोटो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थी।

टाइटन, टाटा मोटर्स, क्रिसिल, ल्यूपिन, फोर्टिस हेल्थकेयर, नजारा टेक्नोलॉजीज, फेडरल बैंक, डेल्टा कॉर्प और टाटा कम्युनिकेशंस समेत 37 से ज्यादा स्टॉक में हाथ आजमाने वाले श्री झुनझुनवाला एक समय ब्रोकिंग का काम करते थे, जिस वजह से उनके सपने उड़ान नहीं भर पा रहे थे। पत्नी ने ही ट्रेडिंग कंपनी शुरू करने की सलाह दी थी।उनकी कंपनी का नाम रेयर इंटरप्राइजेज है जिसका पोर्टफोलियो मैनेजमेंट वह स्वयं करते थे।

एफपीआई ने अगस्त में अबतक जमकर किया निवेश

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक ने अगस्त के पहले दो सप्ताह में भारतीय शेयरों में आक्रामक तरीके से खरीदारी की है. पिछले महीने एफपीआई एक लंबे अंतराल के बाद भारतीय शेयर बाजारों में फिर शुद्ध लिवाल बने थे. मुद्रास्फीति को लेकर चिंताएं कम होने के बीच विदेशी निवेशकों ने अगस्त के पहले दो सप्ताह में शेयर बाजारों में 22,452 करोड़ रुपये डाले हैं. डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, इससे पहले जुलाई के पूरे महीने में एफपीआई ने शेयरों में करीब 5,000 करोड़ रुपये डाले थे.

अक्टूबर से लगातार बिकवाल बने हुए थे FPI

लगातार नौ माह तक निकासी के बाद जुलाई में एफपीआई पहली बार शुद्ध लिवाल बने थे.

पिछले साल अक्टूबर से वे लगातार बिकवाल बने हुए थे. अक्टूबर, 2021 से जून, 2022 तक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 2.46 लाख करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे. डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने एक से 12 अगस्त के दौरान शेयरों में शुद्ध रूप से 22,452 करोड़ रुपये डाले. इसके अलावा इस अवधि में एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड बाजार में शुद्ध रूप से 1,747 करोड़ रुपये का निवेश किया है.

आगे कैसा रहेगा निवेशकों का रुझान

कोटक सिक्योरिटीज के इक्विटी रिसर्च (रिटेल) श्रीकांत चौहान ने कहा कि मुद्रास्फीति का लेकर चिंता दूर होने व केंद्रीय बैंकों द्वारा मौद्रिक रुख को सख्त किए जाने की वजह से आगे चलकर उभरते बाजारों में एफपीआई के प्रवाह में और सुधार देखने को मिलेगा.

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में खुदरा मुद्रास्फीति की दर घटकर 6.71 प्रतिशत पर आ गई है।

छूट-मुक्त कर व्यवस्था की होगी समीक्षा, वित्त मंत्रालय इसे बेहतर बनाने की कर रहा है तैयारी

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने जल्द ही छूट मुक्त नई कर व्यवस्था की समीक्षा करने का प्रस्ताव किया है। वित्त मंत्रालय का कहना है कि समीक्षा इसलिए जरूरी है ताकि व्यक्तिगत आय करदाताओं के लिए इसे और आकर्षक बनाया जा सके। सूत्रों का कहना है कि सरकार का लक्ष्य एक ऐसी प्रणाली स्थापित करना है जहां कोई छूट नहीं है। सरकार छूट और कटौती के साथ जटिल पुरानी कर व्यवस्था को समाप्त करना चाहती है। गौरतलब है कि केंद्रीय बजट 2020-21 में एक नई कर व्यवस्था पेश की गई थी। इसमें करदाताओं को विभिन्न कटौतियों और छूटों वाली पुरानी व्यवस्था और छूट और कटौती के बिना कम कर दरों की पेशकश करने वाली नई कर व्यवस्था के बीच चयन करने का विकल्प दिया गया था। सरकार द्वारा उठाए गए इस कदम के पीछे का उद्देश्य व्यक्तिगत करदाताओं को महत्वपूर्ण राहत प्रदान करना और आयकर कानून को सरल बनाना था। नई कर व्यवस्था के अनुभव के बारे में सरकारी सूत्रों ने कहा कि इस बात के साफ संकेत मिल रहे हैं कि जिन लोगों ने अपना घर और शिक्षा ऋण समाप्त कर लिया है, वे नई कर व्यवस्था में स्थानांतरित होने के इच्छुक हैं। दरअसल ऐसे लोगों के पास दावा करने के लिए कोई छूट नहीं है। नई व्यवस्था में करों को कम करने से नई कर व्यवस्था और अधिक आकर्षक हो जाएगी।

सरसों तेल महंगा, दाल-दलहन में घटबढ़

नयी दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों की तेजी के बावजूद स्थानीय स्तर पर मांग कमजोर रहने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में सरसों तेल की तेजी को छोड़कर अन्य खाद्य तेल के भाव टिके रहे वहीं दाल-दलहन में घटबढ़ रही जबकि मीठे और अनाजों के दाम अपरिवर्तित रहे।

तेल तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अगस्त वायदा समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान 430 रिंगिट उबलकर 4430 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह अगस्त का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी सप्ताहांत पर 4.15 सेंट की तेजी लेकर 66.24 सेंट प्रति पाउंड हो गया।

बीते सप्ताह सरसों तेल 147 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हो गया। वहीं, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वह पुराने स्तर पर टिके रहे।

सप्ताहांत पर सरसों तेल 16996 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 19413 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 19413 रुपये प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 15604 रुपये प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 13553 रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 14798 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

दाल-दलहन : बीते सप्ताह दाल-दलहन के बाजार में घटबढ़ रही। सप्ताहांत पर चना 50 रुपये, चना दाल 50 रुपये, मूंग दाल 100 रुपये और अरहर दाल 50 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हो गई वहीं मसूर दाल 50 रुपये और उड़द दाल के भाव 250 रुपये प्रति क्विंटल गिर गए।

सप्ताहांत पर चना 4600-4700, दाल चना 5600-5700, मसूर काली 8300-8400, मूंग दाल 8200-8300, उड़द दाल 9900-10000, अरहर दाल 8850-8950 रुपये प्रति क्विंटल रही।

अनाज : बीते सप्ताह अनाज के बाजार में टिकाव रहा। सप्ताहांत पर गेहूं और चावल के भाव स्थिर रहे।

सप्ताहांत पर अनाज (भाव प्रति क्विंटल) : गेहूं दड़ा 2300-2400 रुपये और चावल : 2550-2650 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

चीनी-गुड़ : आलोच्य सप्ताह मीठे के बाजार में भी स्थिरता रही। सप्ताहांत पर चीनी और गुड़ के भाव अपरिवर्तित रहे। सप्ताहांत पर चीनी एस. 3360-3460, चीनी एम. 3800-3900, मिल डिलीवरी 3310-3410 और गुड़ 3850-3950 रुपये प्रति क्विंटल पर रहे।

जब दुनिया युद्ध लड़ने में थी व्यस्त, भारत ने बना डाला मैसूर सैंडल साबुन

एजेंसी

नई दिल्ली। मैसूर के शाही परिवार ने साल 1916 में चंदन की लकड़ी से तेल निकालने वाली मशीन का आयात किया था. उसके बाद उन्होंने एक कारखाना स्थापित किया प्रथम विश्व युद्ध के दौरान चंदन का व्यापार थम जाने की वजह से मैसूर से चंदन की लकड़ियों का विदेश जाना बंद हो गया और मैसूर के तत्कालीन शासक कृष्णराजा वाडयार चतुर्थ ने चंदन की लकड़ी से तेल निकालने का फैसला किया। विश्व युद्ध की वजह से व्यापार नीतियां प्रभावित हुई, कई रास्ते सुरक्षित नहीं रह गए थे. मैसूर में चंदन की लकड़ियों का लगातार ढेर लग रहा था. चंदन के जंगल पहले से ही विशाल रूप ले रहे थे।

मैसूर में पूरी दुनिया में सबसे अधिक चंदन की उपज होती थी. राजा वाड्यार को ख्याल आया कि चंदन की लकड़ियों से तेल निकालकर उसका उपयोग किया जा सकता है और इसका उपयोग बढ़ाया भी जा सकता है।

मैसूर के राजा को ख्याल आया कि चंदन के तेल का उपयोग जनता करेगी या नहीं, यह पता नहीं है. इस बीच उनके ही महल के स्टाफ ने अपने महाराज के लिए चंदन तेल से नहाने का प्रबंध किया. यह सिलसिला शुरू हो गया तो धीरे-धीरे तेल को साबुन में बदला गया. महाराज रोजाना चंदन के तेल से बने साबुन से नहाने लगे।

इसी दौरान उन्हें ख्याल आया कि जो साबुन वे खुद के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं उसे जनता के लिए भी तो उपलब्ध कराया जा सकता है।

इसके बाद सैंडल सोप बनाने का काम शुरू हुआ. ऐसे साबुन की परिकल्पना की गई जो ना मिलावटी हो और सस्ता भी रहे. उन्होंने मुंबई के तकनीकी विशेषज्ञों को बुलाकर भारतीय विज्ञान संस्थान के परिसर में साबुन बनाने के प्रयोग की व्यवस्था की।

भारतीय विज्ञान संस्थान की स्थापना भी मैसूर के एक दिग्गज दीवान के शेषाद्री अय्यर की वजह से हुई थी. साबुन बनाने की तकनीक के लिए साबुन शास्त्री इंग्लैंड पहुंचे. वहां से आकर उन्होंने महाराजा की मदद से बेंगलुरु में कारखाना स्थापित किया।

साल 1916 में ही मैसूर सैंडल सोप आम जनता के पास पहुंच गया. जैसे ही यह शाही साबुन बाजारों में आया लोगों ने इसे हाथों-हाथ खरीद लिया. साबुन में चंदन के असली तेल का इस्तेमाल होना और शाही घराने से इसके ताल्लुक ने साबुन को काफी लोकप्रिय बना दिया. देखते ही देखते मैसूर सैंडल सॉप का जलवा पूरे देश में फैल गया।

साल 1944 में शिवमोगा में एक और साबुन बनाने की यूनिट लगाई गई. साबुन के साथ ही चंदन के तेल से इतर भी बनाया जाने लगा।

उस समय साबुन आमतौर पर गोल या चौकोर होते थे, लेकिन सैंडल सोप को अंडाकार बनाया गया. महिलाएं अपने आभूषण चौकोर बॉक्स में रखती थी इसलिए साबुन के कवर को चौकोर बनाया गया। कंपनी के लोगों के लिए उन्होंने शराबा को चुना था जो साहस और ज्ञान का प्रतीक है।

मैसूर सैंडल सॉप के साइन बोर्ड पूरे देश में लगवाए गए. साबुन के बॉक्स की तस्वीरें जहाज के टिकट से लेकर माचिस की डिब्बी पर दिखने लगी. पाकिस्तान के कराची में मैसूर सैंडल सोप का प्रचार करने के लिए ऊंट का एक जुलूस भी निकाला गया।

मेडिक्लेम कारोबार में एंट्री को तैयार एलआईसी, इरडा की मंजूरी का है इंतजार

नई दिल्ली। जीवन बीमा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी एलआईसी की एक बार फिर से मेडिक्लेम कारोबार में कदम रखने की मंशा है। इस बारे में बीमा नियामक से स्थिति स्पष्ट होते ही कंपनी अपने कदम आगे बढ़ा सकती है। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के चेयरमैन एमआर कुमार ने कहा, ''हम पहले से ही लॉन्ग टर्म हेल्थ इंश्योरेंस और गारंटी देने वाले हेल्थ प्रोडक्ट की पेशकश कर रहे हैं। हम बीमा नियामक से हाल ही में आए सुझाव की भी समीक्षा कर रहे हैं।'' कुमार ने आगे बताया- मुझे नहीं लगता है कि हमारे लिए मेडिक्लेम कारोबार में उतरना मुश्किल होगा। हम पहले से ही कुछ स्वास्थ्य बीमा उत्पाद मुहैया करा रहे हैं। बीमा कंपनियों को लगी थी रोक- आपको बता दें कि मेडिक्लेम पॉलिसी असल में मुआवजे पर आधारित

स्वास्थ्य बीमा योजनाएं ही होती हैं और ये देश में सर्वाधिक लोकप्रिय स्वास्थ्य बीमा उत्पाद हैं। हालांकि, भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने वर्ष 2016 में जीवन बीमा कारोबार में लगी कंपनियों को मेडिक्लेम पॉलिसी की पेशकश करने से रोक दिया था। उसके बाद से जीवन बीमा कंपनियों को सिर्फ तय लाभ वाली स्वास्थ्य योजनाओं की ही पेशकश करने की इजाजत है।

मुआवजा आधारित स्वास्थ्य बीमा योजनाओं के तहत बीमा कंपनियां इलाज के दौरान खर्च हुई रकम की भरपाई करती हैं जो बीमित राशि के भीतर हो। वहीं तय लाभ वाली स्वास्थ्य बीमा योजनाओं के तहत पॉलिसीधारक को पूर्व-चिह्नित बीमारी या स्वास्थ्य स्थिति के लिए एक तय राशि दी जाती है।

इरडा के चेयरमैन देवाशीष पांडा ने हाल में कहा था कि अब जीवन बीमा कंपनियों के फिर से मेडिक्लेम में प्रवेश करने का वक्त आ गया है। उन्होंने वर्ष 2030 तक देश के हरेक नागरिक के पास स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी होने का लक्ष्य हासिल करने को भी कहा है। वैश्विक स्तर पर अधिकांश देशों में जीवन बीमा कंपनियां स्वास्थ्य बीमा योजनाओं की भी बिक्री करती हैं।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से छह कंपनियों का बाजार पूंजीकरण बढ़ा, रिलायंस को हुआ सबसे ज्यादा फायदा

एजेंसी

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 1,56,247.35 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। इस दौरान सबसे अधिक फायदा रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। सप्ताह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी और बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण चढ़ गया।

वहीं इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के बाजार पूंजीकरण में गिरावट आई। मंगलवार को मुहर्रम पर बाजार बंद रहे थे। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 66,772.08 करोड़ रुपये बढ़कर 17,81,028.47 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। टीसीएस की बाजार हैसियत 12,642.03 करोड़ रुपये बढ़कर 12,44,004.29 करोड़ रुपये और एचडीएफसी बैंक की 32,346.90 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 8,25,207.35 करोड़ रुपये रही।

आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन 25,467.37 करोड़ रुपये की वृद्धि के साथ 6,08,729.12 करोड़ रुपये और एचडीएफसी का 18,679.93 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 4,45,759.90 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। बजाज फाइनेंस का बाजार मूल्यांकन 339.04 करोड़ रुपये चढ़कर 4,42,496.12 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

इस रुख के उलट इन्फोसिस की बाजार हैसियत 9,262.29 करोड़ रुपये घटकर 6,70,920.64 करोड़ रुपये रह गई। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 11,454.26 करोड़ रुपये के नुकसान से 6,09,765.92 करोड़ रुपये पर आ गया। एलआईसी का बाजार मूल्यांकन 3,289 करोड़ रुपये घटकर 4,31,459.72 करोड़ रुपये रह गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार पूंजीकरण 4,73,584.52 करोड़ रुपये पर स्थिर रहा।

शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमश- टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, एचडीएफसी, बजाज फाइनेंस और एलआईसी का स्थान रहा। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,074 अंक या 1.83 प्रतिशत के लाभ में रहा। वहीं निफ्टी 300 अंक या 1.95 प्रतिशत चढ़ गया। बाजार ने लगातार चौथी बार साप्ताहिक लाभ दर्ज किया है।

कौन संभालेगा झुनझुनवाला का 46 हजार करोड़ का एम्पायर, 7 अगस्त को 278 करोड़ रुपए से अकासा एयरलाइन लॉन्च की, 32 कंपनियों में निवेश

नई दिल्ली। शेयर बाजार के बिग बुल राकेश झुनझुनवाला का आज यानी रविवार को 62 साल की उम्र में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वो लंबे समय से डायबिटीज और किडनी की समस्या से जूझ रहे थे। मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल ने सुबह 6 बजकर 45 मिनट पर झुनझुनवाला की मौत की पुष्टि की। 7 अगस्त को वो अकासा एयर की लॉन्चिंग के दौरान मुंबई एयरपोर्ट पर व्हील चेयर पर नजर आए थे। इस एयरलाइन में उनकी बड़ी हिस्सेदारी है।

झुनझुनवाला का कई कंपनियों में निवेश है। फोर्ब्स की दुनिया के अमीरों की लिस्ट में उनकी 440वीं रैंक है। उनकी नेटवर्थ 5.8 अरब डॉलर यानी करीब 46 हजार करोड़ रुपए हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या झुनझुनवाला के चले जाने से एयरलाइन को मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा? आगे उनके एम्पायर को कौन संभालेगा? तो चलिए इन सवालों के जवाब जानते हैं।

राकेश झुनझुनवाला को भारत के वॉरेन बफे के रूप में जाना जाता है। वो देश के सबसे सफल निवेशकों में से एक हैं। राकेश ने 1985 में 5000 रुपए के साथ निवेश करना शुरू किया। उस समय BSE इंडेक्स 150 पर था। उन्होंने 2003 में पत्नी रेखा के कहने पर अपनी खुद की स्टॉक ट्रेडिंग फर्म रेयर एंटरप्राइजेज की स्थापना की थी। इसके नाम में उन्होंने अपनी और अपनी पत्नी रेखा के नाम के पहले दो अक्षरों पर रखा है। उन्होंने राकेश से 'Ra'; रेखा से 'Re' को शामिल किया था। राकेश सही निर्णय, संभावित मल्टीबैगर में निवेश और जरूरत के अनुसार पोर्टफोलियो में बदलाव करते रहे जिसने उन्हें शेयर मार्केट का बिग बुल बना दिया। एक्सचेंजों पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार जून क्वार्टर में राकेश झुनझुनवाला के पास 32 कंपनियों शेयर हैं। इन 32 कंपनियों में अनंत राज, टाटा मोटर्स, टाइटन, फेडरल बैंक, नजारा, स्टार हेल्थ जैसी कंपनियां शामिल है।

झुनझुनवाला एक समय में स्टॉक मार्केट में बियर थे यानी मंदड़िए। उन्होंनें 1992 में हर्षद मेहता घोटाले का खुलासा होने पर शॉर्ट सेलिंग के जरिए बड़ा मुनाफा कमाया था। 1990 के दशक में भारतीय स्टॉक मार्केट में कई प्रतिष्ठित कार्टेल थे।

ऐसा ही एक कार्टेल मनु मानेक का था जो बियर कार्टेल था। इस कार्टेल को ब्लैक कोबरा कहते थे और इसे राधाकिशन दमाणी और झुनझुनवाला भी फॉलो करते थे। पत्रकार सुचेता दलाल ने हर्षद मेहता के घोटालों का खुलासा किया था, जिसके बाद मार्केट क्रैश कर गया था। अकासा एयरलाइन में राकेश झुनझुनवाला ने 35 मिलियन डॉलर यानी करीब 278 करोड़ रुपए का निवेश किया है। उनकी इस एयरलाइन में करीब 40प्रतिशत हिस्सेदारी है। वो एयरलाइन के बिजनेस में ऐसे समय में उतरे जब फ्यूल प्राइस काफी हाई है और कई कंपनियां परेशानियों से जूझ रही है।

शार्ट न्यूज

फाइनल में हालेप से भिड़ेंगी हद्दाद माइया

टोरंटो। ब्राज़ील की बीट्रिज़ हद्दाद माइया ने शनिवार को अपने करियर में एक और उपलब्धि हासिल करते हुए चेक गणराज्य की कैरोलिना प्लिस्कोवा को हराकर नेशनल बैंक ओपन के फाइनल में जगह बनायी। हद्दाद माइया ने करीब दो घंटे चले सेमीफाइनल में प्लिस्कोवा को 6-4, 7-6(7) से मात देकर अपने पहले डब्ल्यूटीए 1000 फाइनल में कदम रखा। इस जीत के साथ हद्दाद माइया ने सोमवार को जारी होने वाली डब्ल्यूटीए रैंकिंग में 16वां स्थान सुनिश्चित कर लिया है। ब्राज़ीलियन खिलाड़ी ने जीत के बाद कहा, यह एक विशेष क्षण है। मुझे लगता है कि मेरा ड्रॉ बहुत कठिन था। मुझे खुद को आगे बढ़ाना पड़ा। मैंने बहुत कठिन क्षण खेले। हद्दाद माइया फाइनल में रोमानिया की सिमोना हालेप के खिलाफ अपनी दावेदारी पेश करेंगी, जो सेमीफाइनल में अमेरिका की जेसिका पेगुला को हराकर आ रही हैं।

टोरंटो ओपन के फाइनल में पहुंची हालेप, शीर्ष 10 में पहुंचना सुनिश्चित

टोरंटो। रोमानिया की सिमोना हालेप ने रविवार को अमेरिका की जेसिका पेगुला को हराकर चौथी बार टोरंटो ओपन के फाइनल में जगह बनाई। दो बार की नेशनल बैंक ओपन चैंपियन हालेप ने अपनी अमेरिकी प्रतिद्वंदी को 2-6, 6-3, 6-4 से मात दी। जनवरी में मेलबर्न 250 जीतने के बाद टोरंटो ओपन हालेप का पहला फाइनल है। साथ ही 2020 में रोम जीतने के बाद से पूर्व नंबर एक के लिए यह सबसे बड़ा फाइनल है। यह जीत सुनिश्चित करती है कि सोमवार को डब्ल्यूटीए टूर रैंकिंग में हालेप शीर्ष 10 में लौट आएंगी। पेगुला ने पहली बार हालेप का सामना करते हुए अपने फ्लैट बेसलाइन गेम और नेट पर कुशल काम के साथ शुरुआती सेट अपने नाम किया। हालेप बेसलाइन पर संघर्ष करती नज़र आयीं और उनका विश्वसनीय बैकहैंड भी अक्सर टूटता रहा, लेकिन उन्होंने बेहतर स्पिन के प्रयोग से गेंद को पेगुला की पहुंच से दूर करते हुए बाज़ी मारी। हालेप ने जीत के बाद कहा, मैंने रणनीति में थोड़ा बदलाव किया है। पहले सेट में मैच थोड़ा बहुत तेज था। वह गेंद को ज़ोर से मार रही थीं और मुझे लय हासिल नहीं हो रही थी। फिर मैं बस शांत हो गयी और उन्हें थोड़ा और पीछे धकेलने की कोशिश की। फाइनल में हालेप का सामना ब्राज़ील बीट्रिज़ हद्दाद माइया से होगा।

पहली बार एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल में पहुंचे कारेनो बुस्ता

मॉन्ट्रियल। स्पेन के पाब्लो कारेनो बुस्ता ने शनिवार रात मॉन्ट्रियल ओपन में अपने विजय रथ को आगे बढ़ाते हुए ब्रिटेन के डेनियल इवांस को हराकर फाइनल में जगह बनायी। कारेनो बुस्ता ने करीब तीन घंटे चले सेमीफाइनल मुकाबले में इवांस को 7-5, 6-7(7), 6-2 से हराकर अपने पहले एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल में कदम रखा। 31 वर्षीय स्पेनियार्ड के पास दूसरे सेट में मैच पॉइंट था, लेकिन इवांस ने उनकी स्ट्रीक को तोड़कर मैच को निर्णायक सेट में पहुंचाया। तीसर सेट में कारेनो बुस्ता ने अंतिम 12 पॉइंट जीतते हुए 6-2 से जीत दर्ज की। कारेनो बुस्ता ने जीत के बाद कहा, यह दर्शकों के लिए मजेदार था लेकिन मेरे लिए यह कठिन था। मेरे पास दूसरे सेट में एक मैच प्वाइंट था लेकिन उन्होंने बहुत अच्छा खेल दिखाया जहां मैं कुछ नहीं कर सका। जब आपके पास एक मैच प्वाइंट होता है और दूसरा सेट खेलना होता है, तो ऐसा करना हमेशा कठिन होता है। नेशनल बैंक ओपन फाइनल में कारेनो बुस्ता का मुकाबला पोलैंड के ह्यूबर्ट हरकाज़ से होगा जो सेमीफाइनल में कैस्पर रूड को हराकर आ रहे हैं।

रूड को हराकर मॉन्ट्रियल ओपन फाइनल में पहुंचे हरकाज़

मॉन्ट्रियल। पोलैंड के आठवीं सीड खिलाड़ी ह्यूबर्ड हरकाज़ ने रविवार को नेशनल बैंक ओपन में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए नॉर्वे के कैस्पर रूड को हराकर फाइनल में जगह बनायी। हरकाज़ ने दो घंटे दो मिनट चले सेमीफाइनल में पहला सेट हारने के बाद दमदार वापसी की और रूड को 5-7, 6-3, 6-2 से हराकर इस हफ्ते लगातार चौथी बार तीन सेटों में जीत दर्ज की। हरकाज़ ने एटीपी मास्टर्स 1000 आयोजन के फाइनल में जगह बनाने के बाद कहा, मैं मैच में बने रहने की कोशिश कर रहा था। कैस्पर वास्तव में अविश्वसनीय टेनिस खेल रहे थे और वह शुरुआत में बेहतर खिलाड़ी थे, खासकर पहले सेट के दौरान। मैं खेल में बने रहने की कोशिश कर रहा था और जितना अच्छा हो सके मुकाबला करने के लिए पकड़ बना रहा था। अब हरकाज़ मॉन्ट्रियल ओपन के फाइनल में स्पेन के पाब्लो कारेनो बुस्ता का सामना करेंगे जो सेमीफाइनल में डेनियल इवान्स को 7-5, 6-7(7), 6-2 से हराकर आ रहे हैं।

चार्ल्स की तिकड़ी, हिन्दुस्तान जीता

नयी दिल्ली। अंक तालिका में पिछड़े रेंजर्स और हिन्दुस्तान क्लब की टीमों के बीच शनिवार को खेले गए मैच में हिन्दुस्तान ने रेंजर्स को 3-1 से परास्त कर प्रीमियर फुटबाल लीग में पूरे अंक अर्जित किए। इस जीत के साथ विजेता टीम ने आठ मैचों में आठ अंक अर्जित कर अपनी स्थिति में थोड़ा सुधार किया जबकि रेंजर्स के इतने ही मैचों में कुल छह अंक हैं। आज के मैच का आकर्षण नाइजीरियन खिलाड़ी चार्ल्स की शानदार तिकड़ी रही। चार्ल्स ने क्रमश॰24, 26 और 79वें मिनट में दर्शनीय गोल जमा कर अपनी टीम को जीत दिलाई। उन्हें इस प्रदर्शन के लिये मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया। दूसरी ओर, हमजा ने अंतिम मिनट में पराजित टीम के लिये सांत्वना गोल बनाया। कल खेले जाने वाले मैचों में तरुण संघा को वाटिका से और भारतीय वायुसेना को उत्तराखंड से खेलना है।

वेस्ट इंडीज़ एकदिवसीय श्रृंखला से बाहर हुए हेनरी

वेलिंगटन। न्यूज़ीलैंड के अनुभवी तेज़ गेंदबाज़ मैट हेनरी पसली की चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी एकदिवसीय श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। न्यूज़ीलैंड क्रिकेट (एनज़ेडसी) ने रविवार को यह जानकारी दी। एनज़ेडसी ने बताया कि हेनरी को पिछले सप्ताह प्रशिक्षण के दौरान बाईं ओर दर्द उठा और उपचार के बाद भी उनकी स्थिति बेहतर नहीं हुई। इसके बाद हेनरी को कैरिबियन से वापस न्यूजीलैंड भेजने का फैसला किया गया। युवा गेंदबाज बेन सीयर्स को उनकी जगह टीम में शामिल किया गया है। सीयर्स इस सप्ताह शुरू होने वाली तीन मैचों की श्रृंखला के दौरान अपने अंतरराष्ट्रीय एकदिवसीय करियर की शुरुआत कर सकते हैं।

कूल्हे की चोट के कारण ऑलिवर इंग्लैंड टेस्ट श्रृंखला से बाहर

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के तेज़ गेंदबाज़ डुएन ऑलिवर कूल्हे की मांसपेशी में चोट के कारण इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट श्रृंखला से बाहर हो गये हैं। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने रविवार को यह जानकारी दी। ऑलिवर को यह चोट इंग्लैंड लायन्स के खिलाफ खेले गये चार-दिवसीय अभ्यास मैच के दौरान लगी थी। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट ने फिलहाल ऑलिवर की जगह किसी गेंदबाज को शामिल नहीं किया है। प्रोटियाज़ के अग्रणी गेंदबाज कगिसो रबाडा भी इस समय एड़ी की चोट के कारण टीम से बाहर हैं, और ऑलिवर की चोट ने दक्षिण अफ्रीका की चिंताओं को दोगुना कर दिया है। इस समय दक्षिण अफ्रीका के पास लुंगी एंगिडी, एनरिक नॉर्खिया, मारको जैनसेन, ग्लेंटन स्टूर्मन और लुथो सिपामला के रूप में पांच तेज़ गेंदबाज़ मौजूद हैं।

'राजस्थान रॉयल्स के मालिक ने मुझे तीन-चार चांटे मारे'

वेलिंगटन। न्यूज़ीलैंड के पूर्व बल्लेबाज़ रॉस टेलर ने खुलासा किया है कि आईपीएल के 2011 सत्र के एक मैच में उनके शून्य पर आउट होने के कारण राजस्थान रॉयल के एक मालिक ने उन्हें तीन-चार चांटे मारे थे। टेलर ने कहा कि यह चांटें हंसी-मज़ाक के माहौल में मारे गये थे लेकिन यह पूरी तरह से %नाटक% नहीं था।

टेलर ने अपनी आत्मकथा ब्लैक एंड व्हाइट में लिखा, राजस्थान और किंग्स इलेवन पंजाब के बीच मोहाली में मैच हुआ। हमें 195 रन के लक्ष्य का पीछा करना था, मैं शून्य पर पगबाधा हो गया और हम करीब भी नहीं पहुंचे। इसके बाद टीम, सपोर्ट स्टाफ और प्रबंधन होटल की सबसे ऊपरी मंज़िल के बार में थे। (शेन) वॉर्न के साथ वहां लिज़ हर्ली भी थीं। रॉयल्स के एक मालिक ने मुझसे कहा, %रॉस, हमने तुम्हें %10 लाख डॉलर इसलिये नहीं दिये हैं कि तुम शून्य रन बनाओ% और यह कहकर उन्होंने मेरे चेहरे पर तीन-चार चांटे मारे।

उन्होंने कहा, वह हंस रहे थे, और चांटे भी तेज़ नहीं थे मगर मुझे यकीन नहीं है कि यह पूरी तरह से नाटक-अभिनय था। मैं उन परिस्थितियों में बखेड़ा खड़ा करने नहीं जा रहा था, लेकिन मैं कल्पना नहीं कर सकता था कि यह सब पेशेवर खेल वातावरण में हो रहा है।

आईपीएल के पहले तीन सीज़न रॉयल चैंलेंजर बैंगलोर में गुज़ारने के बाद टेलर को राजस्थान ने 10 लाख डॉलर में टीम में शामिल कर लिया था। टेलर ने कहा कि 10 लाख डॉलर में बिकना शानदार था, लेकिन वह चौथी बार भी बैंगलोर में रहना पसंद करते।

टेलर ने अपनी किताब में लिखा, आईपीएल हालांकि काफी असंवेदनशील है, लंबे समय तक एक टीम में रहने वाले खिलाड़ियों के प्रति टीम वफादार रहती हैं, और शायद एक फ्रेंचाइजी में रहने से मेरा आईपीएल करियर लंबा होता। दूसरी ओर, अगर मैं आरसीबी में रहता तो मैं वीरेंद्र सहवाग, शेन वार्न, महेला जयवर्धने और युवराज सिंह जैसे महान खिलाड़ियों के साथ नहीं खेल पाता। टेलर ने दक्षिण अफ्रीका में आयोजित आईपीएल 2009 में 134.61 के स्ट्राइक रेट से 11 पारियों में 280 रन बनाए थे, जहां आरसीबी फाइनल में पहुंची थी। उन्होंने 2010 में सिर्फ सात मैच खेले, जिसके बाद वह राजस्थान में शामिल हो गये। टेलर ने यह स्वीकार किया कि नयी टीम में उन्होंने अधिक दबाव महसूस किया।

टेलर ने लिखा, जब आप इस तरह का पैसा लाते हैं, तो आप यह साबित करने के लिए बेहद उत्सुक होते हैं कि आप इसके लायक हैं। जो लोग आपको उस तरह का पैसा दे रहे हैं, वे ऊंची उम्मीदें रखते हैं।

यह पेशेवर खेल और मानव स्वभाव है।

एशिया कप में शाकिब संभालेंगे बांग्लादेश की कमान

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने 27 अगस्त से शुरू होने वाले एशिया कप के लिये शनिवार को टीम की घोषणा करते हुए दिग्गज ऑल-राउंडर शाकिब अल हसन को टीम की कमान सौंपी है।

शाकिब को अक्टूबर-नवंबर में होने वाले टी20 विश्व कप तक के लिये कप्तानी सौंपी गयी है।

गौरतलब है कि शाकिब ने बीते दिनों कैरिबियाई सट्टेबाज़ी वेबसाइट 'बेटविनर' के साथ अनुबंध किया था, जिसके बाद उनके टीम में शामिल होने पर संशय था।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अध्यक्ष नज़मुल हसन ने मीडिया के समक्ष कहा था कि यदि शाकिब बेटविनर के साथ समझौते को समाप्त नहीं करते हैं तो उन्हें टीम से बाहर कर दिया जाएगा। इसके बाद शाकिब ने बीसीबी को पत्र लिखकर सट्टेबाज़ी वेबसाइट से संबंध समाप्त करने की सूचना दी थी।

अब शाकिब को टी20 टीम की कमान सौंपी गयी है। टी20 एशिया कप के लिये बांग्लादेश की टीम से लिटन दास का नाम गायब है। लिटन चोट के कारण टूर्नामेंट में शामिल नहीं हो पाएंगे, हालांकि कप्तान शाकिब, मुश्फिकुर रहीम, शब्बीर रहमान, इबादत हुसैन और मोहम्मद सैफुद्दीन की वापसी से टीम मज़बूत हो गयी है।

करीब 10 महीने की गैरमौजूदगी के बाद सैफुद्दीन की बांग्लादेश टीम में वापसी हुई है।

उन्होंने पिछले साल टी20 विश्व कप में आखिरी बार टाइगर्स का प्रतिनिधित्व किया था, जहां पीठ की चोट के कारण वह बीच टूर्नामेंट ही टीम से बाहर हो गये थे।

शब्बीर रहमान को भी 2019 के बाद पहली बार टी20 टीम में जगह दी गयी है। बांग्लादेश को एशिया कप के ग्रुप-बी में अफगानिस्तान और श्रीलंका के साथ रखा गया है। शाकिब की टीम 30 अगस्त को अफगानिस्तान के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

गुजरात, मुंबई ने की अल्टिमेट खो-खो की शुरुआत

पुणे। गुजरात जायंट्स ने रविवार को अल्टिमेट खो-खो (यूकेके) के पहले मैच में टॉस जीतकर डिफेंस चुनते हुए भारत के स्वदेशी खेल की बहुप्रतीक्षित लीग की शुरुआत की। यूकेके खो-खो के खेल को माटी से मैट तक ले आया है, और इसी के साथ खेल में कुछ नये नियम भी जुड़ गये हैं। यूकेके के एक मैच में दो इनिंग होंगी। हर इनिंग में सात मिनट की दो टर्न होंगी जहां दोनों टीमें एक-एक बार अटैक और डिफेंस करेंगी ।एक टीम मैच में 15 खिलाड़ियों के साथ उतरेगी, जिनमें से 12 खिलाड़ी मैट पर होंगे और तीन खिलाड़ियों को किसी खिलाड़ी के चोटिल होने की स्थिति में विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा। अटैकिंग टीम जहां मैट पर कतारबंद होकर बैठेगी, वहीं डिफेंडिंग टीम के 12 खिलाड़ियों का काम होगा कि वह आउट हुए बिना अपनी टर्न के सात मिनट पूरे करें। अटैकिंग टीम में एक वज़ीर होगा जो डिफेंडिंग टीम के खिलाड़ी को आउट करने के लिये किसी भी दिशा में भाग सकता है। पावरप्ले के दौरान दो वज़ीर अटैक करेंगे। डिफेंडिंग टीम के हर खिलाड़ी को आउट करने पर अटैकिंग टीम को दो पॉइंट मिलेंगे। यदि टर्न के सात मिनट के अंदर डिफेंडिंग टीम के सभी खिलाड़ी आउट हो जाते हैं तो अटैकिंग टीम को तीन अतिरिक्त पॉइंट हासिल होंगे।

नवाब नगरी में 16 अगस्त से शुरू होगी सीनियर जूडो चैंपियनशिप

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 16 अगस्त से खेली जाने वाली सीनियर राष्ट्रीय जूडो चैंपियनशिप में करीब 700 खिलाड़ी और स्टाफ हिस्सा लेंगे।

एसोसिएशन के सचिव महेश कुमार गुप्ता ने शनिवार को यहां पत्रकारों को बताया कि यूपी जूडो एसोसिएशन के तत्वावधान में केडी सिंह बाबू स्टेडियम पर 16 से 20 अगस्त के बीच खेली जाने वाली प्रतियोगिता में कई अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी व ओलम्पियन हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में खेली जायेगी जिसमें पुरूष व महिलाओं दोनो वर्गो में 07-07 भारवर्ग हैं।

पुरूष वर्ग में 60 किग्रा,66 किग्रा,73 किग्रा,81 किग्रा,90 किग्रा,100 किग्रा और +100 किग्रा भार वर्ग रखे गये है जबकि महिलाओं में 48,52,57,63,70,88 और +78 किग्रा भारवर्ग निर्धारित किये गये हैं। प्रत्येक भारवर्ग में एक स्वर्ण,एक रजत और दो कांस्य पदक के अलावा एक बेस्ट जूडोका (पुरूष) और एक बेस्ट जूडोका (महिला) ट्राफी भी होगी। इसके अलावा ओवल आल और रनर्स अप ट्राफी भी आकर्षण का केन्द्र रहेंगी। उन्होने बताया कि आन्ध्र प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, चंडीगढ़, दिल्ली, गोवा,गुजरात,झारखण्ड,जम्मू कश्मीर, तमिलनाडु, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, राजस्थान, महाराष्ट्र-ए,महाराष्ट्र-बी, तेलंगाना, त्रिपुरा,पश्चिम बंगाल, पांडिचेरी, पंजाब, केरल,मध्य प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, उड़ीसा, उत्तराखण्ड, अरूणाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, सीआरपीएफ, सीआईएसएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, रेलवे, ऑल इण्डिया स्पोर्टस् कन्ट्रोल बोर्ड और एसएससीबी की टीमें इस प्रतियोगिता में भाग लेगी।

प्रतियोगिता के लिये टीमो का आगमन 16 अगस्त को होगा जबकि औपचारिक उदघाटन 17 अगस्त को सुबह 11 बजे प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक और खेलमंत्री गिरीश यादव करेंगे वहीं प्रतियोगिता का समापन 19 अगस्त को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल करेंगी और 20 अगस्त को सभी खिलाड़ी यहां से वापस रवाना हो जायेंगे।

उन्होने बताया कि पिछले 28 वर्षों के इतिहास में 16 राष्ट्रीय व चार अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का आयोजन करके यूपी जूडो एसोसिएशन ने अपना नाम देश में सर्वश्रेष्ठ आयोजकों में अंकित कर लिया है।

मिस्र के गीजा स्थित चर्च में आग के बाद भगदड़, 41 की मौत

प्रार्थना के लिए जुटे थे 5 हजार लोग

काहिरा। मिस्र के गीजा में एक चर्च में लगी आग के बाद हुई भगदड़ के चलते 41 लोगों की मौत हो गई है। चर्च में प्रार्थना करने के लिए 5,000 लोग जुटे थे।

घटना मिस्र की राजधानी काहिरा के गीजा की है। जानकारी के मुताबिक बच्चों, चर्च के पादरियों और नागरिकों की मौत हो गई है। घटना में घायलों की संख्या का अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है। आग लगने से चर्च को बड़ा नुकसान हुआ है।

शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका

हालांकि अभी चर्च में आग लगने के वजहों की सटीक जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन अनुमान लगाया जा रहा है घटना के पीछे शॉर्ट सर्किट वजह हो सकती है। चर्च की इमारत पुरानी होने के कारण आग काफी तेजी से फैल गई। आग लगने पर चर्च के लोग भागने लगे और इससे भगदड़ मच गई। नतीजतन, कई लोगों की दम घुटने से मौत हो गई।

मरने वालों में बच्चे ज्यादा

यह घटना आज सुबह की है। मरने वालों में बच्चों की संख्या ज्यादा होने की आशंका है।

असल में इस चर्च में नर्सरी भी चलती थी। हालांकि कितने बच्चे आग की चपेट में आए हैं, इसकी पुष्ट जानकारी नहीं मिल सकी है।

आग की सूचना मिलने के बाद दमकल की 15 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया और आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया। घायलों और मृतकों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मिस्र के स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि 55 लोग घायल हुए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता होसम अब्देल गफ्फार ने इस बारे में जानकारी दी।

काबुल में विस्फोट में तीन की मौत, दो घायल

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल के पश्चिम स्थित राष्ट्रीय सांख्यिकी एवं सूचना प्राधिकरण (एनएसआईए) में हुए विस्फोट में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। काबुल पुलिस के प्रवक्ता खालिद जर्दान ने शनिवार को हुए विस्फोट में दो लोगों के घायल होने की पुष्टि की। उन्होंने बताया विस्फोट स्थानीय समयानुसार 10.30 बजे इलेक्ट्रॉनिक राष्ट्रीय पहचान पत्र वितरण कार्यालय के प्रवेश द्वार के पास हुई। इससे पहले 13वें पुलिस जिला के निदेशक ने बताया कि पश्चिमी काबुल के दश्त-ए-बारची इलाके में एक मोटरसाइकिल में छिपाये विस्फोटक उपकरण में विस्फोट हुआ जिसमें दो सैन्यकर्मियों सहित चार लोग घायल हो गए। पिछले सप्ताहांत, काबुल में दो घातक विस्फोटों में 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 40 अन्य घायल हो गए। मीडिया के मुताबिक आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट ने दोनों हमलों की जिम्मेदारी ली है।

सलमान रुश्दी की हालत में सुधार, वेंटीलेटर हटाया गया; बात भी कर रहे

एजेंसी

एजेंसी। प्रख्यात लेखक सलमान रुश्दी की हालत में सुधार हुआ है। रुश्दी को वेंटीलेटर से भी हटा दिया गया है और वो अब बात भी कर रहे हैं। उन पर एक दिन पहले न्यूयॉर्क में हमला किया गया था। अमेरिकी प्राधिकारियों ने इस हमले को लक्षित, बिना उकसावे का और पूर्व नियोजित बताया।

मुंबई में जन्मे विवादास्पद लेखक रुश्दी को द सैटेनिक वर्सेज लिखने के बाद कई सालों तक इस्लामी चरमपंथियों से मौत की धमकियों का सामना करना पड़ा था। उन्हें न्यूजर्सी के 24-वर्षीय निवासी हादी मतार ने पश्चिमी न्यूयॉर्क राज्य में एक कार्यक्रम में चाकू मार दिया था।

चौटाउक्वा इंस्टीट्यूशन के अध्यक्ष माइकल हिल ने शनिवार रात को ट्वीट किया, सलमान रुश्दी अब वेंटीलेटर पर नहीं हैं और बातचीत कर रहे हैं। सभी लोग दुआएं कर रहे हैं।% रुश्दी के एजेंट एंड्रयू वायली ने भी अमेरिकी मीडिया में इस खबर की पुष्टि की। मतार द्वार चाकू घोंपे जाने के बाद रुश्दी (75) को वेंटीलेटर पर रखा गया था। इससे पहले शनिवार को मतार ने अदालत में पेश होने के दौरान हत्या के प्रयास के आरोप स्वीकार नहीं किए और उसे जमानत देने से इनकार कर दिया गया।

हमलावर ने नहीं स्वीकारा आरोप

मतार पर हत्या की कोशिश का आरोप लगाया गया है, लेकिन उसने आरोप स्वीकार नहीं किए हैं। जिस वक्त उसे अदालत में पेश किया गया वह काली और सफेद धारियों का जम्पसूट पहने हुए था। चौटाउक्वा काउंटी के डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी जैसन स्मिथ ने अदालत में रुश्दी की चोटों की जानकारी दी। लेखक को उनकी गर्दन के दाएं ओर चाकू लगने के तीन घाव, पेट में चाकू लगने के चार घाव, दायीं आंख और सीने पर घाव तथा दायीं जांघ पर घाव हुआ है।

आरोपी को 32 साल तक की हो सकती है जेल

स्मिथ ने आरोप लगाया, यह रुश्दी पर लक्षित, बिना उकसावे का और पूर्व नियोजित हमला था। मतार अगर इन आरोपों में दोषी पाया जाता है तो उसे 32 साल तक की जेल की सजा हो सकती है।

दुनियाभर के नेता और साहित्य जगत के लोग इस हमले से स्तब्ध हैं तथा उन्होंने इसकी निंदा की है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने शनिवार को एक बयान में कहा कि वह और प्रथम महिला जिल बाइडेन लेखक पर विद्वेषपूर्ण हमले के बारे में जानकर स्तब्ध और दुखी हैं।

प्रवासी भारतीयों ने हांगकांग में लहराया हर घर तिरंगा

हांगकांग । भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हर घर तिरंगा पहल का समर्थन करते हुए हांगकांग में प्रवासी भारतीयों ने आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर हर घर तिरंगा सामूहिक अभियान के साथ स्वतंत्रता दिवस की खुशी मनाई। इस अवसर अपने भारत प्रेम और प्रधानमंत्री के प्रति अपने समर्थन व सम्मान को दर्शाते हुए ओएफबीजेपी हांगकांग और चीन ने गर्व के साथ 'हर घर तिरंगा फॉर हांगकांग इंडियंस' के माध्यम से हर घर तिरंगा में अपनी भागीदारी की घोषणा की है। ओएफबीजेपी हांगकांग और चीन के अध्यक्ष सोहन गोयनका ने कहा हमारा मकसद भारत को भारतीयों तक पहुंचाना है। हम हांगकांग में हर भारतीय तक तिरंगा वितरित कर रहे हैं। ओएफबीजेपी हांगकांग और चीन ने हर भारतीय के घरों और ऑफिस के लिए 6000 से अधिक तिरंगे वितरित किये है। हांगकांग में बसे सभी भारतियों ने खुशी-खुशी मातृभूमि की जय-जयकार कर आजादी का अमृतमहोत्सव मनाया।

बाहरी ताकतों पर निर्भर रहने से ताइवान के अलगाववादियों को कुछ हासिल नहीं होगा : चीन

बीजिंग 13 अगस्त(वार्ता/ शिन्हुआ) चीन ने चेतावनी देते हुए कहा है कि बाहरी ताकतों पर निर्भर रहने से ताइवान के अलगाववादियों को कुछ हासिल नहीं होगा और बाहरी ताकतें यह मंसूबा नहीं पालें कि 'ड्रैगन' को नियंत्रित करने के लिए ताइवान को 'बली का बकरा' बनाया जा सकता है। चीन ने हाल ही में राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय न्याय के मौलिक हितों को बनाए रखने के अपने पक्ष को मजबूती से रखते हुए एक श्वेत पत्र जारी करके यह चेतावनी दी है।' नये युग में ताइवान प्रश्न और चीन का पुनर्मिलन' शीर्षक से जारी श्वेत पत्र में कहा गया है देश 'ताइवान स्वतंत्रता' ,अलगाववादी ताकतों और बाहरी ताकतों के घिनौने राजनीतिक स्वभाव और भयावह मंशा को गहराई से खारिज करता है और उनके लिए एक कड़ी चेतावनी जारी करता है। श्वेत पत्र में कहा गया है,चीन के 5,000 साल के इतिहास में, राष्ट्रीय एकीकरण और विभाजन का विरोध पूरे देश का एक सामान्य आदर्श और साझा परंपरा बना हुआ है। ताइवान प्राचीन काल से चीन के क्षेत्र का एक अभिन्न अंग रहा है ।चीन से ताइवान अलगाव की बात करना गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है, और ताइवान जलडमरूमध्य की दोनों ओर हमवतन के सामान्य हितों और चीनी राष्ट्र के मौलिक हितों को कमजोर करता है ।ये रास्ता कहीं भी नहीं जायेगा। ताइवान सभी चीनी लोगों का है, जिसमें ताइवान के 23 लाख हमवतन भी शामिल हैं।

कैनबरा हवाई अड्डे पर गोलीबारी मामले में बंदूकधारी गिरफ्तार

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया की राजधानी कैनबरा में हवाईअड्डे टर्मिनल इमारत में रविवार को गोलीबारी करने को लेकर एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। ऑस्ट्रेलिया के राजधानी क्षेत्र की पुलिस ने आज यहां बताया कि एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है और उसके पास से बंदूक बरामद हुई है। पुलिस द्वारा मीडिया के लिए जारी विज्ञप्ति में बताया गया, सीसीटीवी की समीक्षा की गई है और इस समय हिरासत में लिया गया व्यक्ति ही इस घटना के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने बताया, एहतियातन कैनबरा हवाई अड्डे के टर्मिनल को खाली करा लिया गया है और हवाई अड्डे पर स्थिति नियंत्रित है। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। एसीटी पुलिस के खुफिया कार्यकारी अधीक्षक डेव क्राफ्ट ने बताया कि वह व्यक्ति स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 0130 बजे हवाई अड्डे में दाखिल हुआ और प्रस्थान चेक-इन क्षेत्र के पास बैठ गया। ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन के अनुसार, करीब पांच मिनट के बाद इस व्यक्ति अपने पास रखी बंदूक तकरीबन पांच राउंड गोली चलाई। उन्होंने कहा कि मैंने देखा कि अपराध स्थल पर उस व्यक्ति ने टर्मिनल के भीतर शीशे पर गोली मार दी है। लोगों या कर्मचारियों कोई गोली नहीं लगी है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस ने कहा कि उन्हें दोपहर में इस घटना के बारे में संघीय पुलिस ने जानकारी दी। उन्होंने कहा, मुझे बताया गया है कि एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है और कोई खतरा नहीं है। हवाई अड्डा प्रशासन ने ट्वीट कर बताया कि कैनबरा हवाई अड्डे सामान्य परिचालन फिर से शुरू कर दिया गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

स्वतंत्रता दिवस हर भारतीय के लिए बहुत खास है यह दिन

ब्रितानी हुकूमत के खिलाफ एक लंबी लड़ाई, हजारों कुर्बानियां और तमाम जुल्मों-सितम के बाद हिंदुस्तान 15 अगस्त 1947 की आधी रात को अंग्रेजों से मुक्त हो गया था। एक लंबे समय से गुलामी की बेड़ियों में जकड़े भारतीय समाज को खुली हवा में सांस लेने का मौका मिला तो हर ओर बस जश्न का माहौल था। हर कोई आजादी के मतवालों को याद कर रहा था, जिनके बलिदान से भारतीयों को मुक्ति मिली थी। इस दिन से भारत का स्वतंत्रता दिवस मनाया जाने लगा।

भारत आज स्वतंत्रता दिवस की 73वीं वर्षगाठ मनाने जा रहा है। देश के लिए इस बार स्वतंत्रता दिवस कई मायने में खास है। एक ओर जम्मू-कश्मीर से आटिकल-370 हटाकर उसे दो हिस्सों में बांटकर जम्मू और लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया है। इस बार भी देश की जनता को प्रधानमंत्री से काफी उम्मीदें हैं। पीएम मोदी इस बार अपने दूसरे कार्यकाल में लाल किले से तिरंगा फहराएंगे। आजादी के 72 साल पूरे होने पर हर साल की तरह इस बार भी राष्ट्रीय पर्व पर तरह-तरह के कार्यक्रम किए जाएंगे। इस खास पर्व के मौके पर क्या बड़े बुजुर्ग, युवा, बच्चों से लेकर महिलाएं सभी स्वतंत्रता दिवस और जश्न ए आजादी के उल्लास में डूबे नजर आएंगे। हर तरफ आजादी का जश्न दिखाई देगा।

आजादी से लेकर आज तक लगभग सात दशक बीत चुके हैं। इन इकहत्तर सालों में भारत ने अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं। एक समय जो देश सोने की चिड़िया कहलाता था, उस पर मुगलों से लेकर अंग्रेंजों तक ने बहुत जुल्म ढहाए, जिससे देश का आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक-सांस्कृतिक ताना बाना बिल्कुल ढहने की कगार पर पंहुच गया। 1947 में 14 अगस्त की रात जब 15 अगस्त में परिवर्तित हुई तो ब्रितानी हुकूमत का परचम नीचे गिरा भारत का तिरंगा शान से लहराने लगा। उस समय देश का नेतृत्व करने वाले लोगों के सामने देश के विकास की बड़ी चुनौती थी और साधन बहुत कम। जैसे-तैसे इन सात दशकों में देश ने अपने आप को संभाला है और आज विश्व में अपना अलग मुकाम भी स्थापित किया है।

इन स्मारकों का आजादी से है घनिष्ठ रिश्ता

जैसा कि सभी जानते हैं कई स्वतंत्रता सेनानी देश को आजाद कराने में शहीद हो गए। जब हम इस स्वतंत्रता दिवस पर इन शहीदों को नमन करेंगे तो इनके स्मारक जरूर याद आएंगे। हम बताते हैं कि देश में किन-किन स्थानों का हमारी आजादी से करीब का रिश्ता है। आप शहीदों को नमन करने के लिए इन स्थानों पर जा भी सकते हैं।

लाल किला, दिल्ली

हर साल स्वतंत्रता दिवस के मौके पर भारत के प्रधानमंत्री लाल किले पर झंडा फहराते हैं और देश को संबोधित करते हैं। सन 1947 में जब भारत को आजादी मिली थी, उस दिन देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने लाल किले से भाषण दिया था। लाल किला अंग्रजों से भारत की आजादी का प्रतीक है। ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण लाल किले का निर्माण शाहजहां ने करवाया था। लाल रंग के बलूआ पत्थर से बने होने के कारण इसका नाम लाल किला पड़ा।

जलियांवाला बाग, अमृतसर

सन् 1919 में जलियांवाला बाग में बैसाखी के दिन स्वतंत्रता सेनानियों ने रॉलेट ऐक्ट में विरोध में एक बैठक की योजना बनाई। इसके बाद जब लोग यहां आए तो बिना किसी चेतावनी के जनरल डायर ने गोली चलाने का आदेश दे दिया। जालियांवाला बाग हत्याकांड में कई सौ लोग शहीद हुए थे। इन शहीद की याद में जलियांवाला बाग में मेमोरियल बनाया गया है। यहां पर दीवारों में बुलेट का निशान देखे जा सकते हैं। इन निशानों को देखकर आप अत्याचार का अंदाजा लगा सकते हैं।

वाघा बॉर्डर, अमृतसर

पंजाब की वाघा बॉर्डर जो भारत और पाकिस्तान को अलग करती है। रोजाना सुर्यास्त से पहले वाघा बॉर्डर पर रीट्रीट सेरेमनी होती है। इस सेरेमनी में भारत और पाकिस्तान के जवान शामिल होते हैं। इसको देखने के लिए दोनों के तरफ काफी संख्या में पर्यटक आते हैं।

सेलुलर जेल, अंडमान निकोबार द्वीप

अंडमान निकोबार द्वीप समूह में स्थित सेलुलर जेल को काला पानी के रूप में भी जाना जाता है। यह जेल अब एक म्यूजियम और स्मारक बन गई है। सेलुलर जेल में बने म्यूजियम और स्मारक में आने पर आपको अंदाजा होगा कि स्वतंत्रता सेनानियों को हमारे देश को आजाद कराने के लिए कितनी यातना सहनी पड़ी।

अगस्त क्रांति मैदान, मुंबई

मुंबई का अगस्त क्रांति मैदान में गांधीजी ने 9 अगस्त 1942 को अंग्रेजों के खिलाफ भारत छोड़ो का बिगुल फूंका था। यह स्थान भारतीय स्वतंत्रता में सबसे महत्वपूर्ण स्थानों में से है। आज इस मैदान को गोवली मैदान कहा जाता है। आप स्वतंत्रता दिवस पर इस मैदान को देखने जा सकते हैं।

साबरमती आश्रम, अहमदाबाद

साबरमती आश्रम से महात्मा गांधी ने नमक सत्याग्रह और दांडी मार्च की शुरुआत की थी। साबरती से लेकर दांडी तक के जिस रास्ते से यह जुलूस निकला था, वो अब ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण हो गया है। महात्मा गांधी ने वर्ष 1930 में दांडी मार्च शुरू किया तो वे इस आश्रम रुके थे।

चंद्रशेखर आजाद पार्क, प्रयागराज

सन् 1931 में चंद्रशेखर आजाद प्रयागराज के इस पार्क में ब्रिटिश सैनिकों के साथ लड़े थे। इस पार्क में उन्होंने मात्र 25 साल की उम्र में अपने प्राणों को न्यौछावर किया था। बता दें कि जब चंद्रशेखर आजाद ने ब्रिटिश पुलिस ने घेर लिया। तब उन्होंने सोचा कि ब्रिटिश सैनिकों की गोली से नहीं मरेंगे और उन्होंने खुद को इस जगह पर गोली मार ली। इस जगह को अब चंद्रशेखर आजाद पार्क के नाम से जाना जाता है। पार्क में चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा लगी हुई है।

झांसी का किला उत्तर प्रदेश

सभी जानते हैं कि झांसी की रानी लक्ष्मी बाई बहुत साहसी योद्धा हुई हैं, जिन्होंने सिर्फ अपने दम पर अंग्रेजों के दांत खट्टे कर दिए थे। झांसी में एक किला बना हुआ है, जहां आप स्वतंत्रता दिवस पर जा सकते हैं। 17वीं शताब्दी में झांसी का किला राजा बीर सिंह देव ने बनवाया था। ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ लक्ष्मी बाई अपने बेटे को पीठ पर बांधकर वीरता से लड़ीं थीं।

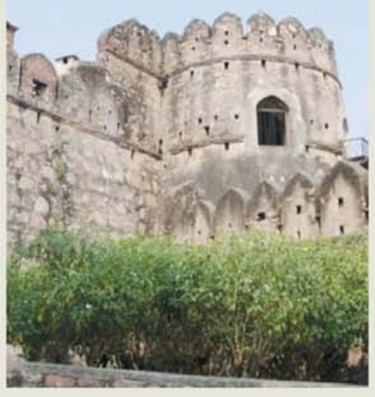

विशेष नारे, जिन्होंने आजादी में दिया अहम योगदान

भारत माता के वीर सपूतों के जज्बे की वजह से हमें 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता मिली। इन सपूतों में और पूरे देश में देशभक्ति और जोश की भावना को भरने के लिए समय-समय पर स्वतंत्रता सेनानियों ने नए-नए नारों को गढ़ा और लोगों को उद्वेलित किया। इन नारों ने देशभक्ति की अलख को जगाए रखा। एक नजर ऐसे ही नारों पर-

- जय हिंद (नेताजी सुभाष चंद्र बोस)
- जय जवान, जय किसान (लाल बहादुर शास्त्री)
- वंदे मातरम (बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय)
- स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है, और मैं इसे लेकर रहूंगा (बाल गंगाधर तिलक)
- सत्यमेव जयते(पंडित मदनमोहन मालवीय)
- इंकलाब जिंदाबाद (भगत सिंह)
- सरफरोशी की तमन्ना, अब हमारे दिल में है (रामप्रसाद बिस्मिल)
- आराम हराम है (जवाहर लाल नेहरू)
- दुश्मन की गोलियों का हम सामना करेंगे, आजाद ही रहे हैं, आजाद ही रहेंगे (चंद्र शेखर आजाद)
- तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा (नेताजी सुभाष चंद्र बोस)

आजादी से जुड़े रोचक किस्से जिन्हें जानना भी जरूरी

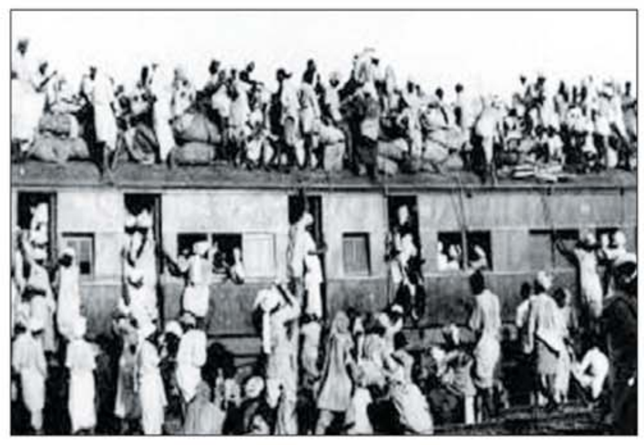

आजादी के बाद पिछले 72 सालों में भारत ने कितनी तरक्की की इसे लेकर तमाम तरह की चर्चाएं होंगी। इन सभी चर्चाओं से पहले हमें उस दिन के बारे में जानना बेहद जरूरी है। जब हमें 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों की गुलामी से आजादी मिली थी। उस दिन कई ऐसी घटनाएं हुई थी, जिनके बारे में आज तक कम ही लोग जानते है, आज हम आपको उस दिन की कुछ ऐसी ही बातें बताने जा रहे हैं-

-15 अगस्त 1947, जिस दिन हमारे भारत देश को आजादी मिली, तब इस दिन के जश्न में महात्मा गांधी शामिल नहीं हो सके थे, क्योंकि तब वे दिल्ली से हजारों किलोमीटर दूर बंगाल के नोआखली में थे, जहां वे हिंदुओं और मुस्लिमों के बीच हो रही सांप्रदायिक हिंसा को रोकने के लिए अनशन कर रहे थे।

-जवाहर लाल नेहरू और सरदार वल्लभ भाई पटेल ने महात्मा गांधी को खत भेजा। इसमें लिखा था, कि 15 अगस्त हमारा पहला स्वाधीनता दिवस होगा। आप राष्ट्रपिता हैं। इसमें शामिल हो अपना आशीर्वाद दें।

- गांधी ने इस खत का जवाब भिजवाया, जब कलकत्ते में हिंदु-मुस्लिम एक दूसरे की जान ले रहे हैं, ऐसे में मैं जश्न मनाने के लिए कैसे आ सकता हूं। मैं दंगा रोकने के लिए अपनी जान दे दूंगा।

- 14 अगस्त की मध्यरात्रि को जवाहर लाल नेहरू ने अपना ऐतिहासिक भाषण ट्रिस्ट विद डेस्टनी दिया था। इस भाषण को पूरी दुनिया ने सुना था, लेकिन महात्मा गांधी ने इसे नहीं सुना, क्योंकि उस दिन वे जल्दी सोने चले गए थे।

- हर साल स्वतंत्रता दिवस पर भारत के प्रधानमंत्री लाल किले से झंडा फहराते हैं, लेकिन 15 अगस्त, 1947 को ऐसा नहीं हुआ था। लोकसभा सचिवालय के एक शोध पत्र के मुताबिक नेहरू ने 16 अगस्त, 1947 को लाल किले से झंडा फहराया था।

- 15 अगस्त तक भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा रेखा का निर्धारण नहीं हुआ था। इसका फैसला 17 अगस्त को रेडक्लिफ लाइन की घोषणा से हुआ।

-15 अगस्त के दिन की शुरुआत सुबह 8.30 बजे हुई, जब वायसरीगल लॉज (जिसे अब राष्ट्रपति भवन के नाम से जाना जाता है) में शपथग्रहण समारोह हुआ। नई सरकार ने सेंट्रल हॉल (आज जिसे दरबार हॉल कहा जाता है) में शपथ ली।

हिमाचल के इस शहर में 15 नहीं 16 अगस्त को मनाया जाता है आजादी का जश्न

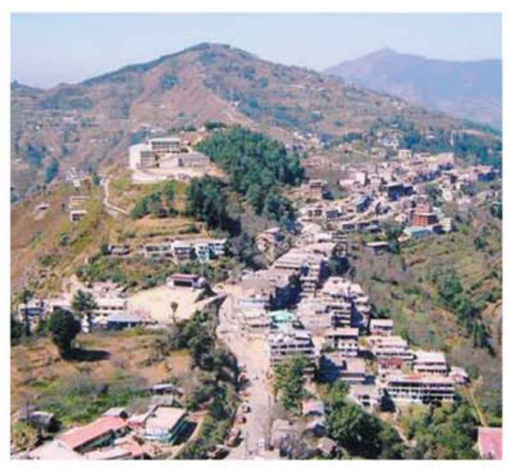

हिमाचल प्रदेश का एक स्थान ऐसा है, जो आजादी का जश्न 15 अगस्त को न मनाकर 16 अगस्त को मनाता है। इस जगह का नाम है ठियोग, जो कि शिमला से तीस किलोमीटर दूर स्थित है। इसके पीछे कारण यह है कि ठियोग रियासत हिंदुस्तान में सबसे पहले राजाओं की सत्ता से आजाद हुई और जनता की चुनी हुई पहली सरकार यहां 16 अगस्त, 1947 को बनी। तब से लेकर प्रशासन 16 अगस्त को यहां सरकारी तौर पर कार्यक्रम आयोजित करता है।

ठियोग से शुरू हुआ था प्रजामंडल आंदोलनः इतिहास बताता है कि 15 अगस्त, 1947 को ठियोग रियासत के राजा कर्मचंद के बासा महल के बाहर लोगों की भीड़ जुट गई, उन्हें विरोध को देखते हुए अपनी गद्दी छोड़नी पड़ी। इसके चलते ही अगले दिन लोकतंत्र की बहाली के तहत सूरत राम प्रकाश ने सत्ता संभाली। उनके साथ बुद्धिराम, सीताराम वर्मा एवं आठ अन्य ने मंत्री पद की शपथ ली। याद रहे कि 15 व 16 अगस्त को ठियोग से प्रजामंडल आंदोलन शुरू हुआ था। इसके बाद ही लोकतंत्र की स्थापना हुई एवं सूरत राम को ठियोग का प्रधानमंत्री बनाया गया था।

भारत की तरह ये चार देश भी 15 अगस्त को ही मनाते हैं आजादी का जश्न

15 अगस्त यानी वह दिन जब हमारे देश को आजादी मिली थी। 15 अगस्त का दिन भारत के लिए तो महत्वपूर्ण है, ये तो सभी जानते हैं लेकिन भारत के अलावा भी चार और ऐसे देश हैं, जहां इस दिन आजादी का जश्न मनाया जाता है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि इसी दिन वे भी स्वतंत्र हुए थे और इन देशों में भी 15 अगस्त को ही स्वतंत्रता दिवस आता है। यहां हम आपको ऐसे ही देशों के बारे में बताने जा रहे हैं -

कांगो : कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य अफ्रीका महाद्वीप के मध्य में स्थित देश है, जिसका कुछ भू-भाग अंध महासागर से मिलता है। क्षेत्रफल के अनुसार यह विश्व का 11वां सबसे बड़ा देश है और फ्रांसीसी भाषा बोलने वाला सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। 15 अगस्त, 1960 को कांगो फ्रांस से आजाद हुआ। ये देश 80 साल तक फ्रेंच के शासन के तहत रहा।

बहरीन: बहरीन की राजधानी मनामा है। ये अरब जगत का एक हिस्सा है, जो एक द्वीप पर बसा हुआ है। 1985 में नेशनल असेंबली भंग हुई, जो अब तक बहाल नहीं हो पाई है। 1990 में कुवैत पर इराक के आक्रमण के बाद बहरीन संयुक्त राष्ट्रसंघ का सदस्य बना। बहरीन को 15 अगस्त, 1971 को ब्रिटेन से आजादी मिली।

उत्तर और दक्षिण कोरिया : उत्तर और दक्षिण कोरिया को 15 अगस्त, 1945 में जापान से आजादी मिली थी। कोरिया 1948 तक संयुक्त था। उस समय इसे दक्षिण कोरिया और उत्तर कोरिया में विभाजित कर दिया गया। साल 1910 से लेकर साल 1945 तक कोरियाई प्रायद्वीप जापान के कब्जे में रहा। साउथ कोरिया 15 अगस्त 1945 को जापान से आजाद हुआ।

..तो 15 अगस्त नहीं इस दिन आजाद होता भारत

15 अगस्त भारतीयों के जेहन में बसी एक ऐसी तारीख है, जिसकी तुलना 26 जनवरी छोड़कर शायद ही किसी और दिन से की जा सके, लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारत को आजादी मिलने के लिए किसी और तारीख पर सहमति बनी थी, लेकिन अंग्रेजों ने अपनी चाल को सफल बनाने के लिए इसे बदलवा दिया।

असल में साल 1930 से ही कांग्रेस स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए 26 जनवरी के दिन का चयन कर चुकी थी। हालांकि इंडिया इंडिपेंडेंस बिल के मुताबिक ब्रिटिश प्रशासन ने सत्ता हस्तांतरण के लिए 3 जून 1948 की तारीख तय की गई थी। फरवरी 1947 में ब्रिटिश प्रधानमंत्री क्लेमेंट रिचर्ड एटली ने घोषणा की थी कि सरकार 3 जून 1948 से भारत को पूर्ण आत्म प्रशासन का अधिकार प्रदान कर देगी। हालांकि माउंटबेटन के परिदृश्य में आने के बाद सब कुछ बदल गया। फरवरी 1947 में ही लुई माउंटबेटन को भारत का आखिरी वायसराय नियुक्त किया गया था। माउंटबेटन पहले पड़ोसी देश बर्मा के गवर्नर हुआ करते थे। उन्हें ही व्यवस्थित तरीके से भारत को सत्ता हस्तांतरित करने की जिम्मेदारी भी दी गई थी।

जिन्ना के मरने के डर से हुआ सब: असल में जिन्ना ही वह चेहरा थे, जिनको आगे रखकर ब्रिटिशों ने भारत को दो टुकड़ों में बांटने की साजिश रची थी और देश में ब्रिटिशों ने ऐसा हिंदू-मुस्लिम ध्रुवीकरण किया, जिसकी आग सदियों तक नहीं मिटने वाली थी। अगर जिन्ना की मृत्यु ब्रिटिशों के प्लान के पूरा होने से पहले हो जाती तो उन्हें मुश्किल आ सकती थी। बता दें कि 15 अगस्त ब्रिटिशों के लिए शुभ दिन था, क्योंकि इसी दिन ब्रिटेन और मित्र राष्ट्रों ने जापान को आत्म समर्पण करवाकर द्वितीय विश्वयुद्ध जीता था, इसलिए इस दिन भारत को भी सत्ता हस्तांतरित करने का निर्णय लिया गया।

माउंटबेटन ने क्या किया

कुछ इतिहासकारों का मानना है कि माउंटबेटन ब्रिटेन के लिए 15 अगस्त की तारीख को शुभ मानता था, क्योंकि द्वितीय विश्व युद्ध के वक्त जब 15 अगस्त 1945 को जापानी सेना ने आत्मसमर्पण किया था, तब माउंटबेटन अलाइड फोर्सेज का कमांडर हुआ करता था। इसलिए माउंटबेटन ने ब्रिटिश प्रशासन से बात करके भारत को सत्ता हस्तांतरित करने की तिथि 3 जून 1948 से 15 अगस्त 1947 कर दी। हालांकि एक दूसरे इतिहासकार धड़े का तर्क ज्यादा पुष्ट मालूम पड़ता है। भारत को 3 जून 1948 के बजाय 15 अगस्त 1947 को ही सत्ता हस्तांतरित करने को लेकर एक और कारण यह भी बताया जाता है कि ब्रिटिशों को इस बात की भनक लग गई थी कि मोहम्मद अली जिन्ना जिनको कैंसर था और वो ज्यादा दिन जिंदा नहीं रहेंगे। इसी को ध्यान में रखते हुए अंग्रेजों को चिंता थी कि अगर जिन्ना नहीं रहे तो महात्मा गांधी अलग देश न बनाने के प्रस्ताव पर मुसलमानों को मना लेंगे।

CMYK CMYK CMYK CMYK